वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच **

शनिवार, 01 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 25, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 166 अंकों की उछाल

बजाज फाइनेंस में तेज उछाल की वजह से शेयर बाजारों के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 166 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 66 अंक चढ़ गया। } 10

आंध्र प्रदेश व कर्नाटक को मोदी देंगे आज सौगात

पीएम नरेन्द्र आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का दौरा करेंगे। इस दौरान वह एक नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे व 17,900 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। } 10

हर्ष सिंह व अस्मिता डे ने जीता गोल्ड

लवप्रीत सिंह ने रजत व सीमा कलीरामना ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी

ग्लास्गो। भारत की अस्मिता डे राष्ट्रमंडल खेलों की जूडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई जिन्होंने 48 किलो वर्ग में कनाडा की हेडी क्वाच को नाटकीय गोल्डन स्कोर मुकाबले में हराकर खिताब जीता। वहीं भारतीय जूडो खिलाड़ी हर्ष सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों के 60 किग्रा से कम भार वर्ग की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेल में कल रात भारतीय भारोत्तोलक लवप्रीत सिंह ने पुरुषों के 110 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि सीमा कलीरामना ने महिला डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक हासिल किया। आठवें दिन ऑस्ट्रेलिया 110 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना रहा। भारत के पदकों में पांच स्वर्ण, 10 रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। लवप्रीत ने स्नैच में गेम्स रिकॉर्ड बनाया और मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए। आकलैंड में 1990 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार जूडो को शामिल किया गया था। इसके बाद से भारतीय जूडो खिलाड़ियों ने हर बार पदक जीता है लेकिन पीला तमगा हासिल नहीं कर सके। त्रिपुरा की 23 वर्ष की

अस्मिता शुरूआत में पिछड़ गई थी और उन्हें पेनल्टी भी लगी। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए स्कोर 1-1 से हराकर किया। चार मिनट के मुकाबले ...शेष पृष्ठ 10 पर

किसानों को बड़ी सौगात : कृषक छात्रवृत्ति योजना का विस्तार

पीपीपी मॉडल से विकसित होंगी कृषि प्रसंस्करण इकाइयां, सभी मंडियां होंगी आधुनिक : योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के मेधावी बच्चों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 172वीं बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में वर्ष 2026-27 के 3025.49 करोड़ के बजट सहित किसान कल्याण, कृषि विपणन एवं मंडी व्यवस्था से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश की मंडियों का आधुनिकीकरण एवं पुनरोद्धार करते हुए उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों को बेहतर, पारदर्शी एवं सुविधाजनक विपणन व्यवस्था उपलब्ध हो सके। उन्होंने मंडियों में पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने मंडी स्थलों में पीपीपी मॉडल पर कृषि उपज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने तथा इसके लिए नियमों को अधिक व्यवहारिक एवं निवेश अनुकूल बनाने के

निर्देश दिए, जिससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य, मूल्य संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के ...शेष पृष्ठ 10 पर

हर घर तिरंगा को बनायेंगे जनआंदोलन : मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता का आह्वान करते हुए इस वर्ष 5 करोड़ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के गौरवशाली इतिहास से जन-जन को जोड़ने का राष्ट्रीय अभियान है। इसे व्यापक जनभागीदारी के साथ जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि 14 और 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का अनिवार्य रूप से प्रसारण सुनिश्चित किया जाए। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' अभियान, स्वतंत्रता दिवस तथा विभाजन विभीषिका ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

कुलगाम में आतंकियों ने दो श्रमिकों को मारी गोली एक की मौत, एक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार को एक ईंट-भट्ठे पर संदिग्ध आतंकियों ने बाहरी मजदूरों पर गोलीबारी की जिसमें मजदूर की मौत हो गई। जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमलावरों ने देर शाम केलम स्थित ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे मजदूरों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि हमले में दो मजदूर घायल हुए। उन्होंने बताया कि इनमें से एक ने अस्पताल ले जाने से पहले दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे को अनंतनाग स्थित जीएमसी अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। यह हमला दस दिन से भी कम समय पहले हुई एक अन्य घटना के बाद हुआ है, जिसमें आतंकवादियों ने अनंतनाग शहर में एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संघठन टीआरएफ ने ली है।

पत्नी व तीन बेटों की हत्या करने वाले को फांसी

कुशीनगर। जिले के अपर सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने पत्नी और तीन बेटों की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या करने के मामले में पति को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उसे दो लाख रुपये का अर्थदंड भी दिया गया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी जीपी यादव व अपर जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कसया के मठिया विशंभर माधोपुर के रामजीत कुशवाहा ने 26 अगस्त 2021 को कसया थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि कुड़वा दिलीपनगर के गुरमिया गोपाल टोला के जितेंद्र कुशवाहा से रामजीत ने अपने बेटी लीलावती की शादी की थी।

पीएम-किसान योजना पांच साल बढ़ी

3.15 लाख करोड़ रुपये होंगे खर्च, प्रत्येक पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को किसानों को वित्तीय सहायता देने के लिए अगले पांच वर्षों यानी वित्त वर्ष 2030-31 तक पीएम-किसान योजना के विस्तार को मंजूरी दी। इसमें 3,15,614 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की शुरुआत 24 फरवरी, 2019 को हुई थी और केंद्र प्रायोजित यह योजना देश भर के किसानों को सुनिश्चित आय सहायता देती है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता मिलती है। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) व्यवस्था के माध्यम से उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में दी जाती है। इस योजना के तहत अब तक करीब 4.5 लाख करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि मंत्रिमंडल ने पीएम-किसान योजना को 2030-31 तक पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। इसका कुल परिव्यय 3,15,614 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान योजना के लिए कुल 3,15,614 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी गई है। सरकार ने एक बयान में कहा यह मंजूरी सरकार की इस प्रतिबद्धता को दोहराती है कि किसानों की समृद्धि ही राष्ट्र की समृद्धि की नींव है। इसमें कहा गया है कि योजना के विस्तार से कृषि में निवेश करने की किसानों की क्षमता बढ़ेगी, उत्पादकता में सुधार होगा, कृषि जोखिमों को कम करने में मदद मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के बारे में बात करते हुए सरकार ने कहा कि उसने योजना के तहत 23 किस्तों के माध्यम से अब तक 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित की है। इस क्रम में 23वीं किस्त के तहत 9.49 करोड़ से अधिक ...शेष पृष्ठ 10 पर

प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 5,070 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी दी। इसके तहत जलाशयों पर स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ विकसित किया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, इस योजना के तहत 5,000 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सौर परियोजनाएं ...शेष पृष्ठ 10 पर

समुद्र मंथन योजना पर कैबिनेट की मुहर

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य गहरे समुद्री क्षेत्रों में तेल एवं गैस की खोज, अन्वेषण कुओं की ड्रिलिंग और नई खोजों के लिए साझा बुनियादी ढांचे के विकास में आंशिक सहायता प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को मंजूरी दी गई। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक ...शेष पृष्ठ 10 पर

खेलो इंडिया के लिए 29,000 करोड़ का बजट पास

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वतंत्रता के बाद का सबसे महत्वाकांक्षी खेल विकास कार्यक्रम बताते हुए शुक्रवार को खेलो इंडिया योजना के विस्तार और राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली सहायता (एएनएसएफ) के बजट के लिए अगले पांच वर्षों कुल 36,441 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी। सरकार ने खेलो इंडिया योजना के लिए अगले पांच वर्षों में 29,054 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें तैयार करना है, ताकि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के माध्यम से वैश्विक खेल केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। वहीं राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सहायता के लिए अगले ...शेष पृष्ठ 10 पर

बंगाल में धरा गया जेईएम का आतंकी

बर्धमान (बंगाल)। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले से जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां उसके किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से संभावित संबंधों की भी जांच कर रही हैं।

राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने हामिद मंडल को बृहस्पतिवार देर रात बर्धमान शहर के एक आवासीय परिसर स्थित किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मंडल पिछले दो से तीन महीनों से उस फ्लैट में रह रहा था, ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजर से बचा रह सके। पुलिस ने बताया कि उसके मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज से मिले साक्ष्यों से संकेत मिला है कि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से जुड़ी जानकारी एकत्र कर रहा था। इसके बाद जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या वह किसी हमले की योजना बना रहा था। पुलिस के अनुसार, मंडल के पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का संदेह है। उसे सज्जाद भट्ट का करीबी ...शेष पृष्ठ 10 पर

ताहिर हुसैन समेत पांच को उम्रकैद

दिल्ली हिंसा के दौरान भीड़ के साथ मिलकर की थी अंकित शर्मा की हत्या

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के दोषी आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य को शुक्रवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने कहा कि मामला दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता, जिसके लिए मौत की सजा दी जाए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने सभी पांच दोषियों को सजा सुनाई और कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका है कि दोषियों में सुधार की गुंजाइश नहीं है। कड़ी सुरक्षा के बीच हुसैन और अन्य लोगों की उपस्थिति में फैसला सुनाया गया। अदालत कक्ष

खचाखच भरा हुआ था, जहां वकीलों के अलावा अपराध शाखा के संयुक्त आयुक्त और डीसीपी सहित दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। फैसला सुनाए जाने के समय हुसैन का परिवार भी अदालत कक्ष में मौजूद था। अंकित शर्मा हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद अदालत से बाहर निकलते समय ताहिर हुसैन ने कहा इंसाफ उच्च न्यायालय से मिलेगा। हुसैन ने कहा उच्च न्यायालय न्याय देगा, अब भी ...शेष पृष्ठ 10 पर

आंबेडकर प्रतिमा विवाद में तीन पुलिसकर्मी समेत पांच लोग निलंबित

देवरिया। जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के पोखारभिंडा गांव में गुरुवार को आंबेडकर प्रतिमा विवाद के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को तीन पुलिसकर्मी, एक लेखपाल और पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया है।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी ने आज यहां बताया कि आंबेडकर प्रतिमा विवाद में प्रारम्भिक जांच में लापरवाही पाए जाने पर पुलिस और प्रशासन से जुड़े पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले में पुलिस अधीक्षक ने हल्का इंचार्ज दरोगा, बीट सिपाही और एलआईयू बीट सिपाही को निलंबित किया गया है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने गांव के लेखपाल और पंचायत सचिव को निलंबन ...शेष पृष्ठ 10 पर

भिवंडी में गिरी चार मंजिला इमारत, 9 की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतक आश्रितों को दी 2-2 लाख की सहायता

एजेंसी

ठाणे। महाराष्ट्र के भिवंडी में स्थानीय नगर निकाय द्वारा खतरनाक घोषित एक चार मंजिला इमारत के ढहने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई तथा दो. तीन लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पावरलूम नगरी भिवंडी में बालाजी नगर क्षेत्र स्थित कोहिनूर बिल्डिंग का एक हिस्सा बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 20 मिनट पर ढह गया। नगर निकाय अधिकारियों ने इस इमारत को खतरनाक घोषित किया था और परिसर में मरम्मत का काम चल रहा था।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को मामला दर्ज

करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्वाई करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह घटना तब हुई जब इमारत की मरम्मत का काम चल रहा था। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। भिवंडी-निजामपुर शहर ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- ग्रेटर नोएडा में सजेगा यूपीआईटीएस (पृष्ठ-02)
- अब आरटीओ की 39 सेवाएं हुई ऑनलाइन (पृष्ठ-02)
- सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम हुई महंगी (पृष्ठ-10)
- राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष लक्ष्य के 18.2 प्रतिशत पर (पृष्ठ-10)
- 5.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल (पृष्ठ-10)

विशेष खबर विपक्षी दल के सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के पारित हुआ बिल

संसद में जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने शुक्रवार को जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन करने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के पारित कर दिया। राज्यसभा में बीते 29 जुलाई को यह विधेयक पारित किया गया था।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने के लिए पेश किया।

इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्य दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्वाई और राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। सदन ने बिना चर्चा के ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक पर अपने संशोधन भी पेश नहीं

किए। बीते 20 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को मंजूरी दी थी और इसे 29 जुलाई को सदन में पेश किया गया था। इस विधेयक का उद्देश्य जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 13(3) में और संशोधन करना है, ताकि विलंब से होने वाले पंजीकरण के प्रावधानों को और अधिक कड़ा बनाया जा सके। मौजूदा प्रावधानों के तहत यदि जन्म या मृत्यु का ...शेष पृष्ठ 10 पर

गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्ष का संसद में हंगामा

नयी दिल्ली। संसद में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्वाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए हंगामा किया जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन के प्रावधान वाले विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिया। निचले सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने छात्रों पर ...शेष पृष्ठ 10 पर

जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें अधिकारी

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और क्षेत्रीय जरूरतों की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान लोगों ने सड़क, विकास कार्यों समेत विभिन्न जनहित के विषय मुख्यमंत्री के सामने रखे। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को संबंधित मामलों में आवश्यक कार्वाई करते हुए जनशिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जनता से जुड़ी शिकायतों को केवल औपचारिकता के तौर पर न

- सीएम धामी ने सुनी लोगों की समस्याएं, केदारनाथ व पर्वतीय क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर भी हुई चर्चा

लिया जाए, बल्कि प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरता से कार्वाई हो। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय ...शेष पृष्ठ 10 पर

छात्र लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करते हुए रखें अपनी बात

लविवि के 69वें दीक्षांत समारोह में 111 विद्यार्थियों को 204 पदकों से किया गया सम्मानित, राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को प्रदान की उपाधियां एवं पदक

विशेष संवाददाता

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जंतर-मंतर पर नीट अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री के प्रति कथित अभद्र भाषा के प्रयोग की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनायें समाज में मूल्यों के क्षरण की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सही और गलत का विवेक विकसित करने तथा अपनी बात लोकतांत्रिक मर्यादा, अनुशासन और सम्मान के साथ रखने का आह्वान किया। यह नसीहत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को चौक स्थित अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित लखनऊ विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षांत समारोह में दी। उन्होंने समारोह की अध्यक्षता करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को उपाधियां एवं पदक प्रदान किये। यह समारोह कुलपति प्रो. जेपी सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस दौरान कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। दीक्षोत्सव में कुल 1,25,285 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 57,166 छात्र तथा 68,119 छात्राएं शामिल हैं। समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए 111 मेधावी विद्यार्थियों को कुल 204 पदकों से सम्मानित किये गये। पदक प्राप्त करने वालों में 81 छात्राएं एवं 30 छात्र शामिल रहे। समारोह में 10 कुलाधिपति कांस्य पदक प्रदान किए गए। इन पदकों से सम्मानित विद्यार्थियों में रिया गुप्ता (बीए), अंशिका सिंह (बीए), नीना पट्टू (बीएससी), तनुजा पट्टू (बीकॉम), केएम हुसैन (बीकॉम), मेधा द्विवेदी (बीकॉम), अन्विता वर्मा (बीकॉम), शुभम भारती (बीवीए प्रिंटिंग), निधि आरती श्रीवास्तव (एलएलबी) और कंचन श्रीवास्तव (बीएड) शामिल रहे। इन सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त की। वहीं, कुलाधिपति रजत पदक फराह चंद को बीएससी (लाइफ साइंसेज) की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के रूप में प्रदान किया गया। उन्हें विश्वविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा का कुलाधिपति रजत पदक भी मिला। इस प्रकार वे इस वर्ष दोनों कुलाधिपति रजत पदक प्राप्त करने वाली एक मात्र छात्रा रहीं।

दीक्षांत समारोह पूर्व छात्रा निधि श्रीवास्तव के लिए भी भावनात्मक अवसर बन गया। वर्ष 1996 में लोक प्रशासन (एमए) की पढ़ाई पूरी करने के लगभग 30 वर्ष बाद वह अपने मातृ संस्थान लौटीं और उन्हें पांच स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया।

राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी छात्रों पर : रजनी तिवारी

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सभी पदक एवं पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों के त्याग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं की बड़ी संख्या बदलते भारत और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार होते हुए दर्शाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अब राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी भी उनके कंधों पर है। आचार्य चाणक्य के कथन ज्ञान सबसे बड़ी संपत्ति है का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवार, विद्यालय और समाज का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने तकनीक का सकारात्मक उपयोग करने, उसके अच्छे और बुरे पक्षों में अंतर समझने, सभी का सम्मान करने तथा संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने जल, वायु एवं मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि सतत विकास और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

दीक्षांत समारोह जीवन का लॉचिंग पैड : प्रो. अभय करंदीकर

मुख्य अतिथि एवं नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर ने सभी स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह उनके जीवन का लॉन्चिंग पैड है, जहां से अवसरों और जिम्मेदारियों से भरी नई यात्रा प्रारंभ होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है और आज के तेजी से बदलते दौर में सफलता के लिए ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास का संतुलित समन्वय आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। प्रो. करंदीकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और स्वच्छ ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों की बढ़ती संभावनाओं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से आजीवन सीखने और नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो सेवा भाव, ईमानदारी और समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल तकनीक के उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार करने वाले सृजनकर्ता बनने का आह्वान किया, ताकि वे समाज की समस्याओं का समाधान करने वाली नई तकनीकों का विकास कर सकें। उन्होंने उद्यमिता को बढ़ावा देने पर भी बल देते हुए

राज्यपाल ने किया ई-ऑफिस का शुभारंभ

दीक्षांत समारोह के दौरान कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय की ई-ऑफिस प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके बाद विश्वविद्यालय के प्रकाशनों एवं वार्षिक प्रतिवेदनों का विमोचन किया गया तथा विशिष्ट शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। सोनवा ग्राम विद्यालय की छात्रा एवं कविता प्रतियोगिता की प्रथम पुरस्कार विजेता प्राची गिरी ने मेरी मां शीर्षक कविता का भावपूर्ण पाठ किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा तथा उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सोनवा विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। समारोह के अंत में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रारंभिक बाल शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पांच आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निःशुल्क प्री-स्कूल लर्निंग किट वितरित की।

शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार

पदक एवं उपाधि वितरण के बाद विश्वविद्यालय ने शिक्षण, शोध एवं शैक्षणिक नेतृत्व में उत्कृष्ट योगदान के लिए चार शिक्षाविदों को टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। इसमें पहले प्रो. शशि भूषण, अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, दूसरी डॉ. नेहा अग्रवाल, रसायन विज्ञान विभाग, नवयुग गर्ल्स कॉलेज, लखनऊ, तीसरी डॉ. सरिता सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग, अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ और चौथी डॉ. मंजुल त्रिवेदी, शिक्षा विभाग, बी.एस.एन.वी. पीजी कॉलेज, लखनऊ रहीं।

एचपीवी टीकाकरण और डिजिटल पहल

राज्यपाल ने सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षण संस्थानों से पात्र बालिकाओं को इस योजना का लाभ दिलाने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वविद्यालय से शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के वितरण में डिजिलॉकर के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अभी केवल लगभग 39 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अपने डिजिटल प्रमाण-पत्र डाउनलोड किए हैं, जबकि मुद्रित प्रमाण-पत्रों के वितरण पर काफी व्यय होता है। डिजिलॉकर के व्यापक उपयोग से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी, कागज की बचत होगी तथा प्रशासनिक खर्च भी कम होगा।

छात्रावासों का आवंटन शीघ्र पूरा करने के निर्देश

राज्यपाल ने कहा कि जन भवन की टीम द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया, जिसमें विभिन्न व्यवस्थाओं में कई कमियां सामने आई हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि निरीक्षण में चिन्हित सभी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दूर किया जाए। राज्यपाल ने दोनों परिसरों के छात्रावासों का आवंटन न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को बाहर रहना पड़ता है, जिससे उन्हें अनावश्यक आर्थिक बोझ और अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने छात्रावासों का आवंटन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेस बंद होने पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को भोजन संबंधी परेशानियां हो रही हैं। उन्होंने छात्रावासों में वाशिंग मशीन तथा वाई-फाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पनीर स्थानीय विक्रेताओं से खरीदा जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय पुस्तकालय से संबंधित शिकायतों का उल्लेख करते हुए कहा कि लाइब्रेरी का समय बढ़ाया जाए तथा शनिवार को भी विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय खुला रखा जाए। उन्होंने पुस्तकों के रख-रखाव एवं साफ-सफाई की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों में साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए परिसर में लंबे समय से पड़े स्क्रैप का शीघ्र निस्तारण (ऑक्शन) कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा के कई उपकरण पुराने एवं एक्सपायर पाए गए हैं, जिन्हें तत्काल बदलकर आवश्यक सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही शुद्ध पेयजल एवं आरओ की व्यवस्था को भी संतोषजनक बनाने के निर्देश दिए।

- राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली शुरू किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था से फाइलों का त्वरित निस्तारण होगा तथा अनावश्यक विलंब समाप्त होगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने विश्वविद्यालय की खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन तथा शिक्षकों द्वारा अधिक संख्या में पुस्तकों के लेखन की सराहना करते हुए इसे विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

शिक्षा और अनुसंधान राष्ट्र निर्माण के दो सशक्त स्तंभ : राज्यपाल

राज्यपाल एवं लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छात्राओं की उल्लेखनीय सफलता और पदक विजेताओं में उनकी अधिक भागीदारी महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत की दिशा में देश की सकारात्मक प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और अनुसंधान राष्ट्र निर्माण के दो सशक्त स्तंभ हैं। शोध एवं नवाचार ही भविष्य के विकास की आधारशिला रखते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान को निरंतर प्रोत्साहित करने का आह्वान किया, जिससे देश के विकास में सार्थक योगदान सुनिश्चित हो सके। मुख्य अतिथि प्रो. अभय करंदीकर को बधाई देते हुए उन्होंने उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित होगी कंटेंट क्रिएटर लैब

राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 83,562 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिसमें 55,727 करोड़ रुपये उच्च शिक्षा के लिए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोजगारोन्मुख शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), मुंबई के सहयोग से देशभर के 15,000 माध्यमिक विद्यालयों एवं 500 महाविद्यालयों में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग एवं कॉमिक्स (एवीजीसी) कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित की जाएंगी। इससे विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण मिलेगा तथा रचनात्मक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

राज्यपाल ने बालिकाओं के विरूद्ध बढ़ती घटनाओं पर जतायी चिंता : राज्यपाल ने बालिकाओं के विरुद्ध बढ़ती यौन हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से सतर्क रहने तथा अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने दहेज प्रथा के पूर्ण उन्मूलन का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित युवतियां दहेज न दें और युवा दहेज न मांगें तथा न ही स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को समानता, सम्मान और सामाजिक न्याय के मूल्यों को अपनाकर इस कुप्रथा का अंत करना चाहिए।

ग्रेटर नोएडा में सजेगा यूपीआईटीएस 85 देशों के खरीदारों का होगा संगम

वैश्विक व्यापार और निवेश का बनेगा सबसे बड़ा मंच : सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, विनिर्माण और निर्यात के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का चौथा संस्करण आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, नवाचार, उत्पादों और निर्यात सामर्थ्य को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो ने पिछले तीन संस्करणों में प्रदेश के उत्पादों, उद्यमों और उद्योगों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनाया है। अब यह आयोजन केवल एक व्यापार प्रदर्शनी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के विजन को आगे बढ़ाने वाला वैश्विक मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश यानी 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' का प्रदेश है और यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस सामर्थ्य को अनुभव करने का सबसे प्रभावी मंच है। उन्होंने निर्देश दिए कि देश और विदेश में इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक निवेशक, खरीदार और आगंतुक इसमें सहभागी बनें। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष ट्रेड शो की थीम 'यूपी फॉर ग्लोबल ग्रोथः इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्ट्स' रखी गई है। आयोजन में

- 4,000 से अधिक एमओयू और 13,500 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य
- 25-29 सितंबर तक होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026

2400 से अधिक प्रदर्शकों, 1.50 लाख से अधिक पंजीकृत बी2बी खरीदारों, 4.50 लाख से अधिक बी2सी आगंतुकों तथा 85 देशों से 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

साथ ही 4000 से अधिक एमओयू, 3200 करोड़ रुपये से अधिक प्रस्तावित एमओयू मूल्य और 13,500 करोड़ रुपये से अधिक बिजनेस इंक्वायरी होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर, ओमान, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया और रूस सहित अन्य देशों के साथ भी सक्रिय संवाद स्थापित कर उनकी अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस बार ओडीओपी, ओडीओसी, एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, पर्यटन एवं फिल्म, अक्षय ऊर्जा, ऑटो एवं इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा एवं स्वास्थ्य, कौशल विकास, नागरिक उड्डयन, वित्तीय सेवाएं, स्टार्टअप, लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, हस्तशिल्प, खादी, वस्त्र, चमड़ा, फर्नीचर तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों का व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे उत्तर प्रदेश की विविध औद्योगिक एवं आर्थिक क्षमता एक ही मंच पर प्रदर्शित होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नॉलेज सेशन को उद्योग जगत, निवेशकों और उद्यमियों के लिए उपयोगी बनाया जाए। इन सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, बैंकिंग एवं वित्त, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नई श्रम संहिताएं, खाद्य प्रसंस्करण नीति, सड़क सुरक्षा, ई-कॉमर्स, वैश्विक मुक्त व्यापार समझौते, एमएसएमई तथा अन्य समकालीन विषयों पर विशेषज्ञ चर्चा आयोजित की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों के साथ उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी इस आयोजन की पहचान बने। इसके लिए सभी दिनों में शास्त्रीय संगीत, कथक, लोकनृत्य, लोकगायन, भजन, गजल तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आकर्षक आयोजन किया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले अतिथि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का भी अनुभव कर सकें।

बैठक में यह भी बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को जोड़ने के लिए विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ व्यापक समन्वय किया गया है। विभिन्न देशों के खरीदारों से लगातार संपर्क स्थापित किया जा रहा है तथा बायर-सेलर बैठकों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के उद्यमियों और निर्यातकों को नए वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया : अखिलेश यादव

विशेष संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। छात्रों नौजवानों का भविष्य चौपट कर दिया है। भाजपा गरीबों के बच्चों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। सरकार ने उत्तर प्रदेश में 22 हजार से ज्यादा प्राइमरी स्कूलों को मर्जर और अन्य कारण बताकर बंद कर दिया। यूपी में शिक्षा के मंदिरों की बदहाली के लिए नाकारा भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि जहां से बच्चों की शिक्षा की यात्रा शुरू होती है। भाजपा सरकार उन्हीं पर हमला कर रही है। भाजपा युवाओं के भविष्य पर चोट कर रही है। भाजपा सरकार स्कूलों में छात्रों को मूलभूत सुविधाएं नहीं उपलब्ध करा पा रही है। कई जगह स्कूलों के भवन जर्जर हैं, न पंखे, न बिजली का कनेक्शन, छतों के टपकने की खबरें आती रहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के एजेण्डे में कभी भी शिक्षा और रोजगार नहीं रहा। भाजपा की गलत नीतियों से शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा हो गयी है। आज पूरे देश का छात्र भाजपा की शिक्षा विरोधी नीति से आक्रोशित है। छात्र-नौजवान अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित है। छात्र-नौजवान अब भाजपा को कभी माफ नहीं करेगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि नफरत की राजनीति कर रही है। इस सरकार ने स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय बनाया नहीं, स्कूलों को बंद कर दिया भाजपा ने कॉलेजों, विश्वविद्यालयों को बर्बाद कर दिया। रामपुर के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को हथौड़ा लेकर तोड़ना चाहती है। इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालय तोड़ने वाले कभी अपने लोग नहीं रहे।

उत्तर रेलवे के 47 कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

लखनऊ। उत्तर रेलवे के 47 कर्मचारी शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में सेवानिवृत्ति समारोह में सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई दी गई।

समारोह में अपर मण्डल रेल प्रबंधक शूरवीर सिंह चौहान ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का स्वागत करते हुए उनके सेवाकाल एवं रेल प्रशासन के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समापन भुगतान से संबंधित प्रपत्र प्रदान किए।

गांवों की गलियां बनें बेहतर : केशव

जलनिकासी और अवस्थापना सुविधाएं हों मजबूत

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम्य विकास विभाग की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन तेज गति से किया जाए और उनका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट दिखाई दे। उन्होंने कहा कि गांव और गरीब का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को 7-कालिदास स्थित अपने कैंप कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों की गलियों और आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के लिए गांव की गलियां ही हाईवे के समान हैं, इसलिए उनका सुव्यवस्थित और बेहतर होना आवश्यक है। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय एक सप्ताह के भीतर वितरित किया जाए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र लाभार्थियों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए। वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अमृत सरोवरों पर ध्वजारोपण की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के प्रशिक्षण, महिला उद्यमी केंद्रों की स्थापना तथा लंबित भुगतानों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य ग्राम्य विकास संस्थान (एसआईआरडी) में निर्धारित प्रशिक्षण कैलेंडर के अनुसार पूरी क्षमता के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएं। उन्होंने ग्राम चौपालों को अधिक प्रभावी बनाने, प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा चौपालों का रोस्टर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम्य विकास विभाग में लंबित जांच प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण और जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का गंभीरता से समाधान करने पर भी जोर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नए स्वयं सहायता समूहों के गठन में तेजी लाने और निष्क्रिय समूहों को तत्काल सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के तीन करोड़ परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने मिशन के अंतर्गत सभी वित्तीय लेनदेन केवल ऑनलाइन माध्यम से सुनिश्चित करने और ऑफलाइन भुगतान पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) पर प्रत्येक माह कम से कम एक लाख कैडरों का ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने, लंबित प्रशिक्षण भुगतान शीघ्र निस्तारित करने तथा मिशन से जुड़ी तकनीकी सहायता संस्थाओं के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

अब आरटीओ की 39 सेवाएं हुईं ऑटो अप्रूवल से ऑनलाइन

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने परिवहन सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। परिवहन विभाग ने आधार प्रमाणीकरण आधारित फेसलेस व्यवस्था के तहत 39 ऑनलाइन सेवाओं को ऑटो अप्रूवल प्रणाली से जोड़ दिया है। इससे पात्र आवेदकों को अब कई सेवाओं के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि विभाग वर्तमान में नागरिकों को फेसलेस मोड में कुल 52 ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। इनमें सारथी पोर्टल की 27 सेवाएं तथा वाहन पोर्टल की 12 सेवाएं, यानी कुल 39 सेवाओं को ऑटो अप्रूवल व्यवस्था के तहत सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आधार प्रमाणीकरण के बाद पात्र आवेदनों का निर्धारित मानकों के अनुसार स्वतः अनुमोदन किया जाएगा।

इन प्रमुख सेवाओं को मिला ऑटो अप्रूवल : ऑटो अप्रूवल व्यवस्था में लर्निंग लाइसेंस, डुप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण, नाम, पता, जन्मतिथि एवं फोटो संशोधन, इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट, डुप्लीकेट आरसी, आरसी में पता परिवर्तन, वाहन स्वामित्व हस्तांतरण, एनओसी, विशेष परमिट, डुप्लीकेट फिटनेस प्रमाणपत्र, हाइपोथिकेशन जोड़ने एवं समाप्त करने सहित कुल 39 सेवाएं शामिल हैं। नई व्यवस्था लागू होने से प्रदेश के लाखों वाहन स्वामियों और ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को परिवहन कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी तथा अधिकांश सेवाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन और फेसलेस तरीके से उपलब्ध होंगी।

शकुन्तला विवि को मिले स्पेशल स्टेटस का दर्जा : सी सदानंदन मास्टर

13वें दीक्षांत समारोह में 1921 विद्यार्थियों को उपाधियां, 130 मेधावियों को दिये गये 156 पदक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। समारोह में समारोह में 1921 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गयी, जिसमें 130 मेधावियों को 156 पदक दिये गये। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को विशेष दर्जा देने पर विचार किया जाए। उनका कहना था कि इससे विश्वविद्यालय को शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार, पुनर्वास सेवाओं और दिव्यांगजनों के लिए तकनीकी विकास के क्षेत्र में और अधिक विस्तार करने का अवसर मिलेगा। साथ ही भारत समावेशी शिक्षा और दिव्यांग अध्ययन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में और मजबूत होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज उन्हें केवल उपाधि नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी मिली है। अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने के लिए करें। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका संघर्ष, साहस और सफलता पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सत्यनिष्ठा, विनम्रता और सेवा की भावना को सर्वोच्च स्थान देने का आह्वान किया। उन्होंने सभी उपाधिधारकों और उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय देश के उन चुनिंदा संस्थानों में है, जहां दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थी एक साथ अध्ययन करते हैं। दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित और अन्य दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ सामान्य विद्यार्थियों की संयुक्त शिक्षा व्यवस्था समावेशी शिक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की विशेष सराहना करते हुए कहा कि यहां के शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं को समझते हुए अतिरिक्त समय और नई शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदम यह साबित करते हैं कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने विश्वास जताया कि विकसित भारत-2047 के निर्माण में ऐसे विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्यपाल ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित होने पर जतायी खुशी

राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम. बोबडे ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन के पहले भाग में संस्मरण साझा किये। इसके बाद कुलाध्यक्षा आनंदीबेन पटेल की अनुपस्थिति में उनका संबोधन पढ़कर सुनाया। संबोधन में विश्वविद्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय, कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र, कॉलेज फॉर डेफ की सुविधाओं और व्यवस्था को बेहतर बताया। साथ ही भारतीय पुनर्वास परिषद की ओर से विश्वविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय चलाई जा रही सुगंध पथ योजना सबसे मानवीय और नवाचारी पहलों में से एक है। इसके मार्गों, विभागों, पुस्तकालय, छात्रावास और प्रशासनिक भवनों के आसपास सुगंधित पौधे लगाए गए। उनके आधार पर दृष्टिबाधित विद्यार्थी अपने मार्ग और गंतव्य की पहचान कर सकते हैं। तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी कदम उठाते हुए दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को स्मार्ट विजन चश्मा उपलब्ध कराया गया है। परीक्षा प्रणाली में अभिनय प्रयोग करते हुए दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सह-लेखक विहीन लैपटॉप आधारित परीक्षा का आयोजन संपन्न हो रहा है जो विश्वविद्यालय की समावेशी सोच को दर्शाता है। दिव्यांगों के भौतिक पुनर्वासन एवं दिव्यांगजनों को निःशुल्क अंग प्रदान किए जाने के लिए विश्वविद्यालय में कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र स्थापित है। इस केन्द्र द्वारा पंजीकरण एवं निःशुल्क परामर्श सेवा के माध्यम से अब तक 7021 दिव्यांग लाभान्वित हो चुकें है।

बिन्दू को मिली पीएचडी की उपाधि

■ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि समेत गणमान्य अतिथियों ने बिन्दू त्रिपाठी को पीएचडी प्रदान की। उन्होंने डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) इतिहास विषय में दी गयी है। उन्होंने पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती परिवेश और सोमदेव सूरि का राजनीतिक चिंतन विषय में पूर्ण किया है। वर्तमान में बिन्दू डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में असिस्टेंट रजिस्ट्रार पद पर कार्यरत है। उनकी इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों, शिक्षकों और कई गणमान्य लोगों ने बधाई प्रेषित की।

भव्या को मिला रजत पदक

कार्यक्रम के दौरान भव्या मिश्रा एमटेक (सीएस ब्रांच) को रजत पदक दिया गया।

यूपी दो विशेष विवि चलाने वाला इकलौता राज्य : नरेंद्र कश्यप

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यूपी भारत का इकलौता राज्य है जहां दो विशेष विश्वविद्यालय दिव्यांगजन विभाग की ओर से संचालित होते हैं। एक जिसमें आप बैठे हैं डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और दूसरा चित्रकूट स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय है। भारत सरकार की नियामक संस्था भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनक को राष्ट्रीय स्तर पर सेंटर फॉर एक्सीलेंस घोषित किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय में बीबीए छात्रा संजना कुमारी ने इंडोनेशिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महिला युगल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विश्वविद्यालय, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया। विश्वविद्यालय खेल भावना को जागृत करने के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रहा है। 13 लाख रूपये से अधिक तक के पैकेज पर विद्यार्थियों को जॉब ऑफर मिल रहे हैं।

पदक पाकर चमके मेधावियों के चेहरे

दीक्षांत समारोह में कुल 1921 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 956 छात्राएं और 965 छात्र शामिल हैं। कुल उपाधियों में 17 शोध उपाधियां भी प्रदान की गईं। समारोह में कुल 130 मेधावी छात्र-छात्राओं को 156 पदक प्रदान किए गए। इनमें 76 स्वर्ण, 40 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल हैं। स्वर्ण पदकों की बात करें तो 32 छात्राओं को 41 स्वर्ण पदक तथा 25 छात्रों को 35 स्वर्ण पदक दिये गये। इस प्रकार कुल 57 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिले। रजत पदकों में 22 छात्राओं को 24 रजत पदक तथा 14 छात्रों को 16 रजत पदक प्रदान किए गए। कुल 36 विद्यार्थियों को रजत पदक मिले। इसी तरह 24 छात्राओं को 26 कांस्य पदक तथा 13 छात्रों को 14 कांस्य पदक प्रदान किए गए। कुल 37 विद्यार्थियों को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

■ कुल मिलाकर 78 छात्राओं को 91 पदक और 52 छात्रों को 65 पदक प्रदान किए गए। इस प्रकार कुल 130 मेधावी छात्र-छात्राओं को 156 पदकों से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह की एक विशेष उपलब्धि दिव्यांग विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। कुल 27 दिव्यांग विद्यार्थियों ने 45 पदक हासिल किए। इनमें 13 दिव्यांग छात्राएं और 14 दिव्यांग छात्र शामिल हैं। इन विद्यार्थियों ने 22 स्वर्ण पदक प्राप्त किए, जिनमें 10 छात्राएं और 12 छात्र शामिल रहे। इसके अलावा एक रजत पदक एक छात्र को तथा चार कांस्य पदक प्रदान किए गए, जिनमें तीन छात्राएं और एक छात्र शामिल हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी प्रयासों का प्रमाण बनी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनाईं।

■ समारोह की विशेषता यह रही कि पूरे कार्यक्रम का सांकेतिक भाषा में भी समानांतर प्रस्तुतीकरण किया गया। साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर्स ने प्रत्येक संबोधन और कार्यक्रम को सांकेतिक भाषा के माध्यम से दिव्यांगजनों तक पहुंचाया। ऐसा हर वर्ष होता रहा है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बटन दबाकर विद्यार्थियों की डिग्रियों को एक साथ डिजिलॉकर पर अपलोड किया। इसके बाद कुलसचिव रोहित सिंह ने पदक विजेता विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित किया। राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर और राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम बोबडे ने मेधावियों को पदक प्रदान किए। जैसे-जैसे विद्यार्थियों को पदक मिलते गए, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शिक्षक पुष्पेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया।

डा. शिल्पी कनौजिया ने वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धक का ग्रहण किया पद

लखनऊ। डा. शिल्पी कनौजिया ने पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धक (समन्वय) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व आप पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। डा. शिल्पी कनौजिया ने एमबीबीएस एवं एमएस (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की डिग्री किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) से प्राप्त की। 2014 बैच-भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) संवर्ग की अधिकारी है। आपकी पहली नियुक्ति सहायक परिचालन प्रबन्धक (योजना) के पद पर उत्तर मध्य रेलवे इलाहाबाद (प्रयागराज) मण्डल में हुई थी।

विनोद श्रीवास्तव लेखाधिकारी, निशांत अधिशासी अभियंता बने

लखनऊ। लखनऊ आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शुक्रवार को जारी पदोन्नति आदेश के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण के दो अधिकारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, सहायक लेखा अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव को पदोन्नत कर लेखाधिकारी बनाया गया है। वहीं सहायक अभियंता निशांत कुमार को पदोन्नत करते हुए अधिशासी अभियंता के पद पर नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों की पदोन्नति पर लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पदोन्नति के उपरांत दोनों अधिकारी अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा प्राधिकरण की विकास योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आवास विभाग की ओर से जारी पदोन्नति आदेश के क्रम में संबंधित अधिकारियों को उच्च पदों पर कार्यभार ग्रहण कराने की आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही प्रचलित कर दी गयी है।

अतिक्रमण व प्रतिबंधित पॉलिथीन पर कार्रवाई

लखनऊ। शहर में अवैध अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलिथीन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार को विभिन्न जोनों में व्यापक अभियान चलाया। अभियान में अतिक्रमण हटाने के साथ ही चालान, शमन शुल्क वसूली और स्वच्छता कार्य कराए गए। कन्वेंशन सेंटर के आसपास, मेडिकल चौराहा, ऐशबाग चौराहा, गुड शेड रोड और भूसा मंडी रोड पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियों की सफाई, सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान और एंटी लार्वा छिड़काव कराया गया। अभियान के दौरान भूसा मंडी रोड क्षेत्र में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ दो चालान कर 3 हजार रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर दो चालान कर 3 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। जोन-5 क्षेत्र में हरदोई रोड से विक्रम नगर पुल तक अवैध अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई।

युवाओं के लिए संघर्ष करेगा नवयुवक दल

लखनऊ। नवयुवक दल युवाओं की शिक्षा, रोजगार और विकास के मुद्दों को लेकर संघर्ष करेगा। यह बात नवयुवक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत कात्यायन ने गुरुवार को कहा कि वर्तमान समय में कई राजनीतिक दल अपने हितों के लिए युवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। जाति, पंथ और धर्म के नाम पर युवाओं को बांटने की राजनीति की जा रही है। ऐसे में नवयुवक दल युवाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराएगा, जहां वे अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आवाज उठा सकें। उन्होंने कहा कि देश में रोजगार से जुड़े वास्तविक आंकड़े उपलब्ध होने चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि देश में कितने युवा हैं और उनमें से कितनों को रोजगार या व्यवसाय के अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि नवयुवक दल संगठन के विस्तार की घोषणा करते हुए कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सर्वेश कुमार सिंह को प्रदेश प्रभारी, अनुग्रह नारायण सिंह को प्रदेश महामंत्री एवं रणनीतिक प्रभारी, अमित श्रीवास्तव को प्रदेश मीडिया प्रभारी, संतोष सिंह चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष, नातीत तिवारी सिंह को प्रदेश महामंत्री तथा विनय खंडेलवाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

डाक्टरों ने बच्चे के गले से निकली दुर्लभ गांठ

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के डाक्टरों ने गले में मौजूद अत्यंत दुर्लभ एसोफैगस सिस्ट का सफल ऑपरेशन कर एक मासूम को नयी जिंदगी दी है। दो घंटे चली जटिल सर्जरी के बाद बच्चे की गले की रुकावट पूरी तरह दूर हो गई है। अब वह सामान्य भोजन कर पा रहा है। अंबेडकरनगर के जैतपुर क्षेत्र, दौलताबाद गांव निवासी छह वर्षीय अभिनव पिछले छह महीने से गले में गांठ की समस्या से परेशान था। पिछले 1 महीने से उसे खाना निगलने में भी दिक्कत होने लगी थी। स्थानीय इलाज से राहत न मिलने परिजन उसे केजीएमयू लेकर आए। प्रो. आनंद पांडे ने जांच में गले के बाईं ओर बड़ी गांठ पायी। सीटी स्कैन में पता चला कि यह खाने की नली यानी एसोफैगस से जुड़ी सिस्ट है, जो गले की मुख्य धमनी और नस को भी एक ओर धकेल रही थी। विभागाध्यक्ष डा. जेडी रावत की देखरेख में डा. आनंद पांडे, डा. कौशल कुलकर्णी, डा. मनीष और डा. श्रेया की टीम ने ऑपरेशन किया। डा. आनंद पांडे ने बताया कि यह बीमारी अत्यंत दुर्लभ है। मेडिकल इतिहास में ऐसे 50 से भी कम मामले दर्ज हैं। डा. जेडी रावत ने बताया कि ऑपरेशन के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और बिना किसी रुकावट के खाना खा रहा है।

फेफड़ों के कैंसर के इलाज में मानसिक स्वास्थ्य ध्यान रखना जरूरी : डा. सूर्यकांत

लखनऊ। विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस के अवसर पर किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने कहा है कि फेफड़ों के कैंसर के इलाज के साथ मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। विभाग के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन जर्नल ऑफ द इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (जीमा) में प्रकाशित हुआ है।

विश्व फेफड़ा दिवस आज

अध्ययन में फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित 90 मरीजों का मूल्यांकन किया गया। शोध में पाया गया कि बड़ी संख्या में मरीज चिंता, अवसाद और मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। अध्ययन में सामने आया कि फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित बड़ी संख्या में मरीज मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। शोध के अनुसार 55.56 प्रतिशत मरीजों में मध्यम स्तर की चिंता, 26.67 प्रतिशत में मध्यम स्तर का अवसाद, 34.44 प्रतिशत में हल्का अवसाद तथा 12 प्रतिशत मरीजों में मानसिक तनाव के लक्षण पाए गए।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अधिक उम्र, धूम्रपान की आदत, कैंसर की बढ़ी हुई स्टेज तथा बीमारी के गंभीर लक्षण मानसिक समस्याओं के खतरे को बढ़ाते हैं। इसलिए फेफड़ों के कैंसर के प्रत्येक मरीज की नियमित मानसिक स्वास्थ्य जांच की जानी चाहिए। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक डा. सूर्यकान्त ने कहा कि फेफड़ों के कैंसर के समग्र उपचार में मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन नियमित प्रक्रिया का हिस्सा होना चाहिए। कैंसर एवं श्वसन रोग क्लीनिकों में मनोवैज्ञानिक सेवाओं को शामिल करने से मरीजों का मानसिक तनाव कम किया जा सकता है और उन्हें बेहतर एवं समग्र उपचार मिल सकता है। रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. ज्योति बाजपेयी ने कहा कि फेफड़ों के कैंसर के उपचार में आमतौर पर सर्जरी, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि मरीज के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की अक्सर अनदेखी हो जाती है। यदि अवसाद और चिंता की समय रहते पहचान कर उनका उपचार किया जाए तो मरीज का जीवन स्तर बेहतर होता है और इलाज के अच्छे परिणाम मिलते हैं। यह शोध डा. अरुण कुमार, डा. अजय कुमार वर्मा, डा. ज्योति बाजपेयी, डा. अनुज कुमार पाण्डेय, डा. सूर्यकान्त, डा. सुजिता कुमार कर, डा. एसके वर्मा, डा. आरएएस कुशवाहा, डा. संतोष कुमार, डा. राजीव गर्ग, डा. आनंद श्रीवास्तव, डा. दर्शन कुमार बजाज, डा. अंकित कुमार तथा डा. प्रांजल त्रिपाठी द्वारा रेस्पिरेटरी मेडिसिन एवं मनोरोग विभाग के सहयोग से किया गया।

लम्बे से खांसी आना गंभीर बीमारी का संकेत : डा. राजेन्द्र प्रसाद

लखनऊ। यदि किसी को खांसी आ रही है और वह लंबे समय तक है तो तत्काल अपने डॉक्टर की सलाह लें, संभव हो तो लो डोज का सिटी स्कैन चिकित्सक करा लें तो समय रहते एक बड़ी गंभीर बीमारी का पता चल सकता है और उसकी सर्जरी और इलाज हो सकता है। समय पर की गई सर्जरी ही जान बचाने में कारगर होगी। यह कहना है पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद का। उन्होंने यह बातें वर्ल्ड लंग कैंसर डे से एक दिन पूर्व केजीएमयू में आयोजित प्रेसवार्ता में कही हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद के मुताबिक भारत में साल 2024 में 98 हजार लोगों की मौत लंग कैंसर यानी की फेफड़े के कैंसर से हो गई थी। यह आंकड़ा इसलिए भी डाराने वाला है क्योंकि उस साल 1 लाख 12 हजार नये लंग कैंसर के मरीजों की पहचान हुई थी। उन्हीं में से 98 हजार लोग अपना जीवन खो बैठे थे। हमारे हाथ में कुछ नहीं था कि हम उनको बचा सकें। लंग कैंसर ऐसी बीमारी है यदि समय पर यह पता न चले तो जीवन 6 महीने भी चलना मुश्किल होता है। पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद के मुताबिक साल 2024 की बात करें तो उस साल पूरे भारत में 24 लाख नये लोगों को टीबी हुई, उनमें से करीब 3 लाख लोगों की मौत हो गई। जबकि लंग कैंसर से 1 लाख 12 हजार में से 98 हजार की जान चली गई। यह आंकड़े ही इस बीमारी की गंभीरता बताने के लिए काफी हैं। यहां केवल धूम्रपान से नहीं बल्कि कैमिकल, धुयें आदि से भी लंग कैंसर होता है। पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश ने बताया कि पूरी दुनिया में साल 2020 में करीब 22 लाख लोग लंग कैंसर से पीड़ित हुये थे, जिनमें से उसी साल 19 लाख लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से पुरुष अधिक संख्या में ग्रसित होते हैं। समय पर पहचान ही इस बीमारी से जीवन को बचा सकती है। केजीएमयू स्थित थोरेसिक सर्जरी विभाग के प्रो. शैलेंद्र यादव ने बताया कि लंग कैंसर को लेकर हमारे यहां जागरूकता का बड़ा संकट है। यह बीमारी अर्ली स्टेज पर डिटेक्ट ही नहीं हो पाती, जो मरीज सर्जरी के लिए पहुंचते भी हैं वह भी काफी देर से। जिससे उनकी जान बचाना कठिन हो जाता है।

यूपी में आज से मिलेगी क्यूआर कोड और चिप वाली आरसी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वाहन स्वामियों के लिए 1 अगस्त 2026 से वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। परिवहन विभाग अब कागज पर छपने वाली पारंपरिक आरसी के स्थान पर क्यूआर कोड और एम्बेडेड चिप से लैस स्मार्ट कार्ड आरसी जारी करेगा। नई व्यवस्था का उद्देश्य वाहन संबंधी दस्तावेजों को अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और तकनीक आधारित बनाना है।

नई स्मार्ट कार्ड आरसी एटीएम कार्ड की तरह मजबूत प्लास्टिक कार्ड होगी, जिसमें वाहन और स्वामी से संबंधित आवश्यक जानकारी डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेगी। कार्ड पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन कर अधिकृत अधिकारी वाहन का विवरण तुरंत सत्यापित कर सकेंगे। साथ ही, एम्बेडेड चिप में सुरक्षित रूप से पंजीकरण संबंधी जानकारी उपलब्ध रहेगी, जिससे दस्तावेजों की प्रामाणिकता की जांच आसान होगी। परिवहन विभाग का मानना है कि स्मार्ट कार्ड आरसी लागू होने से फर्जी आरसी पर प्रभावी रोक लगेगी, दस्तावेजों में छेड़छाड़ की संभावना कम होगी और सड़क पर वाहन जांच के दौरान सत्यापन प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज एवं पारदर्शी हो सकेगी। नई व्यवस्था के तहत 1 अगस्त 2026 से जारी होने वाले सभी नए वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र स्मार्ट कार्ड के रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग भविष्य में आवश्यकतानुसार पुराने कागजी आरसी धारकों के लिए भी स्मार्ट कार्ड में परिवर्तन की प्रक्रिया निर्धारित कर सकता है। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे वाहन पंजीकरण से संबंधित सभी कार्य केवल अधिकृत परिवहन कार्यालयों या विभाग के आधिकारिक ऑनलाइन माध्यमों से ही कराएं और किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अफवाहों पर ध्यान न दें।

बीएससी नर्सिंग का नया सत्र आज से शुरू

लखनऊ। सरकारी और निजी बीएससी नर्सिंग कॉलेजों में नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत शनिवार से होगी। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय ने बीएससी, पोस्ट बीएससी और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों का शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। प्रदेश में नर्सिंग के 286 सरकारी व निजी कॉलेज हैं। 74 कॉलेजों में पोस्ट बीएससी और 45 कॉलेजों में एमएससी नर्सिंग की पढ़ाई होती है। कुलपति डा. अमित देवगन के अनुसार एक अगस्त से नये छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम, इसके बाद थ्योरी, लैब और क्लीनिकल ट्रेनिंग शुरू होगी। सभी संबद्ध कॉलेजों को शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक डा. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि आंतरिक परीक्षाएं अक्टूबर और जनवरी में होंगी।

15 कर्मचारियों को पदोन्नति, 35 सेवानिवृत्त

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित बहुउद्देशीय हॉल में समापक भुगतान कार्यक्रम पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्थान पर रिक्त हुए पदों के विरुद्ध 15 पात्र कार्यरत कर्मचारियों को तत्काल पदोन्नति आदेश प्रदान किए गए। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने शीघ्र पदोन्नति का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, मंडल वित्त प्रबंधक सचिन श्रीवास्तव की उपस्थिति में 35 रेल कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समापक भुगतान संबंधी प्रपत्र एवं सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के रेलवे के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं अतुलनीय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	भारतीय रेलवे के यात्री कोचों के शौचालय फर्श पर सॉल्वेंट–फ्री एपॉक्सी रेज़िन कोटिंग का कार्य।		
कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ		
अनुमानित लागत	₹1,19,73,940/- मात्र	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
बिड सिक्योरिटी	₹2,39,500/- मात्र	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष
निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2026 समय 15:00 बजे तक		
प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।		
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।		
कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है			

निविदा सूचना सं.: 2026–ए.एम.वी.–सी एंड डब्ल्यू ईनिविदा–37
दिनांक: 30.07.2026 2648/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

किरायेदारी विवाद में डीआईओएस के हस्तक्षेप पर हाईकोर्ट सख्त, आदेश रद

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने निजी मकान मालिक और किरायेदार के बीच चल रहे विवाद में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के हस्तक्षेप को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए कड़ी टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने कहा कि डीआईओएस न तो इस विवाद में आवश्यक पक्षकार थे और न ही पीड़ित पक्ष। ऐसे में उनके द्वारा रिकॉल अर्जी दाखिल कराना और उस पर एडीएम (वित्त एवं राजस्व) द्वारा बिना नोटिस दिए आदेश पारित करना पूरी तरह अवैध था। यह कहते हुए पीठ ने आठ जून 2026 का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसके जरिए मकान मालिकों से कब्जा लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय को दोबारा सौंप दिया गया था।

कोर्ट ने कहा कि यह आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत और अधिकारों का रंगदारीपूर्ण प्रयोग था। इसी के साथ अदालत ने डीआईओएस और एडीएम के आचरण को कानून के शासन के विपरीत बताते हुए दोनों पर 25-25 हजार रुपये का व्यक्तिगत हजार्ना लगाया है, जिसे उन्हें अपने वेतन खाते से एक सप्ताह के भीतर याचिकाकताओं को देना होगा। विद्यालय पर भी 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। साथ ही लंबित किराया अपील का निस्तारण एक सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया गया है। मामला लखनऊ के नरही स्थित विद्या मंदिर गर्ल्स स्कूल की इमारत से जुड़ा है। याचीगण डा आभा गोयल एवं डा अमित षेखर इस इमारत के मालिक हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश शहरी परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम, 2021 के तहत बेदखली का आदेश प्राप्त किया था और चार जून 2026 को उन्हें कब्जा भी मिल गया था। इसके बाद डीआईओएस ने रिकॉल अर्जी दाखिल की, जिस पर एडीएम ने बिना याची मकान मालिकों को सुने कब्जा फिर से विद्यालय को दिला दिया।

कोर्ट ने कहा कि उसके सामने पेष डीआईओएस यह नहीं बता सके कि निजी किरायेदारी विवाद में उन्हें हस्तक्षेप करने का अधिकार किस कानून से प्राप्त था। राज्य सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (संपत्ति के अपव्यय की रोकथाम) अधिनियम, 1974 का हवाला दिया गया, लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि विवादित भवन विद्यालय की संपत्ति नहीं बल्कि निजी स्वामित्व की संपत्ति है, इसलिए उक्त कानून लागू ही नहीं होता।

गौरतलब हो कि कोर्ट ने अपने फैसले में अपर महाधिवक्ता सुदीप कुमार के राज्य सरकार और प्राइवेट पक्षकार की ओर से एक ही समय में पेष होने पर घोर नाराजगी प्रकट की है। कोर्ट ने कहा कि अपर महाधिवक्ता सुदीप कुमार एक ओर निजी प्रतिवादी विद्यालय की ओर से उपस्थित थे, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार और डीआईओएस का भी पक्ष रख रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता ने हितों के टकराव से इनकार किया, लेकिन अदालत ने कहा कि यह विषय विवादास्पद हो सकता है और वांछनीय भी नहीं प्रतीत होता। हालांकि, न्यायालय ने इस मुद्दे पर अंतिम राय देने से परहेज करते हुए इसे अपर महाधिवक्ता के विवेक पर छोड़ दिया कि वे इस पहलू पर आत्ममंथन करें। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व एक अपर षासकीय अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्रा एक प्राइवेट पक्षकार की ओर से बहस कर रहे थे जिस पर कोर्ट की सख्त नाराजगी के बाद राज्य सरकार ने उनकी आबद्धता समाप्त कर दी थी।

चार्ज संभालने के दो दिन बाद ही हाईकोर्ट में पुलिस कमिश्नर तलब

लखनऊ, विधि संवाददाता। राजधानी की पुलिस कमिश्नरेट का कार्यभार संभालने के महज दो दिन बाद ही नवागत पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष पेश होना पड़ा। एक आपराधिक मामले में न्यायालय द्वारा दो बार समय दिए जाने के बावजूद स्थानीय पुलिस की ओर से जवाब दाखिल न किए जाने पर पीठ ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। कोर्ट में उपस्थित होकर पुलिस कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि भविष्य में सरकारी अधिवक्ताओं को समय पर आवश्यक निर्देश उपलब्ध करा दिए जाएंगे, जिससे न्यायालय के समक्ष समय से जवाब दाखिल हो सके।

न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन एवं न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की पीठ ओम प्रकाश गुप्ता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2025 में बाजारखाला थाने में दर्ज धोखाधड़ी, कूटरचना और धमकी के मुकदमे में जांच पूरी होने के बावजूद विवेचक ने जांच रिपोर्ट संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने के बजाय द्वविधिक अभिमतह के लिए अग्रसारित कर दी, जिससे रिपोर्ट दाखिल करने में अनावश्यक विलंब हुआ। पीठ ने 23 जुलाई को पूछा था कि जांच रिपोर्ट को विधिक अभिमत के लिए भेजने का आधार किस वैधानिक प्रावधान में निहित है। इसके बावजूद जवाब दाखिल नहीं किया गया। 27 जुलाई को भी स्थिति जस की तस रहने पर न्यायालय ने पुलिस कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अपर शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि जांच रिपोर्ट में द्वविधिक अभिमतह शब्द का उल्लेख त्रुटिवश किया गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की जांच पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ की जा रही है तथा आगे से ऐसी स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। याची की ओर से भी इस आश्वासन पर संतोष व्यक्त किया गया। इसके बाद पीठ ने याचिका का निस्तारण कर दिया।

दरोगा की पत्नी की संदिग्ध हालात में मौत

● ससुरालीजनों पर भाई ने लगाया जहर देकर हत्या का आरोप

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। पारा क्षेत्र में दरोगा की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर प्रताड़ना और जहरीला पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण का खुलासा होगा।

पारा के बुद्धेश्वर के जाहिद नगर में बृहस्पतिवार रात कैंट थाने में तैनात दरोगा अवनीश कुमार की पत्नी विनीता (35) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल वालों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना व जहरीला पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। भाई ने पारा थाने में पति, सास, देवर और देवरानी के खिलाफ लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस कुछ लोगों से पूछताछ भी कर रही है।

इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के अनुसार मूलरूप से मेरठ के टीमकिया गांव निवासी दरोगा अवनीश कुमार पत्नी विनीता, बेटे कार्तिक के साथ रहते हैं। विनीता के भाई विनय का आरोप है कि बहन को काफी समय से ससुराल वाले मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप है कि दरोगा पति अवनीश शराब के नशे में अक्सर विनीता के साथ मारपीट करते थे। विनीता ने कई बार मायके वालों को फोन कर इसकी जानकारी दी थी। मायके वालों ने अवनीश को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह पुलिस विभाग में होने का रौब दिखाकर उन्हें चुप करा देता था।

भाई विनय के मुताबिक, बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे विनीता ने मां को फोन कर बताया की ससुराल वाले काफी प्रताड़ित कर रहे हैं। इसके बाद फोन कट गया। करीब एक घंटे बाद ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों ने विनय को फोन कर बताया विनीता की हालत गंभीर है और उसे ठाकुरगंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर मायके वाले गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित शकूरपुर से लखनऊ पहुंचे तो पता चला कि विनीता की मौत हो चुकी है। विनय के मुताबिक अस्पताल में ससुराल पक्ष का कोई मौजूद नहीं था। विनीता के बेटे कार्तिक ने बताया शाम करीब सात बजे पिता शराब के नशे में घर लौटे थे। इसके बाद पिता और मां के बीच विवाद और मारपीट होने लगी। वह आहत होकर ऊपर कमरे में चला गया। इसके बाद क्या हुआ, उसे जानकारी नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सीतापुर की तरफ से सर्वसाधारण को सूचित करना है कि अभिषेक कौशल और मयंक कौशल पुत्रगण दिनेश कौशल अपने प्लॉट जो खसरा नंबर 829 का हिस्सा है के मालिक हैं, रकबा 1000 वर्ग फुट स्थित मुहल्ला- संतनगर कॉलोनी पश्चिमी, ग्राम सिधौली परगना-बाड़ी और तहसील-सिधौली और जिला सीतापुर में है" और अभिषेक कौशल और मयंक कौशल अपनी उक्त सम्पत्ति को सुनीता यादव पत्नी विनीत कुमार को विक्रय कर रहे है और वे आधार हाउसिंग फाइनेंस लि०, स्थित 15/1/352, भावना बिल्डिंग, आई हॉस्पिटल रोड, संजय नगर, सीतापुर, 261001 में उक्त सम्पत्ति को बन्धक कर ऋण ले रहे है। यदि उक्त खसरे के सह-खातेदार या अन्य किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त सम्पत्ति के विक्रय अथवा बन्धक के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के अन्दर आपत्ति करने का कष्ट करें, उपरोक्त समयवधि के बाद किसी प्रकार का कोई दावा विचार योग्य नहीं माना जायेगा। आपत्ति हेतु संपर्क करें द्वारा अधिवक्ता दिव्य कुमार श्रीवास्तव, आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि०, मो0-7355544102, 9559667676

बार चुनाव में देना होगा आपराधिक ब्योरा

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने तहसील बार एसोसिएशन, रामसनेहीघाट (बाराबंकी) के चुनाव में नामांकन करने वाले अधिवक्ताओं के लिए आपराधिक इतिहास का खुलासा अनिवार्य कर दिया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि यदि किसी प्रत्याशी के खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज है तो उसका पूरा विवरण नामांकन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने राजेश कुमार पांडेय द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

पुलिसिंग की अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं : डीजीपी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय लखनऊ में शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 78वें आरआर (2025 बैच) के स्टडी-कॅम-कल्चरल-टूर केलिए आए 19 प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों ने पुलिस महानिदेशक उप्र राजीव कृष्ण से शिष्टाचार भेंट की। भेंटवार्ता के दौरान पुलिस महानिदेशक, उप्र ने सर्वप्रथम अपना परिचय देते हुए सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से क्रमवार परिचय प्राप्त किया तथा उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों की शैक्षणिक एवं व्यावसायिक पृष्ठभूमि के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनसे संवाद स्थापित किया, जिसमें विभिन्न राज्यों एवं कैडरों के प्रशिक्षु अधिकारी सम्मिलित थे, जिनमें आंध्र प्रदेश एवं केरल से 02-02, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश से 02-02, तमिलनाडु, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पंजाब, त्रिपुरा, ओडिशा तथा यूनियन टेरिटरी कैडर से 01-01 अधिकारी शामिल थे। इसके अतिरिक्त भूटान एवं नेपाल से 01-01 प्रशिक्षु अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

● भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों ने की डीजीपी से भेंटवार्ता

पुलिस महानिदेशक ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राज्य के समक्ष पुलिसिंग की अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं। यहां भीड़ प्रबंधन से लेकर अत्यधिक जनसमूह के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन तक अनेक प्रकार की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, गत वर्ष आयोजित महाकुंभ के दौरान लगभग एक माह की अवधि में 60 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। ऐसे आयोजनों का शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित संचालन एक बड़ी जिम्मेदारी होती है जिसमे उत्तर प्रदेश पुलिस ने दक्षता हासिल की है।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौती अथवा जनसमूह के प्रबंधन में संवाद, धैर्य एवं संवेदनशीलता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रभावी पुलिसिंग केवल कानून का अनुपालन सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की मनोभावनाओं को समझते हुए शांति, विश्वास एवं समन्वय बनाए रखने का दायित्व भी निभाती है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों की सही समझ एवं समयबद्ध संवाद अनेक संभावित चुनौतियों का प्रारंभिक स्तर पर ही प्रभावी समाधान सुनिश्चित कर सकती है। एक सफल पुलिस अधिकारी वही है जो मानवीय दृष्टिकोण, प्रभावी संचार एवं पेशेवर दक्षता के माध्यम से जनविश्वास को सुदृढ़ बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था की चुनौतियों का शांतिपूर्ण एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करे। अंत में पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 ने प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा पूछे गए विभिन्न जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भेंट के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के डिप्टी डायरेक्टर (आईटी) अजीत प्रताप सिंह द्वारा अकादमी की ओर से पुलिस महानिदेशक, उप्र को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसके उपरांत पुलिस महानिदेशक, उप्र द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महानिदेशक के जीएसओ केएस इमैन्युअल, पुलिस उप महानिरीक्षक प्रशिक्षण श्री देव रंजन वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राइफलमैन परीक्षा-2026 की धांधली में गिरोह का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन परीक्षा (सीएपीएफ और

एसएसएफ में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) और असम राइफल में राइफलमैन परीक्षा-2026) में धांधली करने वाले पूर्व में गिरफ्तार गिरोह का वांछित अभियुक्त को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ द्वारा पकड़े गए अभियुक्त लोकेश के पास से 63 बनी हुई, 20 बिना बनी हुई, 9 खुली हुई (रेसबेरीपाई इन्स्टाल) टीएफटी स्क्रीन अर्थात कुल 92 टीएफटी स्क्रीन, 45 वीजीए कार्ड, 20 वीजीए टू एचडीएमआई कार्ड, 15 टाइप सी केबल, 14 रेसबेरीपाई, 12 मैमोरी कार्ड, 10यूएसबी टू यूएसबी केबल, 5वीजीए स्विच, 4 आयरन सोल्डर व सामान, कॉपर वायर, 1 लैपटॉप लेनेवो मय चार्जर, 1 स्क्रू ड्राईवर, 01 अदद ग्लू गन, एक पैकेट वीजीए केबल, 2 पैकेट वाईफाई डोन्गल, 1 पैकेट हीट सिंक बरामद किया है। एसटीएफ ने अभियुक्त लोकेश को अलवर राजस्थान से गिरफ्तार किया है।

बारिश में ट्रैफिक संभालेंगे 300 कर्मी

लखनऊ। बारिश में ट्रैफिक संभालने वाले पुलिस कर्मियों के लिए राहत मिलने की बात सामने आ रही है। अब तीन सौ पुलिसकर्मी रेनकोट पहनकर ट्रैफिक संभालेंगे। डीसीपी ट्रैफिक ने संयुक्त पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर 300 अदद रेनकोट की तत्काल आवश्यकता जताई है। यह ट्रैफिककर्मी बारिश के दौरान वीआईपी और वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए तैनात किए जाएंगे। पत्र में कहा गया है कि बारिश के दौरान वीआईपी ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों के पास रेनकोट उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में रेनकोट उपलब्ध कराने के संबंध में आदेश की जरूरत हैं।

मोबाइल टावर पर चढ़ी महिला

लखनऊ। हजरतगंज पार्क रोड पर मौजूद मोबाइल टॉवर पर आगरा की रहने वाली महिला चढ़ गई। वह टॉवर के प्लेटफार्म पर खड़ी होकर वहां से कूदकर खुदकुशी की धमकी देने लगी। पुलिस ने उसे समझा-बुझाकर नीचे उतारा। पीड़िता ने आगरा के कैंट रेलवे स्टेशन की पुलिस उसके नाबालिग बेटे को बंधक बनाकर पीटने और चोरी के केस में फंसाने का आरोप लगाया। साथ ही उसने आरोप लगाया कि बेटे को बंधक बनाकर उसे मूत्र पिलाने का प्रयास किया गया। पलिस ने महिला को समझाने के बाद उसके घरवालों को सूचना दी। महिला आगरा के कैंट इलाके की श्याम नगर छोटी कॉलोनी की रहने वाली है।

इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को बड़ी राहत

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने प्रदेश के सहायता प्राप्त इंटर कॉलेजों में वर्ष 2013 के विज्ञापन के आधार पर हुई प्रधानाचार्यों की नियुक्तियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें रद्द करने संबंधी एकल पीठ का फैसला निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही वर्ष 2022 में हुई नियुक्तियां बरकरार हो गई हैं। न्यायमूर्ति राजन राय एवं न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने श्याम शंकर उपाध्याय व अन्य तथा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, प्रयागराज की ओर से दाखिल विशेष अपीलों को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। मामले में प्रधानाचार्यों की भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2013 में विज्ञापन संख्या-3 जारी होने के साथ शुरू हुई थी, लेकिन चयन प्रक्रिया करीब नौ वर्ष तक लंबित रही। इसके बाद वर्ष 2022 में नियुक्तियां पूरी की गईं। इन नियुक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एकल पीठ ने एक फरवरी, 2023 को पूरी चयन प्रक्रिया को अवैध ठहराते हुए नियुक्तियां रद्द कर दी थीं। एकल पीठ ने कहा था कि विज्ञापन जारी होने के नौ वर्ष बाद चयन प्रक्रिया पूरी करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। अदालत ने यह भी माना था कि वर्ष 2014 के बाद आवश्यक योग्यता हासिल करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर ही नहीं मिल सका। इसी आधार पर नए सिरे से नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया था। एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दाखिल विशेष अपीलों पर सुनवाई के दौरान वर्ष 2023 में खंडपीठ ने यह देखते हुए यथास्थिति बनाए रखने का अंतरिम आदेश दिया था कि बड़ी संख्या में नियुक्तियां प्रभावित होंगी और चयनित अभ्यर्थी दिसंबर 2022 से प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

NOTICE

I Ghulam Ghous S/o Asma Khatun village Tiyar, Post Tiyar, Tehsil Bansgaon, District-Gorakhpur, Pin-273413 has give ICSE 2025 board examination with uid number 8661179 by mistake her Mother name is written at the time of registration Asma while has currect name is Asma Khatun

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र का नाम अरहम अंसारी से बदलकर अशहर अंसारी रख लिखा है। सभी अभिलेखों में उसका नाम अशहर अंसारी ही लिखा, पढ़ा व समझा जाये। अतहर अहमद पुत्र जहूर अली नि.- ग्राम मो. ऊँची भूड कस्बा गोला गोकर्णनाथ, परगना हैदराबाद, कोतवाली व तहसील गोला गोकर्णनाथ, जिला लखीमपुर खीरी।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र लाइक को उसके गलत आचरण व बुरी संगति के कारण समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कानूनी अथवा गैर-कानूनी कार्य, ऋण से मेरे व मेरे परिवार का कोई उत्तरदायी नहीं होगा। रहीस अहमद पुत्र महमूद खां निवासी-183, नवाबपुरवा, देशी लोकिया, थाना-रामपुर कला, तहसील-महमूदाबाद, जनपद-सीतापुर (उ.प्र.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री महक का जन्म दिनांक 10/12/2020 को निजी आवास घर में ही हुआ है। जानकारी के अभाव में मैं अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत नहीं करवा सकी। इसके पहले जन्म प्रमाण पत्र के लिए मैंने कोई आवेदन नहीं किया। मेरी पुत्री महक का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना जनहित में आवश्यक है जिसे जारी किया जाए। किसी को आपत्ति को तो दर्ज करवा सकता है। निशा पत्नी राजवीर निवासी ग्राम पन्थुवा मजरे रमवां तहसील व जिला फतेहपुर। मोबाइल नंबर 7081818 2118

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र जीशान का जन्म दिनांक 17/08/2012 को निजी आवास घर में ही हुआ है। जानकारी के अभाव में मैं अपने पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत नहीं करवा सका। इसके पहले मैंने कहीं से भी जन्म प्रमाण पत्र के लिए कोई आवेदन नहीं किया। मेरे पुत्र जीशान का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना जनहित में आवश्यक है जिसे जारी किया जाए। किसी को कोई आपत्ति हो तो दर्ज करवा सकता है। इमरान अहमद पुत्र स्वर्गीय जमील अहमद निवासी ग्राम कोराईं तहसील एवं जिला फतेहपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री जानवी का जन्म दिनांक 06/08/2010 को निजी आवास घर में ही हुआ है। जानकारी के अभाव में मैं अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत नहीं करवा सका। इसके पहले मैंने जन्म प्रमाण पत्र के लिए कोई आवेदन कहीं से भी नहीं किया। मेरी पुत्री जानवी का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना जनहित में आवश्यक है जिसे जारी किया जाए किसी को कोई आपत्ति हो तो दर्ज करवा सकता है। अनिल पुत्र बदलू निवासी ग्राम देवरी मय चक विकासखंड तेलियानी तहसील जिला फतेहपुर। मोबाइल नंबर 9565 3471 27

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र आबान का जन्म दिनांक 24/10/2014 को निजी आवास घर में ही हुआ है। जानकारी के अभाव में मैं अपने पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत नहीं करवा सका। मेरे पुत्र अआबान का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना जनहित में आवश्यक है जिसे जारी किया जाए। किसी को कोई आपत्ति हो तो दर्ज करवा सकता है। इरफान अहमद पुत्र स्वर्गीय जमील अहमद निवासी ग्राम कोराईं तहसील वजीला फतेहपुर।

निजी हॉस्पिटल में युवक की मौत की होगी जांच

लखनऊ। मड़ियांव के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती युवक की इलाज के दौरान मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। विभाग ने घटना को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को अस्पताल को नोटिस जारी किया है और इलाज से जुड़े सभी दस्तावेज तलब किए हैं। सीतापुर के गरौली, हसनापुर निवासी मनोज पांडेय के इकलौते बेटे शिवाजी पांडेय (24) की गुरुवार को सैन्योर हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। 27 जुलाई को बिसवां-सिधौली मार्ग पर कदुनी के पास तेज रफ्तार पिकअप डाला ने शिवाजी की स्कूटी में टक्कर मार दी थी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बुधवार शाम परिजनों ने उन्हें मड़ियांव के उक्त हास्पिटल में भर्ती कराया था। मौत के बाद परिजनों ने डाक्टरों पर इलाज में कोताही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। सीएमओ कार्यालय के नर्सिंग होम नोडल ऑफिसर डा. एपी सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गयी है। उन्होंने कहा कि इलाज में कोताही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, युवक की मौत

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के टिकनियामऊ गांव में शुक्रवार शाम नाले की सफाई को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल 40 साल के आजाद की इलाज के दौरान मौत हो गई। उनकी पत्नी समेत दोनों पक्षों के 5 लोग घायल हुए।

घायलों का सीएचसी गोसाईंगंज और ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है। मृतक की पत्नी ने प्रधान पति समेत 4 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। उनका आरोप है कि प्रधान पति अपने साथियों के साथ धारदार हथियार लेकर घर में घुस गए। पति और परिवार के सदस्यों को जकर पीटा। युवक की मौत की सूचना मिलते ही अस्पताल और गांव में तनाव फैल गया। आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। एहतियात के तौर पर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने 4 नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया। मृतक आजाद की पत्नी अंजू ने पुलिस को तहरीर देकर ग्राम प्रधान पति समेत कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अंजू का आरोप है कि नाले की सफाई की शिकायत से नाराज होकर आरोपितों ने उनके घर में घुसकर उनके पति की पीट-पीटकर हत्या कर दी और परिवार के अन्य सदस्यों पर भी जानलेवा हमला किया। अंजू ने बताया कि घर का पानी नहीं निकल रहा था। नाले की सफाई कराने की शिकायत करने पर ग्राम प्रधान पति मोहम्मद हसीब अपने समर्थकों के साथ शुक्रवार रात करीब आठ बजे उनके घर पहुंचे। सभी आरोपी लोहे की रॉड, धारदार हथियार (बांका) और लाठी-डंडों से लैस थे। आरोपितों ने घर में घुसते ही उनके पति आजाद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अंजू के मुताबिक, जब उन्होंने पति को बचाने का प्रयास किया तो उनके ऊपर भी जानलेवा हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पूरे परिवार की हत्या करना चाहते थे हमलावर: अंजू का आरोप है कि हमलावरों ने बेटे प्रदीप और देवर सरजू पर भी हमला किया। हमलावरों ने कहा कि इन सबको खत्म कर दो। बेटा और देवर गंभीर रूप से घायल हैं। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते समय उन्होंने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। अंजू ने ग्राम प्रधान पति मोहम्मद हसीब और अन्य लोगों के खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला, घर में घुसकर मारपीट और धमकी देने की शिकायत की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक के भाई रंजीत ने आरोप लगाया कि प्रधान पति हम लोगों की तरफ नाले की सफाई नहीं करवाते थे। हम लोगों ने आज शाम करीब 4 बजे थाने पर शिकायत दी थी।

युवक के मिले शव की हुई शिनाख्त

लखनऊ। बीते 27 जुलाई की रात सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक्सीडेंट से हुए घायल युवक की मौत के बाद शुक्रवार को शव की शिनाख़्त हो गई। जिसके बाद शव का पंचनामा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक आशियाना स्थित किला गांव के रहने वाले सोनू गौतम प्लंबरिंग का काम करते थे।

भाई अंशु ने बताया उनकी भाभी पिंकी गर्भवती है जिसके चलते उनके भाई सोनू पत्नी व बेटे प्रिंस के साथ बाराबंकी स्थित दरसनिया अपनी ससुराल में कुछ दिनों से रह रहे थे। 27 जुलाई को वह सोनू अपने साले तिलक एवं साढू के साथ उनकी मोटरसाइकल से लखनऊ काम करने आए थे। उसके बाद तिलक ने बताया कि उन्होंने अपने बहनोई सोनू को किला चौराहे पर छोड़ कर वापस चले गए थे। उसके बाद जब वह घर नहीं पहुंचे तो भाई अंशु ने खोजबीन की उसके बाद जब उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

अंतिम प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों से ही तय होगी ग्राम पंचायत की आबादी - हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत के गठन और उसके अस्तित्व के लिए कानून में निर्धारित न्यूनतम जनसंख्या की शर्त पूरी होना अनिवार्य है। साथ ही कहा कि ग्राम पंचायत की आबादी का निर्धारण वर्तमान आबादी के आधार पर नहीं, बल्कि अंतिम प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही किया जाएगा। यह कहते हुए कोर्ट ने गोंडा जिले की करुआ ग्राम पंचायत को समाप्त कर उसका कुम्हरौरा ग्राम पंचायत में विलय करने के राज्य सरकार के फैसले को वैध ठहराया है।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर एवं न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने गुड़िया गोस्वामी समेत 293 अन्य लोगों की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में 19 अप्रैल, 2023 की उस अधिसूचना को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत करुआ ग्राम पंचायत को समाप्त कर उसके शेष क्षेत्र का कुम्हरौरा ग्राम पंचायत में विलय कर दिया गया था।

याचिकाकताओं का कहना था कि करुआ ग्राम पंचायत के कुछ हिस्से को नगर पालिका परिषद कर्नलगंज में शामिल किए जाने के बाद भी उसकी आबादी 1719 तथा मतदाताओं की संख्या 1104 है। ऐसे में ग्राम पंचायत को समाप्त करने का निर्णय अवैध है।

वहीं, राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि वर्ष 2011 की अंतिम प्रकाशित जनगणना के अनुसार करुआ ग्राम पंचायत की शेष आबादी केवल 785 थी, जबकि पंचायत के गठन और अस्तित्व के लिए न्यूनतम 1000 की आबादी आवश्यक है। फैसला सुनाते हुए पीठ ने कहा अंतिम प्रकाशित जनगणना में दर्ज आबादी से है। वर्तमान आबादी अथवा मतदाताओं की संख्या के आधार पर ग्राम पंचायत का दर्जा बनाए रखने का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता।

चर्च को मन्दिर बताकर कराते थे का जाप

लखनऊ। मोहनलालगंज में धर्मांतरण गिरोह के कारनामों से धीरे-धीरे पर्दा उठ रहा है। गिरोह के सदस्य बेहद चालाकी से काम करते थे। वो प्रार्थना करने पर लोगों को जीवन में चमत्कार होने का झांसा देते थे।

मोहनलालगंज में हिंदुओं को ईसाई बनाने वाला गिरोह बहुत ही शातिर तरीके से काम करता था। 28 साल पहले तमिलनाडु से लखनऊ आए डेनियल ने लोगों को खूब गुमराह किया। गिरोह में शामिल लोगों ने वर्ष 2021 में शिवलर गांव में एक घर में चर्च बनाकर प्रार्थना सभा शुरू की थी। इस चर्च को गिरोह के लोग प्रभु ईसा मसीह मंदिर बताते थे। गांव में इसका दिशासूचक बोर्ड भी लगाया गया था। प्रार्थना सभा में पहुंचने वाले लोगों से ऊं श्रीयीशुखीष्टाय नमः का जाप कराया जाता था। यह सब इसलिए होता था ताकि लोगों को गिरोह पर संदेह न हो। धीरे-धीरे प्रार्थना सभा में धर्म का प्रचार प्रसार शुरू किया गया। धार्मिक किताबें पढ़कर सुनाई जाने लगीं।

सोना चोरी के शक में कारीगर को बंधक बनाकर पीटा, कपड़े उतारकर बाजार में घुमाया

लखनऊ। चौक के दिल्ली चेन हाउस ज्वैलर की दुकान में काम करने वाले कारीगर पर सोना चोरी का आरोप लगाकर बेरहमी से पीटा। इसके बाद उसके कपड़े उतारकर वीडियो बनायाकर पूरे इलाके में निवस्त्र घुमाया गया। साथ ही बेल्टों से मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल होने के बाद चौक पुलिस ने दुकान के मालिक और मैनेजर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

चौक एसीपी शुभम कुमार के मुताबिक, दिल्ली चेन हाऊस ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। दुकान में सीतापुर निवासी शिवबिहारी अवस्थी काम करता था। 28 जुलाई को उस पर दुकान से 10 ग्राम सोना चोरी करने का आरोप लगा। आरोप है कि दुकान मालिक सोनू उर्फ शनि और मैनेजर गौरव ने पहले शिवबिहारी के कपड़े उतरवाए। इसके बाद उसे बेल्ट और लात-घूसों से पीटा। पिटाई के दौरान उसे दुकान से बाहर निकालकर इलाके में घुमाया भी गया। इस पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया गया। शिवबिहारी का आरोप है कि मालिक और मैनेजर ने उसे पुलिस के पास जाने से रोक दिया। धमकी दी कि अगर थाने गया तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। किसी तरह घर पहुंचे शिवबिहारी ने आपबीती परिजनों को बताई। हालत बिगड ? पर परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मामले ने तूल पकड़ा शुक्रवार को आरोपियों द्वारा बनवाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में युवक को बिना कपड़ों के घुमाते और पीटते साफ देखा जा सकता है। वीडियो वायरल होते ही पीड़ित के भाई गोपाल ने चौक थाने में तहरीर दी।

कहानी और क्वालिटी से समझौता नहीं होना चाहिए : मानस शाह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 'हमारी देवरानी', 'गुलाल', 'यम हैं हम', 'स्माइल प्लीज', 'संकट मोचन हनुमान' और 'ये है चाहते' जैसे टीवी शोज में अपनी पहचान बना चुके अभिनेता मानस शाह जिन्हे इंडस्ट्री में 18 साल हो गए है, ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने अपने 18 साल के अभिनय सफर, संघर्ष, ओटीटी, सिनेमा और बदलते मनोरंजन जगत पर खुलकर बात की। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश...।

आपके अभिनय सफर की शुरूआत कैसे हुई और अब तक का अनुभव कैसा रहा ?

मेरा सफर बहुत अच्छा रहा है। मेरी शुरूआत टीवी शो 'हमारी देवरानी' से हुई थी , इसके बाद मैंने 'गुलाल', 'स्माइल प्लीज' जैसे कई शो किए. उस समय मुझे ज्यादातर गुजराती पृष्ठभूमि वाली कहानियों में काम करने का मौका मिलता था. फिर मैंने सोचा कि मुझे खुद को और बेहतर बनाना है, इसलिए मैंने संस्कृत पढ़नी शुरू की. इसके बाद मुझे पौराणिक शो ह्यसंकट मोचन हनुमान' और 'यम हैं हम' करने का मौका मिला. मुझे हर तरह के किरदार निभाना पसंद है।सकारात्मक हो या नकारात्मक, हर भूमिका की अपनी अहमियत होती है। अभिनय में हर भावना को जीना जरूरी है।

क्या कभी लगा कि आपने कोई दूसरा करियर चुना होता तो बेहतर होता ?

हां, शुरूआत में ऐसा लगा था. मैं पहले आईएएस बनना चाहता था और अहमदाबाद में उसकी तैयारी भी कर रहा था. उसी दौरान मुझे 'हमारी देवरानी' का ऑफर मिला. काफी समय तक मुझे लगा कि शायद मैंने गलत फैसला लिया और मुझे आईएएस बनना चाहिए था , लेकिन आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं जहां हूं, वहीं खुश हूं. सिनेमा भी एक मां की तरह है और मैंने इसे बहुत प्यार दिया है। अब पीछे मुड़कर देखने पर कोई पछतावा नहीं होता।

आपने कहा कि आपने हजारों ऑडिशन दिए हैं. वह दौर कैसा था ?

जब मैं मुंबई आया था, तब तरीका बिल्कुल अलग था. उस समय पोस्टकार्ड साइज फोटो होती थीं, जिनके पीछे नाम, उम्र और नंबर लिखकर प्रोडक्शन हाउस के बाहर रखे बॉक्स में डालनी पड़ती थीं। मैंने 2008 से लेकर 2019-20 तक करीब 8,647 ऑडिशन दिए। मुझे ऑडिशन देना पसंद था, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने को मिलता था. कभी मुझे पागल आदमी का किरदार मिला, कभी बूढ़े इंसान का, कभी कॉमेडियन का. चुनौतीपूर्ण किरदार हमेशा मुझे आकर्षित करते रहे।

आज के समय में क्या बदलाव आया है ?

पहले कलाकारों को लगातार ऑडिशन देने पड़ते थे, लेकिन अब अगर आपका काम लोगों तक पहुंच चुका है और आप किरदार के लिए फिट बैठते हैं तो कई बार आपको सीधे अप्रोच किया जाता है। कोरोना के बाद पूरी इंडस्ट्री की सोच बदल गई है. मैंने अभिनय के साथ बिजनेस की तरफ भी ध्यान दिया। अब मैं अभिनेता होने के साथ-साथ प्रोड्यूसर, फाउंडर और लेखक के तौर पर भी काम कर रहा हूं।मैंने अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है, जहां सामाजिक संदेशों से जुड़ी कहानियों पर काम कर रहा हूं।

ओटीटी और आज के कंटेंट को लेकर आपकी क्या राय है ?

ओटीटी ने काफी बदलाव लाया है, लेकिन यहां भी कुछ चुनौतियां हैं. बड़ी वेब सीरीज का काम कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित होता जा रहा है. नए कलाकारों को मौके कम मिल रहे हैं।इसके अलावा आजकल कुछ कंटेंट सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए बनाया जा रहा है।मेरा मानना है कि मनोरंजन होना चाहिए, लेकिन कहानी और क्वालिटी से समझौता नहीं होना चाहिए. परिवार के साथ देखने लायक कंटेंट भी जरूरी है।

आपने टीवी, फिल्म और ओटीटी तीनों प्लेटफॉर्म में काम किया है. इनमें क्या अंतर महसूस करते हैं ?

सिनेमा का अनुभव हमेशा अलग होता है। जब मैंने पहली बार खुद को बड़े पर्दे पर देखा और थिएटर में सैकड़ों लोगों की नजरें सिर्फ मुझ पर थीं, वह एहसास बहुत खास था. रील या छोटे वीडियो में कुछ सेकंड में प्रभाव डालना होता है, लेकिन फिल्म में दो घंटे तक दर्शकों को बांधे रखना पड़ता है।यही एक अभिनेता की असली परीक्षा है।

ओटीटी के बढ़ते दौर में कंटेंट को लेकर आपकी क्या राय है ?

मेरा मानना है कि कंटेंट अच्छा और मजबूत होना चाहिए. सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए अश्लीलता या गलत चीजों को बढ़ावा देना सही नहीं है। कॉमेडी का उद्देश्य लोगों को हंसाना होना चाहिए, किसी का अपमान करना नहीं। समय रैना और कुणाल कामरा जैसे कॉमेडियनों के कंटेंट को लेकर मेरी अपनी राय है कि मजाक में भी मयार्दा और जिम्मेदारी जरूरी है। अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपनी मेहनत से एक मिसाल कायम की है. अच्छी कॉमेडी वही है जो बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए लोगों को हंसाए।

14 दिवसीय भक्तामर दीपार्चन व सहस्रनाम पाठ का भव्य शुभारंभ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। इंदिरा नगर जैन मंदिर में आचार्य सुबल सागर जी महाराज के मंगल चातुर्मास के अंतर्गत 14 दिवसीय 'भगवान सहस्त्रनाम वाचन एवं भक्तामर स्तोत्र दीपार्चन' महाअनुष्ठान शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत में आचार्य श्री के मुखारविंद से भगवान के पवित्र 1000 नामों का संगीतमय उच्चारण किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रभु की प्रतिमा पर निर्मल जल की धारा प्रवाहित की एवं अष्ट कर्मों के क्षय (विनाश) हेतु पवित्र अग्नि में धूप समर्पित की। अनुष्ठान का लाभ समिति के सुदीप जी, संजय जी, विनय कुमार जी, आलोक कुमार जी एवं अक्षय जी को प्राप्त हुआ। अनुष्ठान में मध्य प्रदेश के आकोदिया क्षेत्र से आए 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज के अध्यक्ष पी. के. जैन, मुख्य संयोजक ऋषभ जैन, कोषाध्यक्ष अरविंद जैन एवं रोहित जैन ने बाहर से पधारे सभी अतिथियों का भावभीना स्वागत किया। बरासो तीर्थ के अध्यक्ष जैन जी का स्वागत संस्था के महामंत्री अभिषेक जैन द्वारा पटका एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का भक्तिमय मंगलाचरण विशाल जैन ने प्रस्तुत किया। महामंत्री अभिषेक जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ आज से पूज्य गुरुदेव द्वारा 'रयणसार ग्रंथ' की विशेष स्वाध्याय कक्षा का भी शुभारंभ किया गया है। आगामी 14 दिनों तक प्रतिदिन श्रद्धालुओं को इस ग्रंथ की पावन गाथाओं का रसास्वादन एवं अध्यात्म अध्ययन कराया जाएगा। इस अवसर पर अरिंजय, अभय, प्रदीप, आयुष, दिव्य, भरत, उमेश, मेघा सहित जैन समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गीत-संगीत के साथ मनाया गया आया सावन झूम के

लखनऊ। आशियाना स्थित ग्रेविटी रेस्टोरेंट के सभागार में रश्मि खंड, शारदा नगर की महिलाओं द्वारा शुक्रवार को आया सावन झूम के नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एफैक्शन स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रीति-प्रवीण एवं तक्षशिला की डायरेक्टर सुनंदा असवाल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल का स्वागत प्रीति-प्रवीण एवं सुनंदा असवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। महापौर ने सभी अतिथियों को सावन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का यह त्यौहार हमें खुशियाँ, हरियाली और आपसी प्रेम का संदेश देता है। आप सभी महिलाओं ने गीत, नृत्य और कविताओं से इस सावन को यादगार बना दिया है। लखनऊ नगर निगम महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। आप सभी का उत्साह ही लखनऊ की असली पहचान है। दोपहर से शाम तक चले इस कार्यक्रम में महिलाओं ने सावन के गीत, कविताएं, कव्वाली, नृत्य एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से समां बांध दिया। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। तक्षशिला की डायरेक्टर श्रीमती सुनंदा असवाल ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने सावन पर अपनी स्वरचित कविता ओ सावन ! ऐ सावन ! तू साजन-सा क्यों लगता है सुनाकर सभी का मन मोह लिया। एफैक्शन स्कूल की प्रधानाचार्या प्रीति-प्रवीण ने बॉलीवुड गीत हाय हाय ये मजबूरी पर शानदार प्रस्तुति दी, जिस पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती विनीता श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डिप्टी सीएम की पत्नी नम्रता पाठक, संगीता सिंह, ममता अवस्थी, राधिका यादव, स्नेह शर्मा, रेनू सिंह, प्रतिभा त्रिपाठी, दीप्ति सनवाल, अंजू मिश्रा, अर्चना शुक्ला, आभा बंसल, निधि सिंह, सरिता कुशवाहा आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भागवत कथा में गोवर्धन प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

लखनऊ। डालीगंज स्थित बंदी माता स्थान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान गोवर्धन पूजा प्रसंग का श्रद्धापूर्वक वर्णन किया गया। कथा वाचिका रोली शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा कराए जाने की कथा सुनाते हुए बताया कि यह प्रसंग प्रकृति, गौ-सेवा और पर्यावरण संरक्षण का शाश्वत संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पर्वत केवल एक पर्वत नहीं, बल्कि ब्रजवासियों के जीवन, गौवंश और प्रकृति के संरक्षण का प्रतीक है। पश्चिम विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी अंजनी श्रीवास्तव ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने लोगों से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण, गौ-संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को देवतुल्य माना गया है और गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। आचार्य नारायण मिश्रा ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं से धर्म और संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। पार्षद रंजीत सिंह ने बताया कि राधे लाल लोधी, रणजीत सिंह, राजेश जोशी, संजय वर्मा, संजीव गोसाईं, अरुण सिंह, राहुल सिंह, दिलीप कार्की सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ड्रामा वर्कशॉप के कलाकारों ने दी भावपूर्ण प्रस्तुतियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी मीडिया सेंटर द्वारा आयोजित पाँचवें ड्रामा वर्कशॉप के अंतर्गत आज महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वर्कशॉप के प्रतिभावान अभ्यर्थियों ने प्रेमचंद जी की प्रसिद्ध कहानियों को मंच पर जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार एवं वर्कशॉप की मीडिया कॉर्डिनेटर डॉ. सीमा मोदी की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने न केवल मीडिया समन्वय का कार्य कुशलतापूर्वक संभाला, बल्कि अभ्यर्थियों का उत्कृष्ट मार्गदर्शन करते हुए उन्हें कहानियों के भावों और प्रस्तुति की बारीकियों से भी अवगत कराया। इसके साथ ही डॉ. सीमा मोदी ने मुंशी प्रेमचंद जी की मशहूर कहानी 'मां' का अत्यंत भावुक और प्रभावशाली प्रस्तुति भी किया। साथ में बृजेश रहे। कार्यशाला में अभ्यर्थियों को अभिनय (एक्टिंग) की बारीकियों से रूबरू कराने में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय भारतेंदु नाट्य अकादमी के प्रसिद्ध नाट्य शिक्षक गोविन्द जी का विशेष योगदान रहा। उनके कुशल प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों ने अभिनय के समन्वय साधते हुए कहानियों का पाठ किया।

किशोर चतुर्वेदी के भजनों से झूमा कलामंडपम प्रेक्षागृह

भातखंडे : गुरु सम्मान समारोह में 22 गुरुजनों का हुआ सम्मान

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन एवं भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पद्म भूषण डॉ. एस.एन. रतनजंकर स्मृति गुरु सम्मान समारोह-2026 का आयोजन शुक्रवार को कलामंडपम् प्रेक्षागृह, कैसरबाग में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सुप्रसिद्ध सुरसाधक किशोर चतुर्वेदी की भजन प्रवाह प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी सुमधुर एवं भावपूर्ण गायकी से हे री सखी मंगल गौरी, राम नाम सुखदाई, अच्युतम्‌केशवम्‌कृष्ण दामोदरम्‌तथा सावन के अवसर पर आधारित एक मेघ मल्हार गीत प्रस्तुत कर सम्पूर्ण प्रेक्षागृह को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर श्रोतागण भाव-विभोर हो उठे तथा पूरा सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। इसके उपरांत विदुषी रेनु शर्मा के निर्देशन में पुष्प वाटिका प्रसंग पर आधारित समूह कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कलाकारों की भावाभिव्यक्ति, लयबद्धता एवं आकर्षक मंच-सज्जा ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। समारोह के दौरान संगीत एवं कला जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 22 गुरुजनों को भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया गया जिसमें कृष्ण कुमार मिश्र सारंगी, शीतलप्रसाद मिश्र तबला, रामेश्वर प्रसाद मिश्र गायन, धर्मनाथ मिश्र प्रवक्ता गायन, राम चन्द्र भट्ट, होली राम, रवि नाथ मिश्र, पंकज कुमार चौधरी, रवि राज शंकर, डॉ बीना सिंह, सुरेश प्रसाद मिश्र, प्रमोद कुमार मिश्र , डॉ मीरा दीक्षित, डॉ सीमा भारद्वाज, अरुण कुमार भट्ट, डॉ रंजना द्विवेदी, डॉ कमलेश कुमार दुबे।

इस अवसर पर उपस्थित सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके अमूल्य योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संगीत, नृत्य एवं गुरु-शिष्य परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. राजेश सिंह (प्रमुख सचिव, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश) तथा विशिष्ट अतिथि राजेश जायसवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि, कलाकार, संगीत प्रेमी एवं श्रोतागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम श्रीवास्तव ने किया और एवं आयोजन भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा भारद्वाज एवं सचिव गिरीश चन्द्र बहुगुणा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

पशुओं के प्रति मानव के व्यवहार को दर्शाती 'दो बैलों की कथा'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से रंगयात्रा, लखनऊ द्वारा मुंशी प्रेमचंद जी कि जयंती के अवसर पर आपकी लिखी कहानी दो बैलो की कथा का मंचन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संसथान में सायं काल किया गया इस कहानी का नाट्य निरूपण, परिकल्पना एवं निर्देशन ज्ञानेश्वर मिश्र ज्ञानी का था। यह कहानी सांकेतिक भाषा में यह संदेश देती है कि चाहे इंसान हो या कोई भी प्राणी, आजादी उसके लिए बहुत जरूरी है। आजादी हासिल करने के लिए अगर लड़ना भी पड़े तो बिना झिझक लड़ना चाहिए। स्वतंत्रता हर किसी का जन्मसिद्ध अधिकार है और इसे बरकरार रखना हर किसी का कर्तव्य है।

कहानी दो बैल हीरा और मोती की है जिनको झूरी ने बड़े ही प्यार से पाला था। एक बार किसी कारणवश झूरी को उन बैलों को अपने ससुराल में साले गया के पास छोड़ना पड़ता है। लेकिन हीरा और मोती को लगता है कि उनके मालिक ने उन्हें गया को बेच दिया है, इसलिए वे जल्दी से उसके चंगुल से छूट के अपने घर जाना चाहते थे। रात को जब गया उन्हें चारा देके सो जाता है तब वें दोनों रस्सी तोड़ के झूरी के पास आ जाते है। उन्हें देख के झूरी बहुत खुश होता है लेकिन उसकी पत्नी को बहुत गुस्सा आता है और वह उन्हें कामचोर समझती है। वह उन दोनों बैलों को पुनः गया के हवाले कर देती है। दूसरी बार जब गया उन्हें फिर ले के जाता है तो उनपर अति क्रोधित होने के कारण उन्हें बहुत सताने लगता है। उन्हें खाना - पीना देना बंद कर देता है और जो कुछ देता भी था उसे वह न तो ढंग से खाते और न ही हल चलाते थे। गया अपने बैलों को अच्छे चारे डालता और हीरा मोती को सिर्फ भूसी खाने को दे देता था। उस घर में एक छोटी बच्ची जो उन्हें कुछ रोटियां खिलाती थी, एक रात उनको खोल देती है ताकि वो दोनो उस कैद से भाग जाएं। रस्ते में उनकी मुलाकात सांड से होती है वे दोनों उसको मिलकर हारते है और आगे बढ़ते हैं। वे दोनों काफी देर दौड़ने के बाद एक अनजान जगह पहुंच जाते है और वहां मटर के खेत में हरे भरे मटर खाने लगते है। उतने में कुछ लोग उन्हें घेर लेते है और काँजीहौस में कैद कर देते है। काफी दिन वहां भी अनेकों यातनाओं को सहने के बाद उनको एक कसाई के हाथों बेच दिया जाता है। उसके साथ चलते-चलते जब वे अपने घर के रास्ते को पहचान लेते है तो वो दौड़ते हुए झूरी के पास पहुंचते है और झूरी की पत्नी भी उन्हें प्यार से चूम लेती हैं। गया को भी अपनी गलती का पछतावा होता है । मंच योगेन्द्र पाल, मुकुल कुमार गुरुदत्त पांडेय, अनिल कुमार, मनोज वर्मा, अजहर जमाल, अभिषेक कुमार, डॉ मधु प्रकाश श्रीवास्तव, रीमा वर्मा, निरुपमा गुप्ता, लता बाजपेयी, अंशिका सक्सेना, सुरुचि सक्सेना ने सशक्त अभिनय किया।

नौटंकी में जीवंत हुई अमर सिंह राठौर की गाथा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नीलाक्षी लोक कला कल्याण समिति द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से बुधवार को गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में पारंपरिक नौटंकी अमर सिंह राठौर का प्रभावशाली मंचन किया गया। लोकनाट्य, संगीत और अभिनय से सजी इस प्रस्तुति ने नौटंकी की समृद्ध परंपरा और लोकस्मृति को सजीव रूप में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुमाऊँ कोकिला विमल पंत, राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व सभापति सीताराम कश्यप, डॉ. स्मिता मिश्रा, भूपेन्द्र अस्थाना, डॉ. कुसुम वर्मा एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रस्तुति में रंगा की भूमिका मोहम्मद सलीम (शहजादा), शेख सलावत खान की भूमिका सलमान, अमर सिंह की भूमिका राम नरेश, नरसह बाज पठान की भूमिका सहवान, हाथी शनी की भूमिका श्यामा सता, राम सिंह की भूमिका राम सरन, अर्जुन गौड़ की भूमिका अर्जुन, नवी रसूल की भूमिका मोहम्मद सुहैल, बेगम की भूमिका किरन तथा दरवारी की भूमिका कलीम ने निभाई। संगीत में हारमोनियम पर राम चंद्र, नक्कारा पर सतनाम तथा ढोलक पर गुलाम वारिश ने संगत दी। वेशभूषा राम सिंह तथा मुख सज्जा विनीता यादव ने की। इस अवसर पर अवधी विद्वान डॉ. राम बहादुर मिसिर, प्रदीप मित्रा, मधुलिका श्रीवास्तव, जीतेश श्रीवास्तव, मनीषा श्रीवास्तव, पावक नारायण, प्रतीक नारायण, डा.एस.के. गोपाल, लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव डा. सुधा द्विवेदी, अर्चना गुप्ता सहित साहित्यकार, कलाकार, संस्कृति प्रेमी एवं दर्शक उपस्थित रहे। आयोजक संस्था की अध्यक्ष नीलम वर्मा एवं राजनारायण ने अतिथियों का स्वागत तथा कलाकारों को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। संचालन राजेन्द्र विश्वकर्मा ने किया।

सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 4 को, बन रहे हैं 3 शुभ योग

मंगला गौरी व्रत की तिथियां

- पहला मंगला गौरी व्रत: 4 अगस्त, मंगलवार
- दूसरा मंगला गौरी व्रत: 11 अगस्त, मंगलवार
- तीसरा मंगला गौरी व्रत: 18 अगस्त, मंगलवार
- चौथा मंगला गौरी व्रत: 25 अगस्त, मंगलवार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सावन का महीना भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। जहां सावन के सोमवार भगवान शिव की उपासना के लिए विशेष महत्व रखते हैं, वहीं सावन के मंगलवार मां गौरी को समर्पित होते हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित कन्याएं योग्य वर की प्राप्ति की कामना से मंगला गौरी व्रत करती हैं। वर्ष 2026 में सावन मास 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। इस दौरान चार मंगलवार पड़ेंगे और इन सभी दिनों में मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान शिव के साथ मां पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने का विशेष महत्व माना जाता है। सावन मास के प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। इस दिन मां गौरी के साथ भगवान शिव और विघ्नहर्ता श्री गणेश की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष सावन के पहले मंगला गौरी व्रत पर तीन शुभ योगों का संयोग बन रहा है, जो इसे और भी खास बना देता है। जिन नवविवाहित महिलाओं का यह पहला सावन है, उनके लिए इस व्रत से जुड़े कुछ विशेष नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करना शुभ माना जाता है। साल 2026 में सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 4 अगस्त को पड़ेगा। पंचांग के अनुसार इस दिन सावन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि रहेगी, जो रात 10:03 बजे तक प्रभावी होगी। इस दिन तीन शुभ योगों का निर्माण हो रहा है, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग। ये सभी योग रात 9:54 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन 5 अगस्त की सुबह 5:45 बजे तक रहेंगे। वहीं दिन के समय धृति योग सुबह से लेकर शाम 7:33 बजे तक रहेगा, इसके बाद शूल योग प्रारंभ होगा। नक्षत्रों की बात करें तो रेवती नक्षत्र सुबह से रात 9:54 बजे तक रहेगा, जिसके बाद अश्विनी नक्षत्र शुरू होगा।

भद्रा और पंचक का साया: पहले मंगला गौरी व्रत के दिन भद्रा और पंचक का भी संयोग रहेगा। भद्रा रात 10:03 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 5:45 बजे तक रहेगी, लेकिन इसका प्रभाव स्वर्ग लोक में होने के कारण अशुभ नहीं माना जाएगा। वहीं पंचक सुबह 5:44 बजे से रात 9:54 बजे तक रहेगा, जिसे चोर पंचक कहा जाता है। इस दौरान अपने कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मंगला गौरी व्रत का महत्व: धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंगला गौरी व्रत मां पार्वती की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से सुखी वैवाहिक जीवन, अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना के लिए किया जाता है। अविवाहित कन्याएं भी मनचाहा और योग्य जीवनसाथी पाने की इच्छा से इस व्रत का पालन करती हैं। ज्योतिष शास्त्र में भी मंगला गौरी व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक यह व्रत करने तथा मां गौरी को सुहाग की सामग्री, श्रृंगार का सामान, लाल पुष्प और फल अर्पित करने से मंगल दोष के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलती है। साथ ही दांपत्य जीवन में प्रेम, सुख, सौहार्द और समृद्धि का वास होता है।

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि: प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ या लाल/पीले रंग के वस्त्र धारण करें। घर के पूजा स्थान या मंदिर की अच्छी तरह सफाई करके एक चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएं। चौकी पर मां गौरी (माता पार्वती) की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। साथ ही भगवान शिव का भी पूजन करें। मां गौरी को लाल चुनरी, सिंदूर, कुमकुम, हल्दी, अक्षत, लाल पुष्प, फल, मिठाई और सुहाग की सामग्री (चूड़ी, बिंदी, मेहंदी, कंघी आदि) अर्पित करें। घी का दीपक और धूप जलाकर विधि-विधान से पूजा करें।

संक्षेप

सिपाही का जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास

जौनपुर। बरसठी थाने में तैनात एक कांस्टेबल ने शुक्रवार सुबह कथित तौर पर विषाक्त पदार्थ पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना से थाने में हड़कंप मच गया। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में वाराणसी रेफर कर दिया गया। शुरुआती जानकारी में पारिवारिक कलह को घटना की वजह बताया जा रहा है। मिर्जापुर निवासी कांस्टेबल विवेक गौड़ पिछले दो वर्षों से बरसठी थाने में तैनात हैं और मुंशी का कार्य देख रहे थे। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे उन्होंने अपने परिवार से वीडियो कॉल पर बातचीत की। इसके कुछ देर बाद उन्होंने विषाक्त पदार्थ पीने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एक अन्य सिपाही ने विवेक को रोकने की कोशिश की और उनके हाथ से कटोरा गिरा दिया। हालांकि, विवेक ने बचा हुआ कुछ विषाक्त पदार्थ उठाकर पी लिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, तो साथी पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता ने फंदे से लटक कर दी जान

आजमगढ़। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहिरौली के रघुनंदन नगर में गुरुवार की देर शाम को मायके में रह रही विवाहिता ने साड़ी के फंदे से लटकर कर आत्महत्या कर ली। फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल की। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहिरौली के रघुनंदन नगर निवासी लक्ष्मी राम की 26 वर्षीया पुत्री किरन की शादी अक्तूबर 2023 में रौनापार थाा क्षेत्र के निबियहवा गांव में हुई थी। उसकी दो वर्ष की एक बेटी है। शादी के कुछ वर्ष बाद पति से विवाद हो गया। विवाद के लगभग एक वर्ष से वह अपने मायके आकर रह रही थी। मायका वालों का कहना है कि गुरुवार की देर शाम को किरन ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। उसने पंखा के चूल्ले में साड़ी के फंदा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किरन के पिता ठेला चलाकर परिवार का गुजर बसर करते हैं। पिता जब देर शाम को घर आए तो उन्होंने बेटी किरन को आवाज देकर बुलाया। लेकिन कमरे के अंदर से उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। पिता ने जब खिड़की के रास्ते कमरे के अंदर झांका तो बेटी का शव फंदे से लटकता देख सन्न रह गए। पिता के शोर मचाने पर परिजन के साथ ही पास-पड़ोस के लोग भी मौके पर आ गए। किरन के आत्महत्या से परिवार में कोहराम मच गया।

अली असगर की शहादत को किया याद

जौनपुर। नगर के बलुआ घाट मोहल्ला स्थित मकबूल मंजिल में गुरुवार की रात अंजुमन हुसैनियां की शब्बेदारी का दौर शुरू हुआ जो शुक्रवार की सुबह खत्म हुआ। इसमें मशहूर 5 अंजुमनों के अलावा शहर की प्रमुख अंजुमनों ने पूरी रात कर्बला के सबसे कमसिन शहीद जनाबे अली असगर की याद में अपने दर्द भरे नौहे पेश किया। अलविदाई मजलिस के बाद गहवारे अली असगर और अलम, ताबूत निकाला गया जिसकी जियारत के लिए हजारों लोग मौजूद रहे। शब्बेदारी का आगाज तिलावते कलाम-ए-पाक से सै. अली हसनैन श्यान ने किया।

निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विद्यालयों का निरीक्षण करें

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी ने परिषदीय विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तकरण की स्थिति का बिन्दुवार जायजा लिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिला एवं विकास खण्ड स्तरीय जो टास्कफोर्स का बैठक किया गया है, वह निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विद्यालयों का निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के उन विद्यालयों को चिन्हित करें जिसमें बच्चों/शिक्षक के आवागमन हेतु रास्ता सुचारू ढंग से नहीं है उसकी सूची उपलब्ध करायें जिससे कि उन विद्यालयों में पंहुचने हेतु सुव्यवस्थितढंग से रास्ते का निर्माण कराया जा सकें। बैठक के दौरान विद्यालयों के छात्रों के डिजिटल उपस्थिति की समीक्षा की गयी, समीक्षा में घोरावल व दुद्धी में उपस्थिति का प्रतिशत कम पाये जाने पर जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी दूद्धी व घोरावल को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में विद्यालयों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये प्रारम्भ में दो सौ विद्यालयों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाये जाये उसके पश्चात अन्य विद्यालयों में भी सी0सी0टी0वी0 कैमरे सुरक्षा की दृष्टि से लगाये जाये। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तुरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के पठन-पाठन एवं खान-पान आदि व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली और निर्देशित किया कि कस्तुरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं निर्धारित समय पर उपलब्ध करायी जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत सप्ताह में एक दिन साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये और विद्यालयों में बच्चों के पठन पाठन हेतु टाइम टेबल निर्धारित करते हुए विभिन्न कक्षों में लगाया जाये। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकूल आनन्द पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरियां, डीसीएनआरएलएम सरिता सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह संबंधितगण उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम ने किया पौधरोपण

सोनभद्र। सरदार भगत सिंह की अमर स्मृति में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी उद्यान में पर्यावरण बैंक द्वारा संचालित पेड़ से ही प्राण है पेड़ लगाए, पेड़ बचाए- अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चर्चित गोंड जिलाधिकारी ने पीपल व बरगद का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने पेड़ बचाने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्षों रक्षति रक्षितः यदि हम वृक्ष की रक्षा करेंगे तो वृक्ष हमारी इच्छा करेंगे।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण को अपना नैतिक दायित्व समझना चाहिए। दिनांक 1 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक लगातार 14 दिन मातृभूमि पर सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों व महापुरुषों की अमर स्मृति में जनपद सोनभद्र में 11000 पौधारोपण किये जाएंगे। इस अवसर पर अभिषेक मिश्रा, कान्ती सिंह, राजाराम दूबे उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी पशु तस्कर गोली लगने से घायल

आजमगढ़। अतरौलिया थाना क्षेत्र के सुखीपुर गांव के गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर शुक्रवार की भोर में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से 25 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर घायल हो गया। जबकि उसके दो अन्य साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। घायल पशु तस्कर जहानागंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ 10 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायल पशु तस्कर के पास से तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद किया। अतरौलिया थानाध्यक्ष देवेन्द्रनाथ दूबे, सब इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार एवं विश्राम गुप्ता शुक्रवार को भोर में करीब सवा बजे मुखबिर की सूचना पर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के सुखीपुर गांव के समीप सर्विस रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान अंबेडकर नगर जिले के कटका की ओर से सर्विस रोड से होते हुए गदनपुर की ओर आ रहे एक बाइक पर सवार तीन पशु तस्करों को आते देख पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। पुलिस से अपने को घिरा देख तीनों पशु तस्कर पुलिस पर फायर कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से संतोष यादव पुत्र निरंजन यादव ग्राम समसतीपुर थाना जहानागंज निवासी घायल हो गया। जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घायल पशु तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से तमंचा, कारतूस, बाइक बरामद किया। अतरौलिया थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़ा गया पशु तस्कर जहानागंज थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, गोवध, गैंगस्टर, शस्त्र अधिनियम समेत कुल 10 मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने पूर्व में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। घायल पशु तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्राम प्रधान पर मजदूर की हत्या का आरोप

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम-मजडीहा के एक गरीब मजदूर पत्नी ने अपने पति की हत्या किये जाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगाया है। उसका कहना है कि प्रधान ने मेरे पति को बुरी तरह से पीटा और गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां तीन दिन बाद उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने प्रधान के खिलाफ कार्यवाही नहीं किया और पोस्ट मार्टम के बाद लाष दफनवा दिया। मांग किया कि लाष का निकलवा कर फिर से डाक्टरों की संयुक्त टीम से जांच करायी जाय। उक्त गांव की गुलावती पत्नी चन्दन राजभर का पति मजदूरी करके अपने परिवार का किसी तरह भरण-पोषण करता है। वह ग्राम प्रधान मो० साजिद उर्फ चुन्नू के यहाँ मुर्गी फारम की देख-रेख करती थी। बीते 16 जुलाई को रात्रि को ग्रामप्रधान द्वारा तीन दिन तक अपने यहां रोक लिया गया जिसकी जानकारी हम प्रार्थिनी के पति को होने पर ग्राम प्रधान के घर जाकर पूछने पर पति चन्दन राजभर को ग्राम प्रधान मो० साजिद उर्फ चुन्नू मन्नान पुत्र सुलेमान व सहजाद पुत्र इसरार और उनके साथियों ने मिलकर बुरी तरह से मारे-पीटे जिससे प्रार्थिनी के पति को बहुत गम्भीर चोट आयी। मैं अपने पति को लेकर शाहगंज अस्पताल ले गई मेरे पति की चोटो की गम्भीरता को देखते हुए वहां के डाक्टर से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया वहाँ पर एडमिट होने के एक दिन बाद ही मेरे पति की मृत्यु हो गयी मेरे पति की मृत्यु का कारण ग्राम प्रधान व उनके साथियों द्वारा मारने व पीटने से हुई है। मेने घटना की सूचना थाना शाहगंज पर दी थी परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। ग्राम प्रधान पुलिस की मिली भगत से मेरे पति को मनमाना तरीके से पोस्टमार्टम कराया प्रार्थना है कि हमारे पति की फिर से पोस्टमार्टम कराने की कृपा करें।

कैफी आजमी स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

आजमगढ़। 70वीं माध्यमिक तहसील स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में कैफी आजमी स्पोर्ट्स अकादमी मेजवां के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 23 पदक अपने नाम किए। इनमें 13 स्वर्ण, आठ रजत एवं 2 कांस्य पदक शामिल हैं। अकादमी के इस उपलब्धि के आधार पर 12 खिलाड़ियों का चयन जनपद स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिसका आयोजन तीन अगस्त को सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, आजमगढ़ में होगा। इस सफलता का श्रेय बैडमिंटन कोच नीरज गौड़ के समर्पित प्रशिक्षण अनुशासित मार्गदर्शन एवं खिलाडियों की निरंतर मेहनत को जाता है। प्रतियोगिता के दौरान फूलपुर तहसील क्रीड़ा प्रभारी मनोज पाल, हरेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार शर्मा, लालधारी यादव, दीपक यादव तथा सीनियर मैनेजर सलीम खान, संयोगिता प्रजापति, मनोज कुमार प्रजापति, पंकज चौबे, दशरथ यादव आदि शामिल रहे।

राजस्व कर्मचारी अशोक गुप्ता को दी भावभीनी विदाई

दुद्धी (सोनभद्र)। स्थानीय तहसील परिसर स्थित सभागार में शुक्रवार को एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें दुद्धी तहसील में लंबे समय से तैनात राजस्व कर्मचारी अशोक गुप्ता के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान सहकर्मियों और स्थानीय नागरिकों की आंखें नम हो गईं।

राजस्व कर्मचारी अशोक गुप्ता की तहसील परिसर में एक अलग और अनूठी पहचान रही है। वे हर नए साल के अवसर पर लोगों को गुलाब का फूल भेंट करते थे और मिठाई खिलाकर नए वर्ष की शुभकामनाएं देते थे। अपनी इसी परंपरा को जीवंत रखते हुए उन्होंने आज अपनी सेवानिवृत्ति के विशेष दिन पर भी तहसील के सभी राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ता गणों को गुलाब का फूल भेंट किया। उनके इस सहृदय व्यवहार ने विदाई समारोह को और भी यादगार बना दिया।

समारोह में उपस्थित राजस्व अधिकारियों, अधिवक्ताओं और क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों ने अशोक गुप्ता को फूल-मालाएं पहनाईं। उन्हें अंगवस्त्र और सुंदर पुष्पगुच्छ (बुके) भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। जनता की समस्याओं को सुलझाने में उनका रवैया हमेशा सहयोगात्मक रहा। इस विदाई वेला पर उपस्थित सभी लोगों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सुखद सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मानकों के अनुरूप मिले बंदियों को सुविधाएं

जौनपुर। जनपद की कारागार व्यवस्था का निरीक्षण के उद्देश्य से शुक्रवार को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने जिला कारागार का मासिक औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों, भोजनालय, चिकित्सालय, साफ-सफाई तथा पेयजल व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कारागार प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सुरक्षा कर्मियों को नियमित जांच, सतर्क निगरानी और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कारागार में सुरक्षा के साथ-साथ मानवीय सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक नग/ध्अपराध गोल्डी गुप्ता, कारागार प्रशासन के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ससुराल में अधेड़ की संदिग्ध हालत में मौत

जौनपुर। गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरे गांव निवासी 50 वर्षीय उपेंद्र पाठक पुत्र शिवनाथ पाठक की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उपेंद्र पाठक गुरुवार शाम करीब 6 बजे अपनी पत्नी सुप्रिया और छोटे बेटे के साथ बाइक से आजमगढ़ जनपद के एकौना थाना क्षेत्र के सनुवाडीह स्थित अपनी ससुराल गए थे। देर रात करीब 10 बजे उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए आरोप लगाया है कि उपेंद्र पाठक की हत्या करने के बाद शव को चादर के सहारे पंखे से लटका दिया गया, ताकि घटना आत्महत्या प्रतीत हो। घटना की सूचना मिलते ही आजमगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रैक्टर से दबकर महिला की मौत

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के शुक्रवार की दोपहर शंकरमंडी चुंगी से दहीदपुर नाला मार्ग के बीच हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन तेज रफ्तार मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें महिला की मौके पर मौत हो गई पुत्र बाल बाल बच गए सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर का घेराव कर लिए चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मिट्टी लदा ट्रैक्टर थाने ले गई। जमालपुर गांव निवासी यादवेंद्र मौर्या की पत्नी राजदेई 65 वर्ष अपने बेटे ज्ञान सिंह के साथ घर से जौनपुर दवा लेने जा रही थी कि शकरमंडी चुंगी दहीदपुर नाला मार्ग हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन अवैध खनन मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिसमें मां राजदेई ट्रैक्टर की टायर से दबकर मौके पर मौत हो गई।

नेतृत्व अलंकरण समारोह ने मोहा सभी का मन

मीरजापुर। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, अपितु उत्तरदायित्व, अनुशासन, नेतृत्व एवं नैतिक मूल्यों के विकास का सशक्त आधार है। इसी पावन उद्देश्य को साकार करने के क्रम में शुक्रवार को सेमफोर्ड स्कूल, बसही में शैक्षणिक सत्र 2026/27 के लिए नेतृत्व अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय का संपूर्ण प्रांगण उत्साह, उल्लास एवं गौरवपूर्ण वातावरण से अनुप्राणित दिखाई दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के विद्यालय आगमन पर प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह, कॉर्डिनेटर्स एवं विद्यालय के स्काउट बैंड द्वारा भव्य स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन एवं मुख्य अतिथि के सम्मान समारोह ने ज्ञान, संस्कृति एवं भारतीय परंपरा के प्रति विद्यालय की आस्था को अभिव्यक्त किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी गणेश वंदना ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक गरिमा से आलोकित कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने अपने स्वागत सम्बोधन में मुख्य अतिथि विवेक बरनवाल एवं शिप्रा बरनवाल विशिष्ट अतिथियों और उपस्थित जनसमुदाय का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे उत्तरदायी, संवेदनशील एवं आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है जो समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए विद्यालय के अनुशासन, मयार्दा एवं उत्कृष्ट परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएं।

पेयजल आपूर्ति में विद्युत समस्या का तत्काल करें समाधानः चर्चित

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में सोन पंप कैनाल के माध्यम से निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सोन पंप कैनाल में विद्युत आपूर्ति एवं वोल्टेज से संबंधित समस्याओं के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वोल्टेज संबंधी सभी तकनीकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पंपों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और आमजन को समय पर पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। निर्देश दिए कि जनपद में पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा व्यवधान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी तकनीकी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान कराया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों का संचालन निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से कराया जाए, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों। उन्होंने विद्युत एवं सिंचाई विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के समस्त अधिशासी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा जिलाध्यक्ष के बिगड़े बोल ने बढ़ायी मुश्किलें, एफआईआर दर्ज करने की मांग

मीरजापुर। जिले में इन दिनों बढ़ी राजनैतिक सरगर्मियों के बीच समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष के एक बयान ने हलचल मचाने के साथ पार्टी की भी मुश्किलें बढ़ा दी है। जिससे व्यापारी वर्ग खासा नाराज हो उठा है।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रहरि के नेतृत्व में व्यापार मंडल की ओर से शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक मिजार्पुर को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर समाजवादी पार्टी मिजार्पुर के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के कथित सार्वजनिक बयान की जांच कराए जाने तथा आवश्यक होने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक रूप से प्रसारित एक कथित बयान में व्यापारियों की दुकानों को लूट लिए जाने जैसी बात कही गई है। व्यापार मंडल का कहना है कि यदि जांच में यह बयान सही पाया जाता है, तो इससे व्यापारियों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न हो सकता है तथा कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि जांच में प्रथम दृष्टया कोई दंडनीय अपराध बनता है, तो भारतीय न्याय संहिता (बीएनेस) एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाए।

प्रार्थना पत्र में यह भी मांग की गई है कि मामले से संबंधित वीडियो, ऑडियो, सोशल मीडिया पोस्ट एवं अन्य उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए उनकी विधिवत जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना अथवा कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। व्यापार मंडल ने कहा कि व्यापारी वर्ग समाज और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है तथा सार्वजनिक जीवन से जुड़े जिम्मेदार व्यक्तियों के बयानों में संयम एवं मयार्दा बनाए रखना आवश्यक है। पत्रक सौंपने वालों में जिला उपाध्यक्ष राहुल बरनवाल, ज्ञान चंद गुप्ता, अनुज उमर, योगेश तिवारी, विक्रम सिंह, राजकुमार, हिमांशु अग्रहरि, कुशाग्र गुप्ता, महेश केशरी, प्रशांत गुप्ता आदि उपस्थित रहे। दरअसल, पूरा मामला पिछले दिनों बीजेपी समर्थित सभासदों द्वारा नगर के संकट मोचन मंदिर के समीप विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल से जुड़ा हुआ है।

जमीन के नाम पर 14.50 लाख की ठगी

मड़िहान, मीरजापुर। जमीन दिलाने के नाम पर 14 लाख 50 हजार रुपये लेकर स्टाम्प पेपर थमाने और 3 साल से रजिस्ट्री के नाम पर दौड़ाने के आरोप में मड़िहान थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई न्यायालय अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट मिजार्पुर के आदेश पर हुई।

थाना क्षेत्र के महुआरी गांव निवासी श्यामसुन्दर मौर्य ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि शोभी गांव निवासी ससुर लालदास ने उन्हें बताया था कि गांव के ही रामपाल सिंह के नाम 2 बीघा 13 विस्वा जमीन है। जो वे बेचना चाहते है, उन्हें पैसे की सख्त जरूरत है। दाम 6 लाख रुपये प्रति बीघा तय हुआ। रिश्तेदारी और जान-पहचान के चलते श्यामसुन्दर विश्वास में आ गए। तहरीर के अनुसार श्यामसुन्दर ने अलग-अलग तारीखों पर मीरा सिंह के खाते में 4,20,000 रुपये और धीरज सिंह के खाते में 5,30,000 रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद भी रजिस्ट्री न होने पर जब पीड़ित ने सवाल किया तो आरोपी दादा के बीमार होने का हवाला देकर टालमटोल करने लगे। 5 मई 22 को तीनों ने मिलकर 100 रुपये के स्टाम्प पर फर्जी पंचनामा बनाकर पीड़ित को थमा दिया और कहा कि जल्दी रजिस्ट्री करा देंगे, अभी दादा का इलाज कराना है। कहकर 5,00,000 रुपये नकद और ले लिए। इस तरह कुल 14,50,000 रुपये वसूल लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने कई बार जमीन की रजिस्ट्री या पैसा वापस मांगा तो तीनों ने मिलकर उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। श्यामसुन्दर ने बताया कि वह अपने ससुर और गांव के लोगों को लेकर कई बार पंचायत भी कर चुके हैं, लेकिन आरोपी मानने को तैयार नहीं हुए। उसने मामले की शिकायत कई बार उच्चाधिकारियों को लिखित में दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर उसने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मड़िहान थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई के आदेश दिए। आदेश होते ही मड़िहान पुलिस ने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात कर ठगी, आपराधिक विश्वासघात, जानबूझकर अपमान और आपराधिक धमकी में केस दर्ज किया है। जिसमे तीन आरोपियों में राजकुमार दीक्षित, धीरज सिंह, मीरा सिंह पत्नी धीरज सिंह है। थाना प्रभारी रवीन्द्र भूषण मौर्य ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित के द्वारा दिए गए साक्ष्य और बैंक लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लोन देने के नाम पर महिलाओं से लाखों की ठगी

मीरजापुर। जिले में लोन दिलाने के नाम पर कंपनी बनाकर महिलाओं से लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है।

शुक्रवार को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कुमार पांडे के नेतृत्व में ठगी की शिकार महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करके जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने तत्काल प्रकरण का संज्ञान लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक सिटी को जांच कर ठगी एवं फजीर्वाडा करने वाले समाधान माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एफाईआर का आदेश दिया। समाधान माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड एवं उनके गैंग के द्वारा महिलाओं को ?60000 का लोन देने के नाम पर लगभग 40 महिलाओं से साथ ?5000 लेने और ठगी करने के प्रकरण को लेकर महिलाओं द्वारा आम आदमी पार्टी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को फ्रॉड करने वाले कंपनी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने एवं गरीब महिलाओं का पैसा वापस दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा तत्काल महिलाओं की प्रार्थना पत्र पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक सिटी नितेश सिंह को फाइनेंस कंपनी की जांच कर कर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया गया। जिस पर अपर पुलिस अधीक्षक सिटी द्वारा पुलिस क्षेत्राधिकार सदर को जांच कर विधिक कार्रवाई करने का आदेश जारी किया गया। इस दौरान आप नेता ने कहा ने कि मिजार्पुर जनपद में माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस कंपनियों के आड़ में महिलाओं से धनउगाही और उनको लूटने का कार्य किया जा रहा है समाधान माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगभग सैकड़ों महिलाओं से ?5000 नगद एवं ऑनलाइन लेकर लगभग 7 लाख रुपए की ठगी की गई है। कंपनी द्वारा फजीर्वाड़ा करके अपना कार्यालय बंद करके कंपनी गायब हो गई। इस तरीके से मिजार्पुर जनपद में एक रैकेट सक्रिय है जिसे तत्काल पुलिस प्रशासन को खोज कर गरीब महिलाओं से ठगी करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने की कार्रवाई करनी चाहिए।

मिजार्पुर में गरीब महिलाओं को लोन के नाम पर ठगी करने वाले क्रेडिट कंपनियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी गरीब महिलाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को शीघ्र ही जांच करके गरीब महिलाओं का पैसा वापस करने का कार्य करना चाहिए। इस दौरान सरोज गोस्वामी, मीरा देवी, दिव्या गिरी, सीमा देवी, निर्मला, शकील, निशा गिरी, तारामती, प्रमिला, अमीना, विद्या, उर्मिला, ममता, मदीना, संगीता, पूजा, निशा, संतोष, सीताराम, राधेश्याम इत्यादि महिलाएं सम्मिलित रही।

संक्षेप

भाजपा नेता के 86 वर्षीय भाई का निधन

मथुरा। बलदेव क्षेत्र के समिपवर्ती ऊंचागांव निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधान चैधरी सत्यप्रिय आर्य के बड़े भाई, सेवानिवृत्त उप निरीक्षक और प्रसिद्ध पहलवान लखम सिंह आर्य का शुक्रवार सुबह 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे स्वर्गीय लखम सिंह ने पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने के साथ-साथ पहलवानी में प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर 17 पदक जीतकर और क्षेत्रीय दंगलों में बड़े-बड़े पहलवानों को परास्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया था। पुलिस सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद वह पूरी तरह समाज सेवा में संलग्न हो गए थे और आर्य समाज ऊंचागांव के प्रधान के रूप में उन्होंने अनेक समाज सुधार के कार्य किए थे। शुक्रवार सुबह उनके निधन की सूचना मिलते ही ऊंचागांव में शोक की लहर दौड़ गई, और बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने उनके पैतृक गांव पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल का मथुरा भ्रमण कार्यक्रम अंतिम समय हुआ निरस्त

मथुरा। प्रदेश की राज्यपाल का प्रस्तावित मथुरा भ्रमण कार्यक्रम अंतिम समय में निरस्त हो गया। कार्यक्रम रद्द होने की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस तो ली, लेकिन कई दिनों से चल रहीं तैयारियां अधूरी रह गईं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आगमन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारी पिछले कई दिनों से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे थे। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कार्यक्रम स्थलों की साफ-सफाई, निरीक्षण और अन्य व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही थी। अधिकारियों ने कई बार कार्यक्रम स्थलों का दौरा कर तैयारियों का जायजा भी लिया था। विज्ञापन राज्यपाल के दौरे को लेकर प्रशासनिक अमले में विशेष सक्रियता देखने को मिल रही थी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं और संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा भी प्रस्तावित थी। हालांकि, अब कार्यक्रम निरस्त होने के बाद सभी तैयारियां फिलहाल स्थगित कर दी गई हैं। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि राज्यपाल के दौरे की नई तिथि फिलहाल निर्धारित नहीं की गई है।

बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 18वीं बैठक संपन्न

मथुरा। वृन्दावन के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन के सभागार में ठाकुर श्री बांके बिहारी जी मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 18वीं बैठक आयोजित की गई। यह बैठक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मथुरा से अशोक कुमार (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, अध्यक्ष), मुकेश मिश्रा (सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सदस्य), विकास कुमार (जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मथुरा, सदस्य) प्रत्यूष आनन्द मिश्रा (मुंसिफ / सिविल जज, मथुरा, सदस्य) चन्द्र प्रकाश सिंह (जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर / सदस्य सचिव) श्लोक कुमार (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सदस्य) ओजस्वी राज (नगर आयुक्त, सदस्य) लक्ष्मी एन. (उपाध्यक्ष, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, सदस्य) डॉ. स्मिता एस. कुमार (अधीक्षण पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा, सदस्य) राजभोग समूह की शैलेन्द्र गोस्वामी एवं रजत गोस्वामी शयनभोग समूह में गोपेश गोस्वामी एवं हिमांशु गोस्वामी को बनाया गया है।

1 लाख 71 हजार पार्थिव शिवलिंग का पंचामृत से हुआ अभिषेक

प्रेम, करुणा, क्षमा व आत्मकल्याण का मार्ग दिखाते शिवः देवकीनंदन महाराज

- सनातनी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत

मथुरा। वृन्दावन ठा. श्री प्रियाकान्तजु मंदिर पर पार्थिव शिवलिंग महोत्सव के दूसरे दिन शिवभक्तों ने 1 लाख 71 हजार पार्थिव शिवलिंग बनाये। वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भगवान शिव का दिव्य रुद्राभिषेक एवं पार्थिव शिवलिंगों का विधिवत विसर्जन संपन्न हुआ। देवकीनंदन महाराज ने महाशिवपुराण कथा श्रवण कराते हुये शिव महिमा का वर्णन किया।

शुक्रवार को प्रियाकान्तजु मंदिर पर शिव कथा सुनाते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि भगवान शिव के नाम पर जो लोग नशे का समर्थन करते हैं, वह सही नहीं है। भोलेनाथ ने समुद्र मंथन से निकले विष से चराचर जगत को बचाने के लिये उसका सेवन किया था। संसार में जो त्याज्य है, वह विषरूपी पदार्थ शिव ने ग्रहण किये। नीलकंठ महादेव भक्तों को सुख-शांति प्रदान करते हैं तो दुष्टों का संहार भी करते हैं। भगवान शिव संपूर्ण मानवता को प्रेम, करुणा, क्षमा और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाते हैं। सनातनियों को एकजुट रहने की सीख देते हुये उन्होने कहा कि सनातनी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत है। इसलिए सभी सनातनियों को आपसी मतभेद, जाति, भाषा, क्षेत्र और छोटे-छोटे विवादों से ऊपर उठकर एकजुट रहने का प्रयास करना चाहिए। कहा कि जब समाज संगठित रहता है, तभी वह अपने धर्म, संस्कृति और मूल्यों की प्रभावी रूप से रक्षा और संवर्धन कर सकता है। इससे पूर्व मुख्य यजमान सूरज देवी, सोनी मलिक, कायरा, डा0 अनुराग शर्मा, कुमुदनी-सुधीर कुमार वर्मा ने व्यासपीठ पूजन कर आरती उतारी। मंदिर प्रबंधक रवि रावत, गिरीश चन्द्र जयसवाल, गजेन्द्र सिंह, राजेन्द्र शर्मा, रविन्द्र शाह आदि उपस्थित रहे। राज्यपाल का दौरा स्थगित - मंदिर सचिव विजय शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य कारणों से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का शनिवार को आगमन स्थगित हो गया है।

टीटीजेड में निवेशकों की बढ़ी चिंता, विशेषज्ञों की मंजूरी के बिना आगे नहीं बढ़ेंगे प्रस्ताव

आगरा। ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना और मौजूदा उद्योगों के विस्तार को लेकर सुप्रीम कोर्ट के 23 जुलाई 2026 के आदेश का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। गुरुवार को मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कोर्ट के निर्देशों को लागू करने के लिए नई प्रक्रिया तय की गई। अधिकारियों का मानना है कि इससे पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी, लेकिन उद्योगों और विकास परियोजनाओं की मंजूरी में पहले की तुलना में अधिक समय लग सकता है। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल, आगरा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एम. अरून्मौली, उपायुक्त उद्योग शैलेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब उद्योगों से जुड़े प्रत्येक आवेदन की जांच तीन सदस्यीय समिति करेगी। इस समिति में संबंधित एसडीएम, उपायुक्त उद्योग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शामिल होंगे। समिति उद्योग इकाई का पूरा विवरण, भूमि उपयोग (छंल्ल्ला वि्री), उद्योग की श्रेणी, वायु प्रदूषण स्कोर, पर्यावरणीय प्रभाव, अनापत्ति प्रमाण पत्र (ठडउ) और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेजों की विस्तार से जांच करेगी। दस्तावेजों के साथ-साथ मौके पर भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था के तहत टीटीजेड प्राधिकृत समिति की बैठक अब तभी होगी जब उसमें नीरी (ठएएफक) और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (उएउ) के विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। यदि किसी एक विशेषज्ञ ने भी किसी प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कर दी, तो उस मामले को अंतिम निर्णय के लिए फिर से सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भेजा जाएगा। इस व्यवस्था से उद्योगों की मंजूरी की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक विस्तृत और समय लेने वाली हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार जिन उद्योगों या परियोजनाओं को मंजूरी दी जाएगी, उनकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। यदि सार्वजनिक सूचना के बाद किसी व्यक्ति या संस्था की ओर से आपत्ति दर्ज कराई जाती है, तो मंजूरी मिलने के बाद भी परियोजना पर रोक लग सकती है। इससे निवेशकों और उद्यमियों के लिए अनिश्चितता की स्थिति बनी रह सकती है। वर्तमान में टीटीजेड क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना और विस्तार से जुड़े लगभग 410 आवेदन लंबित हैं। नई प्रक्रिया लागू होने के बाद इन सभी मामलों की दोबारा विस्तृत जांच होने की संभावना है, जिससे इनके निस्तारण में देरी हो सकती है।

एबीवीपी ने सदस्यता अभियान चलाकर छात्रों को दी सदस्यता

टूंडला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद टूंडला इकाई के द्वारा शुक्रवार को नगर के टूंडला पब्लिक स्कूल में सदस्यता अभियान चलाकर छात्रों को सदस्यता दी गई। परिषद के कार्यकर्ता रवि सक्सेना द्वारा छात्रों और शिक्षकों को एबीवीपी के बारे में बताया गया और परिषद से जुड़ने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्रों ने सदस्यता ग्रहण की और परिषद से जुड़कर हर्ष व्यक्त किया। नगर अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, और यह प्रतिवर्ष छात्रों की सदस्यता करता है जो कि एक वर्ष के लिए होती है। इसी श्रृंखला में पूरे भारतवर्ष में एबीवीपी कार्यकर्ता स्कूल कॉलेजों, कोचिंगों में जा जा कर सदस्यता करते हैं और इच्छुक छात्रों को परिषद से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे रवि सक्सेना ने कहा कि एबीवीपी छात्र संगठनों में एक अलग पहचान रखती है। ये विश्व का सबसे बड़ा एक मात्र ऐसा छात्र संगठन है जो कि वर्ष पर्यन्त छात्रों के बीच में रहकर कार्य करता है। यह छात्र समस्याओं के ज्वलंत मुद्दों को उठाकर छात्र हित व राष्ट्र हित में कार्य करने वाला संगठन है। डॉ.जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कोई भी संगठन बिना कार्यकताओं , सदस्यों के अस्तित्व में नहीं रह सकता। विद्यार्थी परिषद की ताकत उसके अपने सदस्य, कार्यकर्ता हैं। प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में नए नए छात्र जुड़कर इस संगठन को मजबूती देते आ रहे हैं।

490 ग्राम अवैध गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जसराना पुलिस ने 490 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। थाना जसराना पुलिस शांति व्यवस्था एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने रामा तिराहा बाईपास रोड के पास से भानू प्रताप पुत्र अजय प्रताप निवासी ग्राम झपारा थाना जसराना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 490 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना जसराना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चोरी तथा अन्य मामलों सहित कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर एसएसपी ने टूंडला में किया मार्गों का निरीक्षण

टूंडला। कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से एसएसपी फिरोजाबाद ने थाना टूंडला एवं थाना नगला सिंघी क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने कांवड़ मार्ग पर ट्रैफिक एवं डायवर्जन व्यवस्था, स्थायी पुलिस चौकियों पुलिस बल की तैनाती, क्यूआरटी, एम्बुलेंस तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की तैयारियों की समीक्षा की। जहां भी व्यवस्थाओं में कोई कमी पाई गई, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए गए। एसएसपी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मार्ग से जुड़े ग्राम प्रधानों, पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। सभी संबंधित विभागों के साथ नियमित बैठकें आयोजित कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं : उदय प्रताप

टूंडला। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी भंवर सिंह एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि लोकेंद्र सिंह पोनियां के साथ राधिका विहार कॉलोनी स्थित गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। इसके बाद सभी ने विधि-विधान से गो-पूजन कर गौ माता को गुड़ एवं हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सनातन धर्म में गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। गौ सेवा करने से सभी देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, क्योंकि गौ माता में समस्त देवी-देवताओं का वास माना गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण और किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। इनमें नंद बाबा दुग्ध योजना, नगद पुरस्कार प्रोत्साहन योजना तथा किसानों को प्रति गाय 1500 रुपये की सहायता जैसी योजनाएं शामिल हैं, जिनके तहत एक किसान चार गायों तक का लाभ प्राप्त कर सकता है। पूर्व सांसद प्रतिनिधि लोकेंद्र सिंह पोनियां ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष महत्व है। प्राचीन काल से ही हवन से पूर्व गोबर से हवन कुंड का शुद्धिकरण किया जाता है तथा गोबर के उपलों और हवन सामग्री से वातावरण को शुद्ध करने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को आत्मनिर्भर बनाना है तो गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना होगा तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना होगा। इस अवसर पर दिनेश गुप्ता, जितेंद्र पचौरी, दिनेश बैनीवाल, सचिन जैन, दीपक ठैनुआ, अंकित शर्मा, हनी जादौन, सोनू कश्यप, भाजपा एवं अंतर्राष्ट्रीय गौ माता संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए तीन दिवसीय स्टेट हेल्थ कार्ड शिविर आयोजित

फिरोजाबाद। जनपद के राजकीय कर्मचारियों, सेवानिवृत्त पेंशनरों एवं उनके आश्रितों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत विकास भवन परिसर में तीन दिवसीय स्टेट हेल्थ कार्ड शिविर का शुभारंभ किया गया। जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से आयोजित यह विशेष शिविर 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक संचालित होगा। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों एवं पेंशनरों के स्टेट हेल्थ कार्ड शीघ्रता से बनवाना तथा कार्ड से संबंधित तकनीकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी इस अवसर का लाभ उठाकर अपना और अपने आश्रितों का हेल्थ कार्ड बनवाएं। योजना के तहत राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनरों को प्रदेश के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में प्रतिवर्ष 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा कर्मचारी के आश्रित परिवारजनों को भी योजना का लाभ मिलता है। शिविर में हेल्थ कार्ड बनवाने या अपडेट कराने के लिए सेवारत कर्मचारी मानव संपदा आईडी, सेवानिवृत्त पेंशनर पीपीओ नंबर, कर्मचारी एवं आश्रितों के आधार कार्ड मोबाइल नंबर से लिंक पासपोर्ट आकार का फोटो तथा सक्रिय मोबाइल नंबर साथ लेकर आएं। स्वास्थ्य विभाग एवं विकास भवन प्रशासन ने सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पेंशनरों से अपील की है कि वे 2 अगस्त तक आयोजित इस विशेष शिविर में समय से पहुंचकर अपना स्टेट हेल्थ कार्ड बनवाएं और योजना का लाभ प्राप्त करें।

मुसलमान न बाहरी है, न पराया, वह भी उतना ही हिंदुस्तानी जितना हिंदू

मथुरा(मधुसूदन शर्मा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार ने मथुरा-वृंदावन में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान देश में सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और राजनीतिक मुद्दों पर एक बड़ा बयान दिया है। डॉ. इंद्रेश कुमार ने स्पष्ट किया कि भारतीय मुसलमान न तो विदेशी है और न ही पराया। वह देश का उतना ही अहम नागरिक है, जितना कोई अन्य हिंदुस्तानी। लाखों मुसलमानों के साथ अपने सीधे संवाद का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपने मत और पंथ का पालन करने के साथ-साथ दूसरों के विचारों का भी सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने अपील की कि लोग त्योहारों पर एक-दूसरे की मदद करें और मिल-जुलकर उत्सव मनाएं। इससे समाज में आपसी सद्भाव तो बढ़ेगा ही, साथ ही व्यापार और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के विरोध पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के विरोध के बावजूद आज देश के लाखों-लाख मुसलमान श्वंदे मातरमश गाते हैं। वंदे मातरम का गान किसी भी तरह की कटुता नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति वंदना और अभिनंदन है। नेशन फर्स्ट, नेशन लास्ट, नेशन ऑलवेज ही भारतीय मुसलमानों की सच्ची प्रतिबद्धता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दलों की कार्यशैली पर कड़ा हमला बोलते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि देश की तरक्की के लिए सकारात्मक राजनीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को नफरत फैलाने वाली राजनीति से बचना चाहिए तथा प्यार और भाईचारे की भाषा अपनानी चाहिए।

राम मंदिर और अन्य व्यवस्थागत विषयों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार और संबंधित संस्थान उचित कदम उठा रहे हैं। सनातन धर्म हमेशा सुधार, परिष्कार और न्याय का पक्षधर रहा है।

टूंडला की वायरल वीडियो पर फूड कमिश्नर का संज्ञान फिरोजाबाद समेत चार जिलों में आटा मिलों की जांच तेज

- पांच आटा मिलों से आटे के नमूने लिए गए, खाद्य सुरक्षा मानकों में मिलीं अनियमितताएं

फिरोजाबाद। टूंडला क्षेत्र से सोशल मीडिया पर वायरल हुई आटा मिल में कथित मिलावट की वीडियो का उप्र की खाद्य आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। इसके बाद फिरोजाबाद के साथ-साथ आगरा, अलीगढ़ और हाथरस जनपदों में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य आयुक्त के निर्देश पर प्रवर्तन दल गठित कर सभी आटा मिलों का सघन निरीक्षण कराया जा रहा है। डीएम के निर्देशों के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को जनपद में विशेष अभियान चलाकर पांच आटा मिलों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जेपी फूड सिरसागंज, ओ.पी फ्लोर मिल शिकोहाबाद, दुर्गा फ्लोर मिल शिकोहाबाद, आईपीएसट्रेडिंग कंपनी सिरसागंज तथा शानवी एंटरप्राइजेज सांती से आटे के नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए। निरीक्षण के दौरान अधिकांश प्रतिष्ठानों में स्टॉक रजिस्टर का समुचित संधारण नहीं मिला। इसके अलावा खाद्य पदार्थों के भंडारण, रख-रखाव तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों से संबंधित कई कमियां भी सामने आईं। विभाग ने संबंधित खाद्य कारोबारियों को सुधार सूचना इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी करते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

सहायक आयुक्त खाद्य चंदन पाण्डेय ने बताया कि वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए जनपद की सभी आटा मिलों का चरणबद्ध निरीक्षण किया जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर उत्पादन पर रोक, लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण जैसी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने जनपद के सभी खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की अपील की। साथ ही आमजन से भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतें विभाग को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, ताकि समयबद्ध जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बरेली में मृत घोषित महिला आगरा में 17 घंटे बाद जिंदा हुई

आगरा। आगरा में गुरुवार को एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने न केवल एक परिवार बल्कि पूरे इलाके को हैरान कर दिया। जिस 65 वर्षीय महिला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था और जिसके अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं, वही महिला करीब 17 घंटे बाद अचानक जीवित हो गईं। सबसे पहले उन्होंने अपने दामाद का हाथ पकड़कर कहा–₹मुझे कहां ले जा रहे हो? मैं जिंदा हूं, मरी नहीं हूं।₹ यह सुनते ही घर में मातम का माहौल कुछ ही सेकंड में हैरानी और उम्मीद में बदल गया। रो रहे परिजन खुशी और अविश्वास के बीच उन्हें तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र की श्रीनगर कॉलोनी निवासी शीला देवी (65) लंबे समय से लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। करीब 20 दिन पहले वह अपने बेटे संजीव माहौर, जो बदायूं के एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं, के पास इलाज के लिए गई थीं। हालत बिगड़ने पर उन्हें सोमवार को बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को तबीयत और ज्यादा खराब होने पर डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा। बुधवार तड़के करीब तीन बजे अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत घोषित किए जाने के बाद बेटा एंबुलेंस से शाम करीब सात बजे मां का शव लेकर आगरा स्थित घर पहुंचा। शव को घर के एक कमरे में जमीन पर रखा गया। परिवार के लोग अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुट गए। फूल-मालाएं, कफन और अन्य आवश्यक सामग्री भी मंगवा ली गई थी। रिश्तेदार और पड़ोसी अंतिम दर्शन के लिए लगातार पहुंच रहे थे। घर में हर ओर मातम पसरा हुआ था। कोई शीला देवी को अंतिम बार देख रहा था तो कोई परिवार को सांत्वना दे रहा था। रात करीब आठ बजे शीला देवी के दामाद अपनी सास को अंतिम प्रणाम करने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने उनके पैर छुए, अचानक शरीर में हलचल महसूस हुई। पहले तो किसी को विश्वास नहीं हुआ, लेकिन अगले ही पल शीला देवी ने दामाद का हाथ कसकर पकड़ लिया और धीमी आवाज में कहा- ₹मुझे कहां लेकर जा रहे हो? तुम सब रो क्यों रहे हो? मैं जिंदा हूं।₹ यह सुनते ही कमरे में मौजूद सभी लोग स्तब्ध रह गए। कुछ लोगों को अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हुआ, तो कुछ ने इसे किसी चमत्कार से कम नहीं माना। परिजनों ने एक पल भी देर नहीं की और शीला देवी को तुरंत आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर उनकी हालत पर लगातार नजर रखे हुए हैं और उनका उपचार जारी है। पड़ोसी ने बताया कि एंबुलेंस से शव घर लाने के बाद उसे कमरे में रखा गया था। उसी दौरान बेटी और दामाद पहुंचे। दामाद ने जैसे ही उनके चरण स्पर्श किए, तभी महिला की सांसें लौट आईं और उन्होंने बात करना शुरू कर दिया। पूरे मोहल्ले में देखते ही देखते यह खबर फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घर के बाहर जुट गए। महिला के मृत घोषित होने के बाद फिर जीवित होने की यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं।

सावन के दूसरे दिन फिरोजी हिंडोले में विराजे भगवान द्वारकाधीश

मथुरा। सावन मास के दूसरे दिन पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में शुक्रवार शाम भगवान द्वारकाधीश फिरोजी हिंडोले में विराजमान हुए। संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के मनोहारी स्वरूप के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रम और उत्सव गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशन में परंपरा के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं। इसी क्रम में सावन मास के दूसरे दिन ठाकुर जी को आकर्षक फिरोजी हिंडोले में विराजमान किया गया। तिवारी ने यह भी बताया कि पुष्टिमार्गीय परंपरा में सावन मास का विशेष महत्व है। इस अवधि में ठाकुर जी को विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी घटाओं और मनोहारी हिंडोलों में विराजमान कर उनके लाड़-लड़ाने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। प्रतिदिन अलग-अलग रंग, स्वरूप और सजावट के साथ भगवान के दर्शन कराए जाते हैं, जिससे भक्तों को विविध अलौकिक छवियों के दर्शन का अवसर मिलता है। फिरोजी रंग के सुंदर हिंडोले में विराजमान भगवान द्वारकाधीश का दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। सावन उत्सव के अनुरूप मंदिर को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया था। दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ भगवान के जयकारे लगाए और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह विशेष हिंडोला उत्सव पूरे सावन मास तक प्रतिदिन अलग-अलग स्वरूपों में आयोजित किया जाएगा।

हिंदू महासभा ने आगरा कैंट स्टेशन पर ताज मॉडल की आरती उतार किया जलाभिषेक

आगरा। सावन के पहले दिन आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ताजमहल की प्रतिकृति के सामने हिंदू महासभा के कार्यकताओं ने शिव आरती, जलाभिषेक और शंखनाद किया। संगठन ने प्रतिकृति को 'तेजो महालय' बताते हुए धार्मिक आयोजन किया, जिसके दौरान पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल भी मौके पर मौजूद रहे। श्रावण मास के पहले दिन बृहस्पतिवार को कैंट रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित ताजमहल की प्रतीकात्मक प्रतिकृति के सामने अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने पूजा-अर्चना की। संगठन के कार्यकताओं ने शंखनाद किया, बेलपत्र चढ़ाए, जलाभिषेक किया और आरती उतारी। कार्यक्रम की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ मौके पर पहुंच गई। महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष निशा ठाकुर और मंडल अध्यक्ष नितेश भारद्वाज के नेतृत्व में कार्यकर्ता सुबह 7.30 बजे कैंट स्टेशन पहुंचे। उन्होंने ताजमहल की प्रतिकृति के सामने पूजा करते हुए इसे तेजो महालय बताया और भगवान शिव की आराधना की। कार्यक्रम के दौरान शिव के जयकारे लगाए गए। निशा ठाकुर और नितेश भारद्वाज ने संयुक्त रूप से कहा कि यदि रेलवे परिसर में अन्य धर्मों के लोग अपनी धार्मिक गतिविधियां कर सकते हैं तो हिंदू भी भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि अभी केवल प्रतीकात्मक आरती की गई है। वहीं, हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर और वरिष्ठ नेता मनीष पंडित ने संयुक्त बयान में कहा कि संगठन ताजमहल को तेजो महालय मानता है और श्रावण मास के अवसर पर भगवान शिव की आराधना की गई। उन्होंने कांवड़ यात्रा के लिए प्रदेश सरकार की व्यवस्थाओं का भी स्वागत किया।

नेचुरोपैथी व योग के स्नातक संस्कृति विवि से कर सकेंगे एमडी भी

मथुरा। योग और प्राकृतिक चिकित्सा के स्नातक अब संस्कृति विवि से डाक्टर आफ मेडिसिन (एमडी) की पढ़ाई कर डिग्री हासिल कर सकेंगे। संस्कृति विवि के स्कूल आफ योग एंड नेचुरोपैथी में अब तक स्नातक (बीएनवाईएस) की पढ़ाई हो रही थी लेकिन अब स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर एमडी की डिग्री हासिल कर सकेंगे। विश्वभर में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं की मांग निरंतर बढ़ रही है। भारत सरकार के आयुष क्षेत्र के विस्तार तथा लोगों में प्राकृतिक जीवनशैली के प्रति बढ़ती जागरूकता ने इस क्षेत्र को एक उज्ज्वल और सम्मानजनक करियर विकल्प बना दिया है। संस्कृति स्कूल ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी की विभागाध्यक्ष डा. तनुश्री ने बताया कि बैचलर आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस साढ़े पांच वर्षीय व्यावसायिक डिग्री कार्यक्रम है, जिसमें साढ़े चार वर्ष की पढ़ाई तथा एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप शामिल है। इस पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, डायग्नोसिस, योग चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, आहार एवं पोषण, हाइड्रोथेरेपी, मड थेरेपी, फास्टिंग थेरेपी तथा जीवनशैली चिकित्सा का समग्र अध्ययन कराया जाता है। विद्यार्थी योग / प्राकृतिक चिकित्सा / न्यूट्रिशन एवं

डाइटेटिक्स / एक्यूपंक्चर विषय में डाक्टर आफ मेडिसिन भी कर सकते हैं। यह उन विद्यार्थियों के लिए है जो विशेषज्ञ चिकित्सक, शोधकर्ता, शिक्षक एवं स्वास्थ्य सलाहकार के रूप में भविष्य बनाना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम उन्नत नैदानिक ज्ञान, अनुसंधान कौशल तथा रोग प्रबंधन की विशेषज्ञता प्रदान करता है। एमडी के लिए इसी वर्ष से प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं।

विभागध्यक्ष डा. तनुश्री बताती हैं आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, तनाव, अनिद्रा तथा अन्य जीवनशैली संबंधी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में स्कूल ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, संस्कृति विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की मूलभूत जानकारी के साथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा, पोषण, जीवनशैली प्रबंधन तथा समग्र स्वास्थ्य देखभाल की वैज्ञानिक शिक्षा प्रदान करता है। यहाँ अनुभवी संकाय, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, चिकित्सकीय प्रशिक्षण व व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य विशेषज्ञ बनने के लिए तैयार किया जाता है। स्नातक एवं एमडी पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग चिकित्सक, सरकारी एवं निजी अस्पताल आयुष संस्थान एवं वेलनेस सेंटर, योग थेरेपी एवं लाइफस्टाइल डिजीज क्लीनिक, मेडिकल कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में अध्यापन, शोध एवं क्लिनिकल रिसर्च, कॉर्पोरेट वेलनेस एवं हेल्थ कंसल्टेंसी, न्यूट्रिशन एवं लाइफस्टाइल विशेषज्ञ, हेल्थ रिसॉर्ट, स्पा एवं मेडिकल टूरिज्म, स्वयं का क्लिनिक या वेलनेस सेंटर स्थापित करने का अवसर, भारत एवं विदेशों में बढ़ते वेलनेस उद्योग में अपना उत्कृष्ट भविष्य बना सकते हैं। संस्कृति स्कूल आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस में अनुभवी एवं विशेषज्ञ संकाय, आधुनिक प्रयोगशालाएँ एवं क्लिनिकल प्रशिक्षण, उत्कृष्ट अस्पताल एवं ओपीडी सुविधा, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन, उद्योग एवं अस्पतालों में इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण, समग्र व्यक्तित्व विकास एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में विशेष सहयोगी साबित हो रही हैं।

राज्यों का बढ़ता कर्ज

सार्वजनिक कर्ज को बेतहाशा बढ़ने से रोकने के लिए पूर्व में राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून बनाया गया था जिसमें यह प्रयास किया गया कि राज्यों का कर्ज उनकी जीडीपी के तीस फीसद से अधिक न हो। लेकिन इस सीमा को पार करने वाले राज्यों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चुनावी योजनाओं, वेतन और पेंशन पर बढ़ता खर्च राज्यों का राजकोषीय संतुलन बिगाड़ रहा है। इस संदर्भ में इक्रा की प्रकाशित एक रिपोर्ट ने राज्य सरकारों की वित्तीय कमजोरी को रेखांकित किया है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा जारी प्रतिभूतियों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा वित्त वर्ष 2027-28 से लेकर वित्त वर्ष 2031-32 के बीच परिपक्व हो जाएगा। इनकी कुल राशि लगभग 24 लाख करोड़ रुपये होगी। मार्च 2026 के अंत तक राज्य सरकारों की कुल बकाया प्रतिभूतियां लगभग 73 लाख करोड़ रुपये थीं। राज्य सरकारों को परिपक्व हो रहा ऋण चुकाने के लिए नये सिरे से धन जुटाना होगा और राजकोषीय घाटे की भरपाई के लिए नई प्रतिभूतियां जारी करनी होंगी। इसका अर्थ यह है कि आने वाले वर्षों में राज्य सरकारों से ऐसी खूब प्रतिभूतियां आती रहेंगी, जिसका असर स्वाभाविक रूप से बाजार में ऋण की कुल लागत पर पड़ेगा। यद्यपि हाल के वर्षों में इन प्रतिभूतियों की परिपक्वता अवधि में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन इनके निर्गम की मात्रा भी काफी अधिक रही है। मार्च 2020 के बाद से राज्य सरकारों की बकाया प्रतिभूतियों का आकार दोगुने से अधिक हो चुका है और इस अवधि में ये 14 प्रतिशत सालाना की चक्रवृद्धि

दर से बढ़ी हैं। इसकी तुलना में केंद्र सरकार का ऋण इसी अवधि में सालाना 12 प्रतिशत बढ़ा है। राज्यों के ऋण में तेज वृद्धि का एक प्रमुख कारण उनका बढ़ता हुआ बजट घाटा हो सकता है। राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति पर जनवरी 2026 में आई भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक राज्यों की कुल बकाया देनदारियां वित्त वर्ष 2018-19 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 25.3 प्रतिशत थीं, जो 2025-26 के बजट अनुमान में बढ़कर 29.2 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। इस अनुपात को तेजी से कम करने की आवश्यकता है, जिसके लिए राजकोषीय घाटे में उल्लेखनीय कमी लानी होगी। कुछ वर्षों तक राज्यों का कुल राजकोषीय घाटा जीडीपी के 3 प्रतिशत से नीचे बना रहा था लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 3.3 प्रतिशत हो गया और वित्त वर्ष 2025-26 में भी इतना ही रहने का अनुमान जताया गया। बजट घाटा कम करने के लिए राज्यों को अपना व्यय घटाना होगा और राजस्व बढ़ाना होगा। व्यय के मोर्चे पर अधिकतर लोग मानते हैं कि बिना शर्त नकद अंतरण की योजनाओं से सब्सिडी पर खर्च विशेष तौर पर तेजी से बढ़ रहा है। हाल में एक अध्ययन में बताया गया कि कुछ राज्यों में ऐसी योजनाओं से महिला लाभार्थियों को बहुत लाभ मिला है। लेकिन खजाने पर इन योजनाओं के प्रभावों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सोलहवें वित्त आयोग द्वारा 21 राज्यों पर किए गए अध्ययन के अनुसार इन राज्यों में सब्सिडी का खर्च वित्त वर्ष 2018-19 में कुल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2.2 प्रतिशत था, जो 2025-26 (बजट अनुमान) में बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गया। इस तरह कुल राजस्व व्यय का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा सब्सिडी पर खर्च हो रहा है। राजस्व के मोर्चे पर राज्यों को अपनी आय बढ़ाने के उपाय करने होंगे। दरअसल राज्यों का बढ़ता कर्ज और राजस्व घाटा दरअसल आने वाले वर्षों में बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में राज्यों के पास विकास के लिए संसाधनों का टोटा पड़ा सकता है। इससे देश का विकास प्रभावित होगा और विकसित भारत का सपना भी।

विचार

जीवन कर्म का ही दूसरा नाम है। वह जो कभी कर्म नहीं करता उसका अस्तित्व है किन्तु वह जीवित नहीं है।

– हिलार्ड.

वे ही व्यक्ति महान और शक्तिशाली बनते हैं जिनको अपने आप पर पूरा भरोसा रहता है।

–स्वामी विवेकानन्द.

जो मनुष्य सचमुच में विद्वान हैं वे अपनी असफलताओं से कभी भी घबराते नहीं हैं।

–शेक्सपियर.

मस्तिष्क के लिए अध्ययन की उतनी ही आवश्यकता है जितना की शरीर को व्यायाम की आवश्यकता है।

–एडीसन.

जिस कर्म में भोगने की इच्छा होती है, जो अहंकार से किया जाता है तथा जो बहुत प्रयास से होता है, वह राजस कर्म कहा जाता है।

–गीता.

होर्मुज का बाइपास भारत के लिए कितना खास

संजय श्रीवास्तव

होर्मुज से हटने की प्रक्रिया में खाड़ी के तेल उत्पादक देश उसके विकल्प तलाश रहे हैं। क्या ये नए रास्ते निरापद हैं और वे होर्मुज को शीघ्र ही अप्रासंगिक कर सकते हैं? पश्चिमी एशियाई देशों की इन कोशिशों से दुनिया में तीसरे नंबर के तेल और गैस आयातक भारत को क्या नफा नुकसान होगा?

अमेरिका-ईरान तनाव स्थायी होते देख पश्चिम एशिया के तेल उत्पादक देशों ने होर्मुज के विकल्प की तलाश तेज कर दी है। रियाद से लेकर अबूधाबी और बगदाद तक, खाड़ी देशों की सरकारों ने समझ लिया है कि ईरान का 'होर्मुज को बंद करने का कार्ड' उनकी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए स्थायी खतरा है। 'वार-रिस्क बीमा प्रीमियम' आठ गुना बढ़ने के साथ उत्पादन में 12 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक की कटौती की नौबत आ गई। ऐसे में फारस की खाड़ी से दुनिया तक तेल और गैस पहुंचाने वाली इस जलडमरूमध्य की संकरी पट्टी पर अत्यधिक निर्भरता उत्पादक और उपभोक्ता दोनों तरह के देशों को असहनीय होने से पहले उनमें पाइपलाइनों, सी-कॉरिडोर, रेलवे और नये एक्सपोर्ट टर्मिनल्स का एक नया बुनियादी ढांचागत तंत्र विकसित करने की अभूतपूर्व होड़ शुरू होना स्वाभाविक है। बेशक, खाड़ी के तेल उत्पादकों के लिए अगली रणनीतिक लड़ाई होर्मुज पर नियंत्रण की नहीं, उससे बच निकलने के रास्तों की है। इसीलिए सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक मौजूदा पाइपलाइनों की क्षमता बढ़ाने से लेकर नये निर्यात टर्मिनल, रेल और जमीनी कॉरिडोर विकसित करने में जुटे हैं। सऊदी अरब का दावा है कि 1,200 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट 'पेट्रोलाइन' जो उसके पूर्वी तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू से जोड़ती है, उसकी क्षमता उसने सात मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंचा दिया है। हालांकि इसका एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी तट की रिफाइनरियों में जाता है। अब इसमें उसकी तेल कंपनी आरामको एक से दो मिलियन बैरल प्रतिदिन अतिरिक्त क्षमता जोड़ने पर विचार कर रही है।

यूएई के पास अबूधाबी से फुजैराह तक जो पाइप लाइन दो मिलियन बैरल प्रतिदिन की क्षमता की है, उसके समानांतर उससे कुछ ज्यादा क्षमता वाली पाइपलाइन को 2027 तक चालू करने की योजना है। फुजैराह की खासियत है कि वह होर्मुज के बाहर ओमान की खाड़ी में है। इराक के सरकारी राजस्व का अधिकांश हिस्सा तेल से आता है इसलिए वह किर्कुक से तुर्की के जेहान तक उत्तरी मार्ग को मजबूत करने, सीरिया के बनियास तक पुराने कॉरिडोर को पुनर्जीवित करने और जॉर्डन के अकाबा तक रास्ता

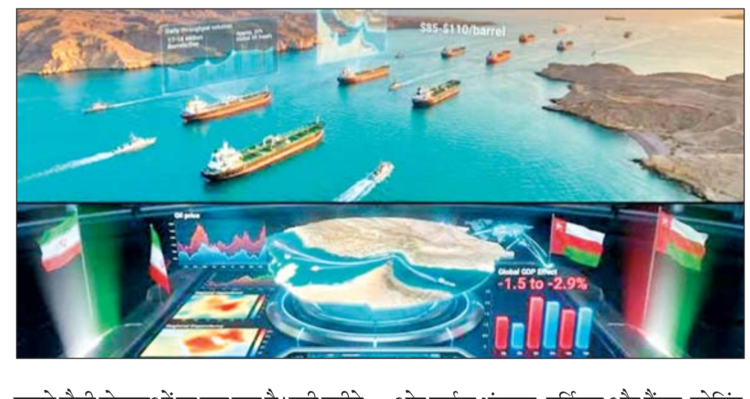

बनाने जैसी योजनाओं पर जुट गया है। इसी महीने इराकी ईंधन तेल को ट्रकों के जरिए सीरिया के बनियास तक पहुंचाकर वहां से अमेरिका सहित दूसरे बाजारों में भेजना शुरू भी हुआ है। इराक द्वारा ट्रकों के जरिए जॉर्डन या सीरिया तक तेल भेजने के प्रयास अत्यंत महंगे, धीमे और असुरक्षित हैं। लाखों बैरल के लिए हजारों ट्रकों का काफिला व्यवहारिक नहीं है। कारगर विकल्प न होते हुए भी यह भविष्य की दिशा बताता है।

सामयिक

जाहिर है इन कवायदों से होर्मुज आने वाले वर्षों में अप्रासंगिक नहीं होने वाला, न तो उसका भूगोल बदला जा सकता है और न इतनी विशाल ऊर्जा मात्रा को रातोंरात दूसरे रास्तों पर डाला जा सकता है। मगर यह तय है कि अब उसकी अनिवार्यता घटाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। युद्ध से पहले तकरीबन 20 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरते थे। यह वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग तीस फीसद है। इसके अतिरिक्त, दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत लिक्विफाइड नेचुरल गैस विशेषकर कतर से, इसी रास्ते से होकर वैश्विक बाजारों तक पहुंचती है। वर्तमान और प्रस्तावित परियोजनाएं मिलकर भविष्य में हर रोज ज्यादा से ज्यादा दस मिलियन बैरल तेल को वैकल्पिक रास्तों पर मोड़ सकती हैं, गैस के मामले में तो यह उपाय बिल्कुल विफल है। इसलिए यह कारगुजारियां होर्मुज से गुजरने वाले सामान्य प्रवाह का पूर्ण विकल्प नहीं है। फिर पाइपलाइन जितना तेल बाहर निकालेगी, उसके लिए दूसरी ओर पर्याप्त भंडारण, टर्मिनल और टैंकर-लोडिंग क्षमता भी चाहिए। इराक-सीरिया जैसे सीमा-पार कॉरिडोर में राजनीतिक स्थिरता, सुरक्षा, अरबों डॉलर की पूंजी और वर्षों का निर्माण समय अलग चुनौती है। जोखिम भी केवल जगह बदलेगा, एशिया जाने वाले जहाजों को लाल सागर से बाब-अल-मंदेब पार करना होगा। हूती विद्रोहियों के हमले का खतरा बना रहेगा। स्वेज का रास्ता भी विशाल टैंकर के लिए सुविधाजनक नहीं है और अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप का चक्कर समय, ईंधन, मालभाड़ा और बीमा लागत बढ़ायेगा। पाइपलाइनें भी ड्रोन, मिसाइल, साइबर हमले और तोड़फोड़ की शिकार हो सकती हैं इस तरह एक चोकपॉइंट की निर्भरता को दूसरे चोकपॉइंट में बदल देना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। इसीलिए पाइपलाइन के साथ नया 'सी कॉरिडोर' मॉडल ज्यादा महत्वपूर्ण है। भविष्य का खाड़ी ऊर्जा नक्शा फारस की खाड़ी के भीतर से सीधे जहाज भेजने के बजाय तेल को पहले जमीन से फुजैराह, यानबू, सोहार, अकाबा, जेहान अथवा बनियास जैसे होर्मुज-बाहरी बंदरगाहों तक पहुंचाने और वहां से समुद्र में उतारने का हो सकता है। इससे एक मार्ग बंद होने पर दूसरा उपलब्ध रहेगा। यह 'होर्मुज का विकल्प' कम और ऊर्जा-मार्गों का विविधीकरण अधिक है। सवाल यह है कि इन गतिविधियों में अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल और 50 फीसद प्राकृतिक गैस आयात करने वाले भारत का नफा नुकसान क्या है? हमारे आयात का लगभग 60 प्रतिशत खाड़ी देशों से आता है, जो 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से होकर गुजरता है। खाड़ी के वैकल्पिक कॉरिडोर भारत के लिए लाभकारी होंगे; क्योंकि सऊदी और यूएई का तेल होर्मुज बंद होने पर भी फुजैराह अथवा यानबू से उपलब्ध रहेगा। ओमान की खाड़ी माने फुजैराह या सोहार भारत के पश्चिमी तट यथा जामनगर, मुंद्रा, मंगलौर के बेहद करीब है। होर्मुज के अंदर जाने की बजाय फुजैराह या सोहार से तेल लोड करने पर भारतीय जहाजों को 2 से 3 दिन की यात्रा कम करनी पड़ेगी, जिससे 'टन-माइल' लागत और समुद्री भाड़े में बचत होगी। आपूर्ति के अनेक रास्ते युद्ध-जोखिम प्रीमियम, टैंकरों की कमी और अचानक आयात रुकने की आशंका घटा देंगे। भारतीय रिफाइनरियां अमेरिका, ब्राजील, अफ्रीका और मध्य पूर्व के बीच स्रोत बदलने को लेकर बेहतर सौदेबाजी कर सकेंगी। खाड़ी में पाइपलाइन, पोर्ट विस्तार, इत्तिहाद रेल, हफीत रेल और लॉजिस्टिक्स पार्क्स के निर्माण में अरबों डॉलर का निवेश हो रहा है। भारत के पास निर्माण व प्रबंधन अनुबंध हासिल करने का यह अवसर है। लेकिन लाभ अपने साथ लागत भी लाता है। यानबू से भारतीय बंदरगाहों तक तेल को बाब-अल-मंदेब से गुजरना पड़े या अफ्रीका का लंबा चक्कर लगाना पड़े तो परिवहन महंगा होगा। इराकी तेल यदि भूमध्य सागर पहुंचकर फिर भारत आए तो उसकी समुद्री यात्रा बसरा से भारत आने की तुलना में लंबी और महंगी होगी।

भारत की बड़ी चिंता केवल कच्चा तेल नहीं, एलएनजी भी है। पाइपलाइन तेल को होर्मुज से बचा सकती है, लेकिन कतर की एलएनजी को उसी सहजता से जमीन पर मोड़ा नहीं जा सकता। कतर की एलएनजी के लिए कोई पाइपलाइन बाईपास मौजूद न होने से होर्मुज में किसी भी दीर्घकालिक रुकावट से भारतीय गैस आधारित उद्योग, उर्वरक, शहरी गैस और बिजली क्षेत्र तक असर पहुंचा सकता है। यही कारण है कि भारत के लिए अमेरिकी, ऑस्ट्रेलियाई, अफ्रीकी और अन्य एलएनजी स्रोतों के साथ अनुबंधों का विविधीकरण तेल जितना ही जरूरी है। भारत को संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह और सऊदी अरब के यानबू के नए एक्सपोर्ट टर्मिनल्स में भंडारण क्षमता किराये या लीज पर लेने हेतु द्विपक्षीय समझौते अभी करने चाहिए।

सोशल मीडिया

आ. प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पीएम सूर्य सरोवर योजना को प्रदान की गयी स्वीकृति विकसित भारत –आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नयी ऊर्जा देने वाला है। सीएम योगी.

जीवन से प्रेम करो

अंतर्दृष्टि

जब तुम प्रेम में होते हो और खुश होते हो तो भूल जाते हो। लेकिन, जब संघर्ष, नफरत और गुस्सा होता है तो तुम उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने लगते हो। ऊपर से वे अक्षम लोग, वे नैतिकतावादी, वे पुरोहित, वे राजनेता, वे मिल कर चिल्लाते हैं एक स्वर से कि देखो, हमने तुमसे पहले ही कहा था, और तुमने हमारी नहीं सुनी। प्रेम को त्यागो। प्रेम दुख बनाता है। इसे त्यागो, उसे त्यागो, जीवन को त्यागो। इन बातों को अगर बार-बार दोहराया जाता रहता है तो उनका असर होने लगता है। लोग उनके सम्मोहन में फँस जाते हैं। तुम कहते हो कि तुम उपवास करते रहे हो, तुमने ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया है। उपवास का भला बुद्धत्व से क्या ताल्लुक हो सकता है? ब्रह्मचर्य का बुद्धत्व से कोई संबंध नहीं हो सकता? बेतुकी बात है। जो भी तुम करते हो जैसे कि तुम कहते हो कि मैं बुद्धत्व प्राप्त करने के लिए रात-रात भर जागता रहता हूँ। दिन में बुद्धत्व प्राप्त करने की कोशिश क्यों नहीं करते? रात भर जागने की क्या जरूरत है? ये कुदरत के विरोध में तुम कयों खड़े हुए हो? बुद्धत्व प्रकृति के खिलाफ नहीं होता। वह प्रकृति की परितृप्ति है। वह तो प्रकृति की चरम अभिव्यक्ति है। वह तो जितना संभव हो सकता है, उतनी प्रकृति है। प्रकृति के खिलाफ होने पर नहीं, बल्कि साथ होने पर ही तुम बुद्धत्व तक पहुँचते हो। वह बहाव के खिलाफ तैरने से नहीं, बल्कि उसके साथ बहने से मिलता है। नदी की यात्रा तो पहले से ही समुद्र की तरफ है। तुम्हें उसके खिलाफ तैरना शुरू करने की कोई जरूरत नहीं, जबकि तुम करते यही रहे हो। अब तुम पूछोगे कि तो मुझे क्या करना चाहिए? मैं कहूँगा कि दुख के प्रति अपनी आसक्ति त्याग दो। तुम बुद्धत्व की खोज नहीं कर रहे हो, बल्कि तुम तो दुख की खोज में लगे हुए हो। बुद्धत्व तो सिर्फ एक बहाना है। जीवन से प्रेम करो, और अधिक खुश रहो। जब तुम एकदम प्रसन्न होते हो, संभावना तभी होती है, वरना नहीं। कारण यह है कि दुख तुम्हें बंद कर देता है, सुख तुम्हें खोलता है। क्या तुमने यही बात अपने जीवन में नहीं देखी? जब भी तुम दुखी होते हो, बंद हो जाते हो, एक कठोर आवरण तुम्हें घेर लेता है। तुम खुद की सुरक्षा करने लगते हो, तुम एक कवच-सा ओढ़ लेते हो। वजह यह है कि तुम जानते हो कि तुम्हें पहले से काफी तकलीफ है और अब तुम और चोट बर्दाश्त नहीं कर सकते। दुखी लोग हमेशा कठोर हो जाते हैं। उनकी नरमी खत्म हो जाती है, वे चट्टानों जैसे हो जाते हैं। एक प्रसन्न व्यक्ति तो एक फूल की तरह है। उसे ऐसा वरदान मिला हुआ है कि वह सारी दुनिया को आशीर्वाद दे सकता है।

फिर क्यों शुरू हुई अंतरिक्ष की दौड़

चांद फतह के 57 साल बाद

साल 1969 में पहली बार इंसान ने चांद पर कदम रखे थे और इसी के साथ ही अंतरिक्ष में होड़ की प्रतिस्पर्धा, जो कि उस समय तत्कालीन सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच थी, काफी धीमी पड़ गई थी। लेकिन 21वीं सदी के इस तीसरे दशक के मध्य में एक बार फिर से दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच अंतरिक्ष फतह की होड़ शुरू हो गई है, जिसमें चांद तो है ही, मंगल और कई छुद्र ग्रहों तक भी पहुंचने की होड़ लगी है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले जहां अंतरिक्ष की होड़ या अंतरिक्ष विजय की होड़ सिर्फ उस समय के सोवियत संघ और अमरीका के बीच थी, वहीं अब यह प्रतिस्पर्धा, अमेरिका, चीन, भारत, यूरोप, जापान और संयुक्त अरब अमीरात तथा कुछ निजी अंतरिक्ष कंपनियों के बीच है। यह होड़ केवल चांद पर झंडा फहराने की नहीं है बल्कि वहां स्थायी उपस्थिति बनाने, मंगल तक मानव मिशन भेजने और भविष्य में अनेक छुद्र ग्रहों से भरपूर संसाधनों को हासिल करने की भी मंशा है।

सवाल है आखिरकार अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा का मैदान क्यों बन गया है? पहली नजर में यह सवाल उठता है कि जब धरती पर गरीबी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी अनेक विकट चुनौतियां मौजूद हैं, ठीक उस समय आखिरकार दुनिया अंतरिक्ष होड़ पर खरबों डॉलर क्यों बर्बाद करने पर तुली है? वास्तव में इसका जवाब केवल विज्ञान नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य की तकनीक में छिपा है। आज संचार, मौसम, पूर्वानुमान, जीपीएस, डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट, आपदा प्रबंधन और रक्षा व्यवस्था, सब किसी न किसी रूप में उपग्रहों पर निर्भर हैं। जाहिर है ऐसे में जो देश अंतरिक्ष तकनीक में आगे होगा, वही आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी मजबूत होगा। यही कारण है कि अंतरिक्ष को अब भविष्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। साथ ही यह भी मानना पड़ेगा कि एक बार फिर से इंसान में चांद का बेहद आकर्षण बढ़ गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चांद के ध्रुवीय क्षेत्रों में जल-बर्फ मौजूद है, जो भविष्य में पीने के पानी, ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन के निर्माण में बेहद उपयोगी हो सकता है। यदि इंसान ने चांद पर स्थायी आधार बना लिया, तो फिर मंगल और उसके आगे के अभियानों के लिए स्पेस स्टेशन की तरह यह आधार काम कर सकता है। इसलिए भी दुनिया के उन सभी देशों के बीच जो स्पेस टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, अंतरिक्ष मिशन की होड़ शुरू हो गई है।

अमेरिका का आर्टेमिस कार्यक्रम, चीन के चंद्र मिशन और भारत के चंद्रयान कार्यक्रम की इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा है। सच बात तो यह है कि भारत हाल के सालों में उभरा अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा का नया और महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। भारत ने हाल के कुछ सालों में अपने सीमित बजट के बावजूद अंतरिक्ष अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है, जिन्होंने चांद पर सुरक्षित उतरने का इतिहास रचा है। इसके बाद आदित्य-एल1 मिशन के जरिये सूर्य के अध्ययन में भी भारत ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। अब गगनयान मिशन के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष यात्री को स्वदेशी तकनीक के जरिये अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। इन अभियानों ने साबित किया है कि कम लागत में भी उच्च गुणवत्ता वाला अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम भारत द्वारा संभव है। लेकिन हाल के

सालों में चीन अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा का सबसे स्मार्ट और ताकतवर खिलाड़ी बनकर उभरा है। अगर कहा जाए कि अमेरिका अंतरिक्ष का पुराना खिलाड़ी है, तो निःसंदेह चीन सबसे तेजी से उभरती शक्ति बन चुका है। चीन ने अंतरिक्ष में अपना स्टेशन स्थापित किया है और चांद के दूरस्थ हिस्से पर यान उतार चुका है। साथ ही चंद्रमा से कई तरह के नमूने पृथ्वी पर लाने में सफलता हासिल की है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में चीन चांद पर मानव मिशन भेजने की दिशा में सबसे तेज रफ्तार साबित होगा। लेकिन अकेला चांद ही लक्ष्य नहीं है। मंगल ग्रह दशकों से वैज्ञानिकों की कल्पना के केंद्र में रहा है और अब वो इसे आगामी योजनाओं के हिस्से के रूप में देख रहे हैं। मंगल के प्रति यह आकर्षण वैज्ञानिकों में स्वाभाविक ही है। दरअसल वहां कभी पानी होने के संकेत मिले हैं। अमेरिका के विभिन्न रोवर मंगल ग्रह का लगातार अध्ययन कर रहे हैं, भारत भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद अपना मंगलयान भेज चुका है, जिससे पता चलता है कि चांद के साथ-साथ किस तरह अंतरिक्ष शक्तियों के बीच मंगल को लेकर भी एक बड़ा स्पष्ट लक्ष्य है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशकों में इंसानों को मंगल ग्रह पर भेजने की दिशा में निर्णायक प्रयास होंगे। हालांकि अभी तक की प्रगति के हिसाब से वहां इंसान का पहुंचना इतना आसान नहीं है। यात्रा में महीनों लग सकते हैं और विकिरण, ऑक्सीजन, भोजन तथा वापसी जैसी बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। चांद और मंगल की तरह दुनिया की नजरों में छुद्र ग्रहों की खनिज खदानें भी हैं। गौरतलब है कि सौर मंडल में करोड़ों छुद्र ग्रह मौजूद हैं, इनमें से कई में लोहा, निकल, कोबाल्ट और प्लेटिनियम जैसी बहुमूल्य धातुओं का खजाना है। हालांकि अभी तक इनका व्यवसायिक दोहन व्यवहारिक रूप से संभव नहीं हुआ। लेकिन कई अंतरिक्ष एजेंसियां और निजी कंपनियां इस दिशा में अध्ययन कर रही हैं।

यदि भविष्य में यह तकनीक विकसित हो जाती है, तो दुनिया के खनन उद्योग का स्वरूप ही बदल जायेगा। निजी कंपनियों ने अंतरिक्ष होड़ का पूरा खेल ही बदल दिया है। पहले जहां अंतरिक्ष कार्यक्रम विभिन्न देशों की सरकारी एजेंसियों तक ही सीमित थे, लेकिन अब निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। ये ऐसी निजी कंपनियां अध्ययन कर रही हैं कि भविष्य में ऐसी तकनीक विकसित की जा सके, जिससे कि ब्रह्मांड के छुद्र ग्रहों से खनिज खनन संभव हो सके। वास्तव में पुनःप्रयोज्य रॉकेटों ने अंतरिक्ष मिशनों की लागत में उल्लेखनीय कमी कर दी है। यही वजह है कि अब उपग्रह प्रक्षेपण, अंतरिक्ष पर्यटन और निजी अनुसंधान जैसी गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इससे प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है और नवाचार को भी एक खास गति मिली है। हालांकि यह सोचने में जितना आसान है, व्योहार में भी उतना ही आसान नहीं है। अंतरिक्ष मिशन में अभी भी भारी चुनौतियां मौजूद हैं। अंतरिक्ष मलबा तेजी से बढ़ रहा है। निष्क्रिय उपग्रह और रॉकेट के टुकड़े भविष्य में उपग्रहों के लिए खतरा बन सकते हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष का सैन्य उपयोग, एनटी सैटेलाइट हथियारों का परीक्षण और विभिन्न देशों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा चिंता का विषय है।

विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि अंतरिक्ष का उपयोग शांतिपूर्ण, मानव कल्याण के लिए होना चाहिए। लेकिन भविष्य में क्या होगा, यह तो भविष्य ही बतायेगा? लेकिन सवाल है आखिरकार भविष्य किसका होगा? आने वाले सालों में नई अर्थव्यवस्था, नई तकनीक और वैश्विक सहयोग का केंद्र अंतरिक्ष बनेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और स्वचालित मशीनें अंतरिक्ष अभियानों को अभूतपूर्व गति देने वाली हैं। संभव है कि आज जो बच्चे स्कूलों में हैं, वो अपने जीवनकाल में चांद पर वैज्ञानिक बस्तियां, मंगल पर मानव मिशन और अंतरिक्ष में बनने वाले औद्योगिक केंद्रों को हकीकत में मूर्त रूप लेते देख सकें, क्योंकि अंतरिक्ष में दौड़ केवल तकनीक की नहीं है, इस दौड़ में मानव कल्पनाशीलता, वैज्ञानिक साहस और भविष्य की संभावनाओं की दौड़ भी शामिल है। इसलिए वही देश आगे रहेगा, जो अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में लगातार निवेश करेगा। इसलिए भारत के लिए यह अवसर भी है और एक बड़ी कठिन चुनौती भी है।

एन.के.अरोड़ा.

आप की बात

ग्लोबल वार्मिंग का संकट

जलवायु परिवर्तन का संकट अब सीधे-सीधे मानव समाज के अस्तित्व के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इसलिए इससे निपटने, लोगों को जागरूक करने और सरकार के नियोजित प्रयासों की तुरंत जरूरत है। देश के कई इलाके जलवायु परिवर्तन के शिकार हैं सो संबंधित राज्यों को समय रहते इससे पैदा होने वाले खतरों से निपटने की दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए, लेकिन इस संदर्भ में विशेष चेतना तथा कार्य प्राथमिकता बहुत कम राज्यों में दिखती है। लगभग सभी राज्यों के पास कथित तौर पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने की ठोस योजनाएं है। बेशक कोई राज्य अतिवृष्टि, बाढ़ से अधिक प्रभावित होता है तो कोई सूखे, लू, बर्फबारी, भूस्खलन से, किसी को कोई अन्य पर्यावरणीय परेशानी है, सबब यह कि राज्यों की नीतियां भी उनके अनुरूप बनाई गई हैं। मगर जलवायु परिवर्तन एक मूल कारण है और बाकी उसके लक्षण, प्रकार या विभेद। राज्यों को प्रकार और विभेदों से निपटने की रणनीति के साथ मूल समस्या से लड़ने की भी मजबूत योजना बनानी होगी। लेकिन जलवायु परिवर्तन के खतरे के इतने नजदीक आने के बावजूद ज्यादातर राज्य अपनी योजनाओं को लेकर बस कदमताल करते दिखते हैं।

उन्हें अपने ही निर्धारित क्लाइमेट एजेंडा की गंभीरता के प्रति बहुधा उदासीन देखा गया है। वन हरित क्षेत्र को दूने से ज्यादा बढ़ाना, राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाबों और सूख चुके जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्राकृतिक वैकल्पिक समाधान देना, इनमें कितने राज्य सफल हो पाए। रसायन एवं खाद्य उद्योग में बायोमास, कोयला, बिजली, गैस फीडस्टाक, हाईड्रोजन, रिफाइंड लिक्विड आदि की वास्तविक खपत विभिन्न उद्योंगों में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल संबंधी आंकड़े और तय समय में उसकी कमी कौन आंक रहा है। ई-वेस्ट, बायोमेडिकल वेस्ट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में अधिकांश राज्यों का प्रदर्शन बहुत प्रशंसनीय नहीं है। स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, जलवायु परिवर्तन संबंधित जनजागरूकता कार्यक्रम और शैक्षणिक संस्थानों में क्षेत्र की जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पढ़ाना हो या मवेशियों, पालतू पशुओं पर इसके प्रतिकूल प्रभावों पर व्यापक शोध कराना, कौन सा राज्य किस स्तर पर कर रहा है यह जांचने से निराशा हाथ लग सकती है। ग्लोबल वार्मिक के संकट को टालने के लिए अब ईमानदारी से और दूरगामी प्रयास की जरूरत है।

ज्ञान प्रकाश सिंह, लखनऊ.

संक्षेप

ट्रेनों में चोरी की घटना पर नहीं लग पा रही लगाम

ललितपुर। चलती ट्रेनों में सफर के दौरान सोए हुए यात्रियों को निशाना बनाने वाले चोरों का गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। ललितपुर रेलवे स्टेशन के आसपास दो अलग-अलग ट्रेनों में यात्रियों के कीमती सामान चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। दोनों मामलों में राजकीय रेलवे पुलिस थाना ललितपुर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साबरमती एक्सप्रेस में महिला यात्री का पर्स चोरी पहला मामला ट्रेन संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस का है। गुजरात के अकोटा (बड़ौदा) निवासी शिखा तिवारी पत्नी प्रतीक तिवारी, 19 जून को अयोध्या रेलवे स्टेशन से ए-1 कोच की सीट संख्या 47 पर सवार होकर यात्रा कर रही थीं। पीड़िता के अनुसार 20 जून की सुबह करीब 7 बजे जब ट्रेन ललितपुर रेलवे स्टेशन के आसपास पहुंची और उनकी नींद खुली तो पैरों के पास रखा मरून रंग का लेडीज पर्स गायब मिला। पर्स में करीब 10 हजार रुपये नकद, एचडीएफसी बैंक का डेबिट कार्ड सहित अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था।

मुठभेड़ में अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार, दो साथी फरार

- रुपयों से भरा बैग चोरी करने वाले आरोपी को दबोचा
- 2.23 लाख रुपये नगद और तमंचा बरामद

ललितपुर। महरौनी थाना पुलिस ने चोरी की एक बड़ी घटना का खुलासा करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक अंतरराज्यीय अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 2 लाख 23 हजार 560 रुपये नगद, एक अवैध देशी तमंचा, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी कालू सिंह एवं सीओ महरौनी अरविंद कुमार पांडेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना महरौनी में दर्ज मुकदमा संख्या 229/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान 30 जुलाई 2026 की रात करीब 8.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल आरोपी ग्राम चढ ?ऊ के पास मौजूद है। सूचना पर थाना महरौनी पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें पुलिस टीम ने अभियुक्त मध्य प्रदेश के जिला राजगढ़ थाना बोड़ा के ग्राम कडि ?ा सांसी निवासी सोनू धापनी पुत्र सुमेर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसके दो अन्य साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने गिरोह के साथ मिलकर लोगों को निशाना बनाता था और मौका पाकर उनके रुपये, सामान व आभूषण चोरी कर लेते थे। आरोपी ने स्वीकार किया कि 29 मई 2026 को सेंट्रल बैंक महरौनी से रुपये निकालकर जा रहे एक व्यक्ति के मोटरसाइकिल में रखे बैग को तहसील महरौनी के पास चोरी किया था। चोरी किए गए रुपयों को गिरोह के सदस्यों ने आपस में बांट लिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से बरामद 2,23,560 रुपये उसके हिस्से के थे। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक 315 बोर का अवैध देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना महरौनी में मुकदमा संख्या 334/2026 धारा 109 बीएनएस एवं 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई है। इसके अलावा पुलिस ने घटना में प्रयुक्त होंडा साइन बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए चोरी के खुलासे के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी व जमीनी सूचनाओं के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक महेशचंद्र, चैकी प्रभारी खितवांस उपनिरीक्षक गुलाम फरीद, उपनिरीक्षक अनीत कुमार, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र पांडेय और हेड कांस्टेबल राघवेंद्र राजावत शामिल रहे।

पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

- न्याय न मिलने पर किसान ने घण्टाघर पर शुरू किया अनशन

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पनारी में पैतृक भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण कार्य को लेकर एक किसान ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने परिवार सहित घण्टाघर मैदान पर अनशन पर बैठ गया। इस संबंध में पीड़ित ने जिला प्रशासन ज्ञापन भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्राम पनारी निवासी दयाचन्द्र पुत्र भगवानदास ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि ग्राम स्थित आराजी संख्या 543 एवं 539 उसके स्वामित्व की भूमि है। आरोप है कि गांव के ही संतोष पुत्र ऊदल, खुशीबाई पत्नी संतोष, विनीता पुत्री संतोष, बृजभान पुत्र संतोष तथा भगवानदास पुत्र लल्लू उसकी भूमि पर जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य करा रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि उसने इस मामले की शिकायत 29 जुलाई 2026 को भी संबंधित अधिकारियों से की थी। शिकायत के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर निर्माण कार्य रोकने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद आरोपितों ने कथित रूप से निर्माण कार्य जारी रखा और कब्जा हटाने से इनकार कर दिया। दयाचन्द्र का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उसे आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते न्याय नहीं मिला तो वह अनिश्चितकालीन अनशन करने के लिए मजबूर होंगे। पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि आराजी संख्या 543 एवं 539 की राजस्व विभाग से पैमाइश कराई जाए, कथित अवैध कब्जा एवं निर्माण कार्य तत्काल रुकवाया जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल परियोजना, गो-आश्रय स्थलों का किया निरीक्षण

बाराबंकी। कारागार राज्यमंत्री व जनपद प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने विकासखण्ड बंकी अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाटा बरौली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही सीएचसी तक जाने वाले सम्पर्क मार्ग को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके उपरान्त प्रभारी मंत्री ने नगरीय पेयजल योजना के अंतर्गत मझलेपुर में निर्माणाधीन ओवरहेड पानी की टंकी के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण, नगर पालिका परिषद नवाबगंज स्थित कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर गौशाला की साफ-सफाई, गौवंशों के रखरखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तथा आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा गौवंशों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने विकास खण्ड बंकी स्थित निवलेट फार्म एवं गो-आश्रय स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला, कुक्कुट पालन इकाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा पशुपालन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रंजन गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा उप जिलाधिकारी नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 विनोद यादव आदि मौजूद रहे।

कैंडल जलाकर पदाधिकारियो ने अर्पित की अपनी श्रद्धांजलि

बाराबंकी। निडर क्रांतिकारी, देशभक्त, शहीद-ए-आजम सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर सिक्ख कांउसिल ऑफ इंड़िया के तत्वाधान में प्रधान कार्यालय पर श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। सभा मे सिक्ख काउंसिल ऑफ इंड़िया पदाधिकारियो ने उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुये जलियांवाला बाग नरसंहार के निर्दोष शहीदों को न्याय दिलाने के लिए शहीद उधम सिंह के अदम्य साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुये नमन किया। इसके साथ कैंडल जलाकर शहीद को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पदाधिकारियो ने कहा कि उनका बचपन का नाम शेर सिंह था और शेरो की तरह उन्होंने 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में पंजाब के पूर्व गवर्नर माइकल ओश्डायर को गोली मारकर मौत के घाट उतारा। उनका जन्म 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम गांव में हुआ था। आज की पीढ़ी को शहीदों की कुर्बानियों से प्रेरणा लेते हुए देश भक्ति की भावना और राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा रखना चाहिए। श्रद्धाजंलि अर्पित करने वालो मे प्रधान सरदार जसबीर सिंह बग्गा, उपप्रधान सरदार अमरजीत सिंह कालरा, सरदार मनदीप सिंह बग्गा, प्रत्यूष कांत शुक्ला, सिंह, भूपिंदर पाल सिंह, शैलेंद्र चोपड़ा, सरदार हरविंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

जल एक अमूल्य प्राकृतिक संसाधन, इसका संरक्षण करना सबका दायित्व

- जल अर्पण: जाखलौन-बिरधा ग्राम समूह पेयजल योजना में हुआ कार्यक्रम का आयोजन
- ग्रामीणों को जल बचाने एवं जल का सदुपयोग करनेष्की शपथ दिलायी गयी

ललितपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जखलौन पेयजल योजना के तहत ग्राम पंचायत बरोदा बिजलौन, निवाई, घाटवार, जामुंधन, मगरपुर सहित अन्य ग्राम पंचायतों में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना रहाग्राम पंचायत बरौदा बिजलौन में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम में अधिशासी अभियन्ता अरुण कुमार बौद्ध, पीएमसी हेड रमेश चंद्र गुप्ता, सहायक अभियंता जितेन्द्र कुमार, जूनियर इंजीनियर उदय वीर वर्मा तथा ग्राम प्रधान राय सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान राय सिंह राजपूत द्वारा अधिशासी अभियंता का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

उन्होंने ग्रामवासियों की ओर से जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में नियमित एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु विभाग का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि इस योजना से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यालयों के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई। विद्यालयों में बच्चों एवं ग्रामीणों को जल बचाने एवं जल का सदुपयोग करने की शपथ दिलाई गई तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता अरूण कुमार बौद्ध द्वारा उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया गया कि जल एक अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है, अतः इसकी प्रत्येक बूंद का संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ग्रामीणों से जल सारथी ऐप डाउनलोड करने का अनुरोध किया गया।

उन्हें ऐप के माध्यम से पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायत दर्ज करने, फीडबैक देने तथा विभागीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने भी ऐप डाउनलोड करने एवं इसके व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग देने का आश्वासन दिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी जल संरक्षण एवं पेयजल योजनाओं के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को तालबेहट पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तालबेहट पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना तालबेहट पुलिस ने थाना स्थानीय पर दर्ज मु.अ.सं. 283/2026 में वांछित आरोपी ग्राम खांदी के मजरा टपरन निवासी सुरेन्द्र कुशवाहा पुत्र कालूराम को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 64(1) एवं 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया अपनाई गई। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, निरीक्षक उदयवीर सिंह तथा हेड कांस्टेबल शिववीर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वाले आरोपियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में त्वरित और प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अधिवक्ताओ ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी। छाया चैराहे पर पूर्ववत स्थान पर महापुरुषों की मूर्तियों को पुनः स्थापित किये जाने, मूर्तियों को तोड़ने के आदेश, कार्यवाही की उच्च स्तरीय जांच कराने व मिनी घंटाघर का निर्माण अन्य उपयुक्त स्थान पर किये जाने की मांग को लेकर स्व0 श्री अवध बिहारी मिश्र सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष अधिवक्ता रितेश कुमार मिश्र के नेतृत्व मे अधिवक्ताओ ने जिलाधिकारी को सम्बोधित 3 सूत्रीय मांग पत्र अपर जिलाधिकारी राज कुमार सिंह को सौपा। अधिवक्ता श्री मिश्र ने बताया कि प्रभुत्व वर्ग महाराणा प्रताप सिंह की एक तरफ चैराहे पर मूर्ति लगवाने की मांग चल रही है वहीं दूसरे ओर चार महान विभूतियों के नाम से जाना जाने वाले छाया चैराहे की मूर्तियों को तोड़ कर साजिशन महापुरुषों की पहचान खत्म किया जा रहा है जो जनभावनाओं को अपमानित किया जा रहा है। ज्ञापन सौपने वालो मे पवन मिश्रा, संजय गांधी, दिवाकर सिंह, रजनीश शुक्ला, अरविन्द शुक्ला, रितेश कुमार, बलराम सिंह, सुमन देवी, श्रीकांत, शुभम शर्मा, राहुल सैनी, हिमांशु सैनी, सचिन गुप्ता, नमिता जैन, विष्णु शुक्ला आदि मौजूद रहे।

फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा सराय बरई पीएचसी, डॉक्टर नदारद

जिला संवाददाता

- मरीज बेहाल, स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई व्यवस्था बदहाल

टिकैतनगर,बाराबंकी। ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरायबरई खुद बदहाली का शिकार है। पूरे स्वास्थ्य केंद्र मे मरीजो को देखने से लेकर दवा वितरण तक एकमात्र फार्मासिस्ट संभाल रहे हैं। जबकि चिकित्सक की तैनाती होने के बावजूद नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्र नही पहुंचने से व्यवस्थाएं भी पूरी तरह चरमराई हुई हैं। इतना ही नही मरीजों के पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। परिसर में पानी की टंकी तो है, लेकिन उसका मोटर लंबे समय से बंद पड़ा है। हैंडपंप और नलों की टोंटियां टूटी हैं, जिससे मरीजों और तीमारदारों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। शौचालयों की स्थिति भी बदतर है। पूरे परिसर में झाड़ियां उगने से बरसात के मौसम मे जहरीले जीव-जंतुओं का भी खतरा बना रहता है।

ऐसे मे सरकार की ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं? तो वही ग्रामीणो का कहना है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण मरीजों को उपचार के लिए मजबूरन निजी अस्पतालों या फिर दूर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का रुख करना पड़ता है। शाम ढलते ही स्वास्थ्य केंद्र परिसर अराजकतत्वों का अड्डा बन जाता है।

जिससे महिलाओं और मरीजों में भय का माहौल रहता है। ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित चिकित्सक की उपस्थिति सुनिश्चित करने, पेयजल, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

अस्पताल का निरीक्षण कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक और अन्य स्टाफ की अनुपस्थिति तथा अन्य अव्यवस्थाओं की शिकायत मिली तो जांच कराकर कमियो को तत्काल दूर कराया जाएगा। और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।
डॉ. रंजन चैधरी
मुख्य चिकित्साधिकारी, बाराबंकी

मूलभूत सुविधाओं के संबंध में किशोरों से किया संवाद, जानीं समस्याएं और आवश्यकताएं

जिला संवाददाता

- जिला जज के निर्देश पर जिला निरीक्षण समिति ने राजकीय बालगृहों का किया निरीक्षण

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, जनपद न्यायाधीश के निर्देश पर शुक्रवार को जिला निरीक्षण समिति के द्वारा राजकीय बालगृह (बालक) दैलवारा, ललितपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, नेहरूनगर, ललितपुर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर नीरज कुमार महाजन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ई.सी.एक्ट.), देवप्रिय सारस्वत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर, नवीन कुमार पांडे सिविल जज जूनियर डिवीजन (एफ.टी.सी.), हेमंत पटेल एस.डी.एम. ललितपुर भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा उच्च न्यायालय जुवेनाइल जस्टिस कमेटी के निदेर्शों के अनुपालन में दोनों संस्थाओं में निवासरत बालकों एवं किशोरों से शैक्षिक व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही बालकों एवं किशोरों से उनके स्वास्थ्य, भोजन, दैनिक दिनचर्या एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना गया। राजकीय बालगृह (बालक) दैलवारा, के निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरों की जांच की गई तो पिछली दो दिन की रिकार्डिंग पायी गयी एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, नेहरूनगर, सी.सी.टी.वी. कैमरों की जांच की गई तो पाया पिछले चार दिनों की रिकार्डिंग उपलब्ध है। सी सी टी वी कैमरों की रिकॉर्डिंग 15 दिन या 1 महीने की होनी चाहिए देवप्रिय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बालकों एवं किशोरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संतुलित आहार, समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से संचालित की जाएं।

दो माह से वेतन को तरसे आउटसोर्स कर्मचारी, डीएम से लगायी भुगतान की गुहार

ललितपुर। माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जून माह का वेतन न मिलने से उत्पन्न आर्थिक संकट को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों और आउटसोर्स एजेंसी की लापरवाही के कारण उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से आउटसोर्स व्यवस्था के तहत विभिन्न विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले दो वर्षों से जून माह का वेतन नियमित रूप से रोक दिया जाता है, जबकि वह जून माह में भी पूरी जिम्मेदारी और नियमित उपस्थिति के साथ कार्य करते हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि आउटसोर्स एजेंसी बालाजी एंटरप्राइजेज समय पर मानदेय का भुगतान नहीं कर रही है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा जून माह की उपस्थिति (अटेंडेंस) समय पर उपलब्ध न कराए जाने के कारण वेतन भुगतान लंबित हो जाता है। कर्मचारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच समन्वय के अभाव का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, घर का किराया और अन्य दैनिक खर्चों का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी जून माह का लंबित मानदेय शीघ्र जारी कराने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में अमित कुमार, रोहित विक्रम सिंह, शिवम, घनश्याम, कृष्णकांत, संतोष, राहुल देव, हरिओम कुशवाहा, अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में आउटसोर्स चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे दूसरे की जमीन का कराया बैनामा, सात पर केस दर्ज

जिला संवाददाता

ललितपुर। तहसील महरौनी क्षेत्र के ग्राम पठा विजयपुरा में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दूसरे की जमीन का फर्जी बैनामा कराने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि जमीन की गलत चैहद्दी दर्शाकर उस पर बनी बाउंड्रीवाल और पिलरों को भी अपना बताकर बैनामा करा दिया गया। राजस्व विभाग की जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद महरौनी पुलिस ने महिला समेत सात नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पठा विजयपुरा निवासी आशीष कुमार पुत्र बृजविहारी ने थाना महरौनी में दर्ज कराई गई तहरीर में बताया कि मौजा पठा विजयपुरा स्थित आराजी संख्या 1307, रकबा 0.082 हेक्टेयर, सिंदवाहा रोड से लगी हुई भूमि राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज है। उक्त भूमि पर उनकी बाउंड्रीवाल और पिलर बने हुए हैं तथा लंबे समय से उनका कब्जा है। आरोप है कि गांव के महेश पुत्र राजाराम और सुरेश पुत्र लक्ष्मीनारायण ने सुनियोजित तरीके से जमीन की गलत चैहद्दी दशार्ते हुए पीड़ित की भूमि, बाउंड्रीवाल और पिलरों को अपना बताकर 14 जुलाई एवं 16 जुलाई 2026 को गांव की फूलन देवी पत्नी पुन्नी के नाम बैनामा करा दिया। उसका कहना है कि 17 जुलाई को जब उसे इस फर्जी बैनामे की जानकारी मिली तो उसने तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की। शिकायत पर तहसीलदार के निर्देश पर लेखपाल द्वारा मौके की जांच की गई, जिसमें शिकायत सही पाई गई और बैनामे में अनियमितताओं की पुष्टि हुई। आशीष कुमार ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि इस पूरे प्रकरण का मुख्य षड्यंत्रकारी रामलाल पुत्र पुन्नी है, जिसके विरुद्ध पूर्व से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पीड़ित का आरोप है कि सुनियोजित षड्यंत्र के तहत उसकी भूमि हड़पने का प्रयास किया गया। प्रकरण में महरौनी पुलिस ने फूलन देवी, रामलाल, जयप्रकाश, पवन, महेश, सुरेश एवं नरेंद्र के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 338 एवं 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

वृक्ष धरती का गहना है, यह प्रकृति का करते है श्रृंगार: गुंजिता अग्रवाल

जिला संवाददाता

- जन व्यापारी उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान मे एसडीएम ने किया पौधरोपण
- पौधे की नियमित देखभाल करने का दिलाया संकल्प

बाराबंकी। पेड हमारे जीवन का आधार हैं। क्योंकि हमें पेड़ों द्वारा ही शुद्ध वायु मिलती है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में पेडों को लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए सुखद जीवन के लिए वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है। वृक्ष हमारे जीवन में कितने उपयोगी हैं यह सच किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में यह धरती का गहना हैं यह प्रकृति का श्रृंगार करते हैं। धरती पर हरियाली ही इन पेड़ों की देन है। उक्त उद्गार जन व्यापारी उद्योग व्यापार मंडल उ0प्र0 द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम मे राम-जानकी मंदिर परिसर में वृक्ष रोपित करने के उपरान्त उपजिलाधिकारी नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल ने कही। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय शैलेंद्र सिंह ने कहा कि हमें पौधारोपण के उपरांत पौधे की नियमित देखभाल करनी चाहिये जब तक कि वह वृक्ष न बन जाये, देखभाल से ही पौधा वृक्ष बनकर पर्यावरण में सहयोग प्रदान करेगा। अस्सिटेंट कमिश्नर जीएसटी शिव शंकर शुक्ला ने कहा कि पौध लगाकर उनकी देखभाल बेहद जरूरी है, सभी एक वृक्ष लगाने का संकल्प लें। श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुमित कुमार व वरिष्ठ निरीक्षक बांट माप श्रीकृष्ण मिश्रा ने कहा कि बरसात में हर व्यक्ति को कम से कम एक-एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए इसके साथ ही औरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। जन व्यापारी उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश महामंत्री रोहिताश्व दीक्षित व जिलाध्यक्ष अंकुर जैन ने कहा कि वृक्ष लगाकर उनकी पुत्र की भांति देखभाल करना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पांडे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी पल्लवी तिवारी, अर्शी फारूकी, अंकिता यादव, भगौती प्रसाद, अरूण कुमार, गौरी शंकर गुप्ता, एड़वोकेट सुजीत कुमार शाह, महामाया सिंह, सभासद पंकज मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मो0 अकील मलिक, हसन अब्बास, सरदार सतपाल सिंह, संतोष गुप्ता, जिला महासचिव मुजीबुद्दीन अंसारी, नितिश जैन आदि मौजूद रहे।

दोपहिया वाहनों की टक्कर में दो की मौत

झांसी। जिले में दोपहिया वाहनों की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक यह घटना बृहस्पतिवार देर रात शिवपुरी रोड स्थित सीपरी ओवर ब्रिज पर हुई। आजाद गंज सीपरी बाजार निवासी रुद्राक्ष बाजपेई (22) अपने दोस्त के यहां जाने के लिए स्कूटी से घर से निकला और ओवरब्रिज से होते हुए इलाइट चौराहे की ओर जा रहा था। तभी सामने से अपने दोस्त के साथ लौट रहे रेलवे कॉलोनी निवासी सक्षम (20) की मोटरसाइकिल से आमने-सामने टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि दोपहिया वाहनों की इस टक्कर में सक्षम और रुद्राक्ष की मौके पर ही मौत हो गई तथा सोमिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की हालत भी गंभीर बनी हुई है। थाना प्रभारी जेपी चौबे ने बताया कि मृत दोनों युवकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है।

संक्षेप

फ्लिपकार्ट ने की नेटफ्लिक्स से साझेदारी

नई दिल्ली। आज फ्लिपकार्ट और नेटफ्लिक्स ने पार्टनरशिप करके फ्लिपकार्ट मेंबर्स को अपनी रोजमर्रा की शॉपिंग पर हर महीने नेटफ्लिक्स मोबाईल प्लान की एक्सेस पाने का अवसर प्रदान किया, जिसके लिए उन्हें अलग से सब्सक्रिप्शन लेने या बंडल्ड रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस पार्टनरशिप के अंतर्गत सरल और फायदेमंद तरीके से दो अनुभवों को एक साथ पेश किया गया है, जो पहले से ग्राहकों के दैनिक जीवन का हिस्सा हैं। भारतीय ई-कॉमर्स के क्षेत्र में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दुनिया की प्रमुख एंटरटेनमेंट सेवा, नेटफ्लिक्स की एक्सेस अलग से सब्सक्रिप्शन खरीदे बिना या किसी अन्य सेवा के साथ बंडल किए बिना दैनिक शॉपिंग के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। यह बेनेफिट 1 अगस्त, 2026 से मिलना शुरू हो जाएगा।

दूसरी तिमाही में गोल्ड का बाजार रहा मजबूत

नई दिल्ली। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने 2026 की दूसरी तिमाही के लिए गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसके मुताबिक गोल्ड की कुल मांग साल-दर-साल 1,269 टन पर स्थिर बनी हुई है1 क्योंकि गोल्ड की कीमतें 2026 की शुरूआत में रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँचने के बाद नरम पड़ने लगीं, जिससे पहली छमाही के लिए मांग साल-दर-साल 2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2,522 टन, यानी 380 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई।दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ, बार, और सिक्कों में निवेश कम होकर 262 टन रह गया। यह गोल्ड की कम कीमतों की वजह से इस साल की शुरूआत में देखी गई तेजी के धीमा पड़ने के कारण हुआ। इस कमी का मुख्य कारण दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ से 45 टन का आउटफ्लो था।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक और टाटा एआईजी में साझेदारी

मुम्बई। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने ग्राहकों को सामान्य बीमा की कई तरह की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत टाटा एआईजी की बीमा सेवाएँ उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की 700 से ज्यादा शाखाओं और बैंकिंग टचपॉइंट्स के जरिए देशभर में उपलब्ध होंगी। बैंक 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 300 से ज्यादा जिलों में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है और बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँच रखता है। इस साझेदारी के बाद रिटेल, एमएसएमई, व्हीकल लोन और होम लोन लेने वाले ग्राहकों को अपनी जरूरत के हिसाब से बीमा की अलग-अलग सुविधाएँ मिल सकेंगी। ग्राहकों को सही जानकारी देने, पॉलिसी से जुड़ी मदद करने और उनकी हर जरूरत में साथ देने के लिए टाटा एआईजी की टीम प्रमुख बैंक शाखाओं में भी मौजूद रहेगी। हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे ग्राहकों का भरोसा है। अलग-अलग वर्गों के लोगों के साथ हमने वर्षों में यह भरोसा बनाया है। इस साझेदारी से उज्जीवन के मजबूत बैंक नेटवर्क और टाटा एआईजी के बीमा अनुभव का फायदा ग्राहकों को मिलेगा।

स्प्राइट का नया अभियान 'स्पाइसी लगा, स्प्राइट उठा' लॉन्च

लखनऊ। स्प्राइट अपने नए अभियान 'स्पाइसी लगा, स्प्राइट उठा' के साथ स्वाद के रोमांच को और बढ़ाने आ गया है। मसालेदार खाने के शौकीन और अपनी तीखेपन की सीमाओं को चुनौती देने वाली आज की युवा पीढ़ी से प्रेरित होकर, यह अभियान स्प्राइट को उस परफेक्ट साथी के रूप में पेश करता है जो तीखापन लगते ही हर बाइट (निवाले) के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है। इस अभियान के केंद्र में उपभोक्ताओं की एक बेहद स्वाभाविक आदत है: जब भी खाना तीखा लगता है, तो वे तुरंत एक ठंडी स्प्राइट की ओर हाथ बढ़ाते हैं। इस व्यावहारिक बात को हास्य के साथ पर्दे पर उतारने के लिए अभियान की फिल्म में युवाओं की पसंदीदा आइकन और स्प्राइट की ब्रांड एम्बेस्डर शर्वरी के साथ मशहूर कॉमेडियन सुनील ग्रोवर एक रेस्टोरेंट के माहौल में नजर आ रहे हैं। सुनील जब अपने मशहूर किरदारों के अंदाज में एक से बढ़कर एक तीखे व्यंजन पेश करते हैं, तो शर्वरी स्वाभाविक रूप से ठंडी स्प्राइट उठाकर पीती हैं। यह स्प्राइट के उसी क्रिस्प लेमन-लाइम स्वाद का जश्न मनाता है जो हर तीखी बाइट को और भी मजेदार बना देता है। तीखा खाना सिर्फ एक फैशन या ट्रेंड नहीं है इससे पता चलता है कि लोग अब ऐसा खाना पसंद कर रहे हैं जिसे वे दूसरों के साथ शेयर कर सकें और जिसका मजा हमेशा याद रहे।

सेंसेक्स में 166 अंकों की उछाल

मुंबई। वैश्विक बाजारों में मजबूती, विदेशी निवेशकों की खरीदारी और बजाज फाइनेंस में तेज उछाल की वजह से घरेलू शेयर बाजारों के प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स में 166 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 66 अंक चढ़ गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार तीसरे सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रखते हुए 166.49 अंक यानी 0.21 प्रतिशत चढ़कर 78,094.64 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 344.1 अंक बढ़कर 78,272.25 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 66.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत बढ़कर 24,383.60 अंक पर बंद हुआ। इस तरह दोनों प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह से अधिक समय के उच्च स्तर पर रहे। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर 8.11 प्रतिशत उछलकर बंद हुआ। कंपनी का जून तिमाही में शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 6,081 करोड़ रुपये रहा है। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयरों में भी तेजी का रुख रहा। दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईटीसी और इंटरग्लेब एविएशन के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 3,623.51 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। उंचे स्तरों पर मुनाफावसूली होने के बावजूद बाजार में सकारात्मक रुख जारी रहा। हालांकि उंची प्रतिफल दरों तथा संभावित ब्याज दर वृद्धि को लेकर सतर्कता बनी रही। तेजी का जारी रहना इस पर निर्भर करेगा कि कंपनियों के तिमाही नतीजे कैसे रहते हैं। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.66 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.48 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में वाहन खंड 1.99 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.78 प्रतिशत, बिजली खंड में 1.26 प्रतिशत और तेल एवं गैस खंड में 1.01 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं, आईटी खंड में 1.39 प्रतिशत की गिरावट रही और फोकस आईटी खंड 1.21 प्रतिशत, एफएमसीजी खंड 0.90 प्रतिशत और अस्पताल खंड 0.78 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

रुपया सात पैसे बढ़कर 95.43 पर बंद

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत होकर 95.43 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी का निवेश बढ़ने और भारतीय रिजर्व बैंक के समर्थन से रुपये में मजबूती आई।

हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और डॉलर के मजबूत होने से रुपये की रफ्तार पर लगाम लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.40 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.25-95.46 के दायरे में रहा। कारोबार के अंत में यह पिछले बंद भाव से सात पैसे बढ़कर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 26 पैसे बढ़कर 95.50 पर बंद हुआ था। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, इस सप्ताह रिजर्व बैंक की लगातार डॉलर बिकवाली से रुपया मजबूत हो रहा है।

रुपये की स्थिरता और मजबूती में योगदान देने वाला दूसरा कारक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की खरीदारी है। पिछले तीन दिनों में, एफपीआई ने 7,360 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत बढ़कर 100.14 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.42 प्रतिशत बढ़कर 89.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 166.49 अंक बढ़कर 78,094.64 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 66.45 अंक बढ़कर 24,383.60 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 277.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बैंक सीमावर्ती जिलों में नकली मुद्रा पहचानने वाली मशीनें लगाये : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं वाले जिलों में स्थित उनकी शाखाओं में नोट की जांच करने वाली मशीनें लगी होनी चाहिए।

केंद्रीय बैंक ने पाया कि नकली मुद्रा की पहचान के लिए कुछ बैंकों के प्रयास पर्याप्त नहीं थे। केंद्रीय बैंक ने अप्रैल में जारी एक मास्टर निर्देश के माध्यम से बैंकों को नकली नोटों की पहचान करने, सूचना देने और उनकी निगरानी करने पर व्यापक निर्देश जारी किए थे। बैंकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे नकदी संभालने वाले अपने सभी कर्मचारियों को असली बैंक नोटों की सुरक्षा विशेषताओं के बारे में प्रशिक्षित करें, ताकि वे नकली नोटों की पहचान कर सकें। इसके अलावा, बैंक को मिलने वाले सभी बैंक नोटों की प्रामाणिकता की जांच मशीनों के माध्यम से की जाएगी, सभी मामलों में जाली नोटों को जब्त किया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में जाली नोट लाने वाले को वापस नहीं लौटाया जाएगा तथा बैंक स्तर पर उसे नष्ट भी नहीं किया जाएगा। निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार पहचान किए गए सभी जाली भारतीय मुद्रा नोटों की सूचना देना अनिवार्य है। रिजर्व बैंक के विश्लेषण से पता चलता है कि इस मामले में कुछ बैंकों के प्रयास पर्याप्त नहीं थे।

सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को फुटकर और आभूषण विक्रेताओं की लिवाली के कारण सोने की कीमतें 300 रुपये बढ़कर 148,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। स्थानीय व्यापारियों ने यह जनकारी दी है।

पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 148,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत 2,24,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रही। व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कीमतें कमजोर होने के बावजूद फुटकर और आभूषण विक्रेताओं की लगातार लिवाली ने घरेलू सोने की कीमतों को सहारा दिया, जबकि चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 48.28 डॉलर या 1.18 प्रतिशत घटकर 4,055.56 डॉलर प्रति औंस हो गया और चांदी लगभग 2 प्रतिशत टूटकर 57.98 डॉलर प्रति औंस रह गई। डॉलर के मजबूत होने के साथ हाजिर सोना बृहस्पतिवार के उच्चतम स्तर से नीचे आ गया है और 4,060 डॉलर प्रति औंस से नीचे फिसल गया है, जबकि चांदी भी ठंडी पड़ गई है और 58 डॉलर के आसपास घूम रही है। विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं के प्रति निवेशकों की दिलचस्पी को कम कर दिया।

अब तक 5.5 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 5.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। इनमें से 42 लाख से अधिक रिटर्न केवल 30 जुलाई को ही दाखिल किए गए।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-। और आईटीआर-2 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 है। आईटीआर फॉर्म-। (सहज) एक सरल फॉर्म है, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करता है। सहज फॉर्म 50 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले निवासी व्यक्ति द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिनकी आय वेतन, एक मकान और प्रति वर्ष 5,000 रुपये तक की कृषि आय से होती है। आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किया जाता है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे के लाभ से नहीं होती, बल्कि पूंजीगत लाभ से होती है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 24 घंटे से भी कम समय बचा है। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 5.5 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं। अकेले 30 जुलाई को 42 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गये।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.12 अरब डॉलर बढ़कर 682.35 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 6.12 अरब डॉलर बढ़कर 682.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद रुपये पर दबाव बढ़ा और आरबीआई को डॉलर की बिक्री के जरिये विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे कई सप्ताह तक भंडार में गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 24 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 4.87 अरब डॉलर बढ़कर 555.93 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में बताई जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.31 अरब डॉलर बढ़कर 103.06 अरब डॉलर हो गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.62 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.75 अरब डॉलर रहा।

मेटा को समन, वैश्विक टीम से पूछताछ करेगी सरकार

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी मेटा के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फेसबुक पोस्ट को प्रतिबंधित किए जाने के बाद केंद्र सरकार उसकी वैश्विक टीम से एल्गोरिदम पूर्वाग्रह और सार्वजनिक व्यवस्था में उनकी भूमिका से जुड़े मुद्दों पर पूछताछ करेगी। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि मेटा की वैश्विक टीम के अगले हफ्ते के मध्य में किसी समय आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मेटा की वैश्विक टीम से स्पष्ट रूप से एल्गोरिदम पूर्वाग्रह से जुड़े मुद्दों, उनका एल्गोरिदम कैसे काम करता है और सार्वजनिक व्यवस्था में कंपनी की भूमिका पर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा जाएगा। यह टीम एक संसदीय समिति के समक्ष भी पेश होगी। सरकारी सूत्रों ने कहा कि यह मामला केवल तकनीकी पहलुओं के बारे में नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के बारे में है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में मेटा के एक शीर्ष कार्यकारी को उस समय तलब किया था, जब भारत के युवाओं को संबोधित करने और पेपर लीक के खिलाफ सख्त उपायों का वादा करने वाली प्रधानमंत्री मोदी की हाल की पोस्ट को फेसबुक पर थोड़े समय के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि अमेरिका मुख्यालय वाली इस सोशल मीडिया कंपनी ने इस घटना के लिए एक तकनीकी खराबी को जिम्मेदार ठहराया और माफी मांगी, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने इस स्पष्टीकरण को अपर्याप्त पाया। इस मुद्दे के बाद, मेटा ने आईटी मंत्रालय को बताया कि प्रधानमंत्री और कुछ प्रमुख खातों के पोस्ट मंच पर अतिरिक्त निगरानी के अधीन होंगे, जिसमें वरिष्ठ कंपनी अधिकारियों को शामिल करते हुए कई स्तरों की जांच होगी। टिप्पणी के लिए मेटा को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। मेटा ने सरकार को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य प्रमुख खातों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री के लिए लागू किए गए उन्नत और कड़े सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने भी प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने वाले कथित तौर पर फर्जी और एआई से बने पोस्ट को लेकर मेटा इंडिया के प्रमुख अरुण श्रीनिवास और फेसबुक तथा इंस्टाग्राम पर कुछ खातों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। सूत्रों ने कहा कि जब नियमों और कानूनों का उल्लंघन होता है, तो देनदारियां तय होंगी। सरकारी सूत्रों ने कहा कि समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव जगजाहिर है।

पेज एक का शेष

हर्ष सिंह

में दोनों में से किसी को निर्णायक स्कोर नहीं मिल सका जिससे मुकाबला गोल्डन स्कोर में गया। इसमें पहले स्कोर करने वाले को विजेता घोषित किया जाता है। अस्मिता ने सडन डैथ में आक्रामक प्रदर्शन करके जीत दर्ज की।

किसानों को

नए अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने अधिकाधिक मंडियों को ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) प्लेटफॉर्म से जोड़ने, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से अधिकाधिक किसानों को जोड़ने तथा प्रत्येक जनपद में ऑर्गेनिक उत्पादों के सर्टिफिकेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित आय-व्यय अनुमान तथा वर्ष 2026-27 के बजट को अनुमोदित किया गया। वर्ष 2026-27 के लिए 2228.59 करोड़ की अनुमानित प्राप्तियों तथा 3025.49 करोड़ के व्यय प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की मंडी समितियों की आय वर्ष 2024-25 के 1991.33 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 2305.80 करोड़ पहुंच गई है, जिससे 15.79 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। बजट में मंडी स्थलों के निर्माण एवं विस्तार, संपर्क मार्गों के निर्माण एवं मरम्मत, ग्रामीण हाट, किसान बाजार, गोवंश आश्रय स्थलों, छात्रावास निर्माण, मंडी समितियों के लिए भूमि क्रय तथा अन्य विकास कार्यों के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं।

हर घर तिरंगा

स्मृति दिवस के आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्षों में इस अभियान को अभूतपूर्व जनसहभागिता के साथ सफल बनाकर पूरे देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। सभी सरकारी, अर्धसरकारी, सहायता प्राप्त विभाग/संस्थान, स्थानीय निकाय, शैक्षणिक संस्थान, ग्राम पंचायतें, राशन की उचित दर की दुकानें, औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा सामाजिक संगठन अपने भवनों पर तिरंगा फहराएं। उन्होंने कहा है कि समन्वित प्रयासों से अभियान अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करेगा। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 में प्रदेश के 4.10 करोड़ से अधिक, वर्ष 2023 और 2024 में 4.50 करोड़ से अधिक तथा वर्ष 2025 में 4.76 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराया गया था।

पीएम-किसान

किसानों को लाभ पहुंचा, जिसमें 18,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई। बयान में कहा गया, महिला किसानों को पीएम-किसान के तहत 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक मिले और प्रत्येक चार लाभार्थियों में लगभग एक महिला किसान है। सरकार ने कहा कि पीएम-किसान के तहत दी जाने वाली सहायता ने किसानों को बीज, उर्वरक, सिंचाई, कृषि मशीनरी और अन्य कृषि आवश्यकताओं में समय पर निवेश करने में सक्षम बनाया है। इसमें आगे कहा गया, योजना ने किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई है, असंगठित क्षेत्र पर ज ण को लेकर उनकी निर्भरता कम की है और ग्रामीण परिवारों की वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री सूर्य

विकसित की जाएंगी, जिनमें कम-से-कम दो घंटे की ऊर्जा भंडारण क्षमता यानी 10,000 मेगावाट-घंटा होगी।

इन परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच स्वीकृत किया जाएगा, जबकि वित्तीय सहायता का वितरण 2032-33 तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को मंजूरी दी गई। बयान में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) के आकलन का उल्लेख करते हुए कहा गया कि देश में जलाशयों और अन्य उपयुक्त अंतर्देशीय जल निकायों में लगभग 102.18 गीगावाट की फ्लोटिंग सौर क्षमता उपलब्ध है।

समुद्र मंथन

गैस मंत्रालय के तहत लागू की जाने वाली यह योजना समुद्री अन्वेषण से जुड़ी समूची मूल्य शृंखला में व्यापक हस्तक्षेपों का प्रावधान करती है। अधिकारियों ने कहा कि इस योजना के तहत गहरे समुद्र और अति-गहरे समुद्री क्षेत्रों में प्रत्येक कुएं की ड्रिलिंग के लिए 650 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी, ताकि घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाया जा सके और आयात पर निर्भरता कम की जा सके। समुद्र मंथन योजना के कुल परिव्यय में से 43,200 करोड़ रुपये वर्ष 2031 तक पांच वर्षों के दौरान गहरे समुद्र में ड्रिलिंग गतिविधियों के समर्थन के लिए आवंटित किए जाएंगे। इसके अलावा, 10,000 करोड़ रुपये नई खोजों को उत्पादन में लाने के लिए आवश्यक साझा बुनियादी ढांचे पर खर्च किए जाएंगे। आधिकारिक बयान के मुताबिक, योजना के तहत समुद्री क्षेत्र से आंकड़ा जुटाने के लिए 28,534 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जबकि तेल एवं गैस विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। गौरतलब है कि गहरे समुद्र क्षेत्रों में, जहां पानी की गहराई ।,500 मीटर से अधिक होती है, एक कुएं की ड्रिलिंग पर 10 करोड़ डॉलर से 25 करोड़ डॉलर तक की लागत आ सकती है और इसके सफल होने की कोई गारंटी नहीं होती है।

खेलो इंडिया के

पांच वर्षों में 7,387 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के लिए इस मद में पहले 425 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान था। सरकारी बयान में कहा गया, स्वीकृत बजट पिछले खेलो इंडिया कार्यक्रम की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक है जो युवाओं के विकास, राष्ट्र निर्माण और भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्कूल स्तर पर खेलों को मजबूत करने के लिए सरकार ने दो नयी पहल शुरू की हैं जो खेलो इंडिया फीडर स्कूल और खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालय हैं। इनका उद्देश्य खेलों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना, प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना और उन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित करना है। एएनएसएफ योजना के तहत 2026-31 की अवधि के लिए भारतीय खिलाड़ियों और टीम को कोचिंग, खेल विज्ञान, आधुनिक उपकरण, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी, प्रशिक्षण शिविरों और विदेशी विशेषज्ञों की सेवाओं के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

बंगाल में

सहयोगी भी माना जा रहा है, जिसे 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के कथित मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता है। उल्लेखनीय है कि पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी कार से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को ले जा रही बस को टक्कर मार दी थी। इस हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे। मंडल को शुक्रवार को बर्धमान की एक अदालत में पेश किया गया। पड़ोसी फ्लैट मालिकों ने बताया कि मंडल पिछले लगभग डेढ़ साल से अपने परिवार के साथ किराये के फ्लैट में रह रहा था।

ताहिर हुसैन

देर नहीं हुई है। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा मैं एसपीपी की दलील पर इस बात पर सहमत होने में खुद को असमर्थ पाता हूं कि दोषी सुधार से परे हैं या उनका चरित्र इतना खराब है कि जेल में भी उनका लगातार रहना समाज के लिए खतरा होगा। इसमें कहा गया है कि राज्य ने यह स्थापित करने के लिए रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं पेश किया है कि किसी भी दोषी का कोई हिंसक स्वभाव या अपराध की प्रवृत्ति है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने सभी पांच दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए कहा था कि शर्मा पर लगातार हमला करते समय वे जानवर होने के स्तर तक गिर गए थे। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने कहा था कि शर्मा की बेरहमी से हत्या की गई थी और दोषियों ने उन पर कोई दया नहीं दिखाई, इसलिए उन्हें कोई रियायत नहीं दी जानी चाहिए। पांडे ने कहा था कि जो लोग आज दया की गुहार लगा रहे हैं, उन्हें खुद दया दिखानी चाहिए थी, किसी की तरफ से कोई रहम नहीं दिखाया गया और अंकित को किसी ने अस्पताल भी नहीं पहुंचाया।

आंबेडकर प्रतिमा

किया है। पुलिस के अनुसार, गौरी बाजार थाना क्षेत्र के पोखरभिंडा गांव में कुछ लोग बिना प्रशासन की अनुमति के खलिहान की भूमि पर चबूतरा बनाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर प्रशासन सक्रिय हुआ।

रुद्रपुर के उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी मंगलवार को मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझाकर प्रतिमा स्थापित करने से रोक दिया। इसके बाद गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। बृहस्पतिवार को दिन में अचानक कुछ लोग उग्र हो गए और गांव में तैनात पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हुए।

भिवंडी में गिरी

महानगरपालिका (बीएनसीएमसी) ने बताया कि उसने सितंबर 2020 में ही इस इमारत को खतरनाक घोषित कर दिया था और आखिरकार इस साल पांच जून को इसे खाली करने का नोटिस जारी किया जिसके बाद बिजली और पानी की आपूर्ति काट दी गई। लेकिन इसके बावजूद संपत्ति के मालिकों ने नगर निकाय से कोई अनुमति लिए बिना ही इमारत की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। महानगरपालिका के आयुक्त ने गैर-कानूनी मरम्मत के काम में शामिल ठेकेदार के खिलाफ सख्त दंडात्मक और आपराधिक कार्वाई का आदेश दिया। महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा, भिवंडी में इमारत ढहने की घटना में नौ लोगों की मौत हो चुकी है। घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि इस इमारत में कुल 48 कमरे थे और हर मंजिल पर 12 कमरे थे। बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे, वहां रहने वालों ने इमारत से तेज दरार पड़ने जैसी आवाजें सुनीं।

संसद में

पंजीकरण एक वर्ष से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अथवा किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होती है। विधेयक में देरी की अवधि के आधार पर दो-स्तरीय मंजूरी व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। विधेयक पारित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह इतना महत्वपूर्ण विधेयक है और हम चाहते थे कि सब सदस्य इसके भाग लें।

गृह मंत्री के

पुलिस की कार्वाई को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। वे आसन के निकट पहुंचकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की।

जनशिकायतों का

के अधिकारियों के साथ गढ़वाल मंडल के आयुक्त और आईजी को भी निर्देश दिए कि उनके स्तर से संबंधित मामलों की नियमित निगरानी की जाए और शिकायतकर्ताओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की जवाबदेही का वास्तविक आकलन इस बात से होता है कि आम नागरिक की समस्या कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से हल होती है। इसलिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए अनावश्यक पत्राचार और विलंब से बचना चाहिए। नौटियाल के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

खेलो इंडिया के लिए 29 हजार करोड़ का बजट

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वतंत्रता के बाद का सबसे महत्वाकांक्षी खेल विकास कार्यक्रम बताते हुए शुक्रवार को खेलो इंडिया योजना के विस्तार और राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली सहायता (एएनएसएफ) के बजट के लिए अगले पांच वर्षों कुल 36,441 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी।

सरकार ने खेलो इंडिया योजना के लिए अगले पांच वर्षों में 29,054 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें तैयार करना है, ताकि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के माध्यम से वैश्विक खेल केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। वहीं राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सहायता के लिए अगले पांच वर्षों में 7,387 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के लिए इस मद में पहले 425 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान था। सरकारी बयान में कहा गया, स्वीकृत बजट पिछले खेलो इंडिया कार्यक्रम की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक है जो युवाओं के विकास, राष्ट्र निर्माण और भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्कूल स्तर पर खेलों को मजबूत करने के लिए सरकार ने दो नयी पहल शुरू की हैं जो खेलो इंडिया फीडर स्कूल और खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालय हैं। इनका उद्देश्य खेलों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना, प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना और उन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित करना है। एएनएसएफ योजना के तहत 2026-31 की अवधि के लिए भारतीय खिलाड़ियों और टीम को कोचिंग, खेल विज्ञान, आधुनिक उपकरण, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी, प्रशिक्षण शिविरों और विदेशी विशेषज्ञों की सेवाओं के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। सरकार ने कहा कि यह वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों के साथ खेल सहयोग को भी बढ़ावा देगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देगा। बयान में कहा गया, महिला खिलाड़ियों, पैरा-एथलीट, स्वदेशी खेलों तथा शांति, समावेशन और सामुदायिक विकास के माध्यम के रूप में खेलों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। बयान के अनुसार, इस योजना के तहत राष्ट्रीय खेलों के आयोजन और भारत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी। योजना में एक एकीकृत डिजिटल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म विकसित करने का भी प्रस्ताव है जिसमें खिलाड़ियों का डेटाबेस, खेल अवसंरचना, प्रतियोगिताएं, कोचिंग संसाधन, प्रतिभा मूल्यांकन, वित्तीय सहायता और फिट इंडिया अभियान से जुड़ी जानकारी को एक मंच पर लाया जाएगा। सरकार के अनुसार यह प्लेटफॉर्म डेटा-आधारित योजना निर्माण, पारदर्शी प्रशासन और खिलाड़ियों के व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देगा। सरकार ने कहा कि उसे विश्वास है कि इस पुनर्गठित योजना से भारत की दीर्घकालिक खेल महत्वाकांक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार होगा जिसमें देश की ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की दावेदारी भी शामिल है। योजना के तहत एक और महत्वपूर्ण सुधार के रूप में मौजूदा खेलो इंडिया एथलीट्स कार्यक्रम के साथ इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स नामक नयी श्रेणी बनाई जाएगी। सरकार ने कहा कि इससे खिलाड़ियों के संरचित विकास तंत्र का दायरा लगभग दस गुना तक बढ़ जाएगा और हजारों अतिरिक्त युवा खिलाड़ियों को पेशेवर कोचिंग, खेल विज्ञान आधारित सहायता तथा दीर्घकालिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। देशभर में प्रतिभा की पहचान के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज तंत्र विकसित किया जाएगा। इसके तहत क्षेत्रीय समितियां, स्काउट्स, हाई परफॉर्मेंस निदेशक और हाई परफॉर्मेंस मैनेजर मिलकर देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करेंगे, उनकी प्रगति पर नजर रखेंगे।

उन्नति और तन्वी ताइपे ओपन के सेमीफाइनल में

ताइपे। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को ताइपे ओपन के अपने महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। किरण जॉर्ज हालांकि पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में जापान के चौथे वरीय युडाई ओकिमोटो से 33 मिनट में 12-21 10-21 से हार गए। उन्नति ने हमवतन देविका सिहाग को 23-21, 21-16 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया। वहीं तन्वी ने थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग को 54 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में 21-15 18-21 21-14 से शिकस्त दी। दिन में दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा जहां उन्नति ने धैर्य का परिचय देते हुए 23-21 से जीत दर्ज की। उन्नति ने शानदार शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त बना ली।

बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास किया श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला में खेलेंगे

नयी दिल्ली। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं और उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे।

चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2-0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला काफी चुनौतीपूर्ण होने की उम्मीद है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी चोटिल होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं जबकि तेज गेंदबाज आकाशदीप अभी तक पीठ की दर्द से नहीं उबर पाए हैं।

संक्षेप

फीफा सलाहकार का इस्तीफा

न्यूयॉर्क। फीफा के वरिष्ठ सलाहकार कार्लोस कॉर्डेइरो ने विश्व कप फुटबॉल की निजी इक्विटी योजना के विरोध में शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विश्व कप के लिए व्हाइट हाउस टास्क फोर्स में फुटबॉल संस्था का प्रतिनिधित्व किया था। गोल्डमैन सैक्स के पूर्व बैंकर कोर्डेइरो ने बयान जारी करके फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो के सलाहकार पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं चुपचाप नहीं बैठ सकता जबकि फीफा विश्व कप में हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहा है। कॉर्डेइरो ने फीफा के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी इस मामले में खुलकर अपने विचार रखने का आग्रह किया। हाल के वर्षों में कोर्डेइरो अक्सर इन्फेंटिनो के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए व्हाइट हाउस जाते थे। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव में मेरी कोई भूमिका नहीं है और मैं इसका स्पष्ट रूप से विरोध करता हूं।

यूरोप ने विश्व कप बहिष्कार की धमकी दी

जेनेवा। जेनेवा, 31 जुलाई (एपी) फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की विश्व कप समेत प्रमुख फुटबॉल प्रतियोगिताओं में निजी निवेशकों को हिस्सेदारी देने की विवादित योजना के खिलाफ यूरोपीय देशों ने बड़ा कदम उठाते हुए बृहस्पतिवार को फीफा विश्व कप और उसकी सभी प्रतियोगिताओं के बहिष्कार करने पर सहमति जता दी है। उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल परिसंघ (कॉनकाकाफ) ने भी इस प्रस्ताव को खारिज कर इन्फेंटिनो पर दबाव और बढ़ा दिया। यूरोपीय फुटबॉल महासंघ (यूईएफए) ने अपने 55 सदस्य देशों की आपातकालीन ऑनलाइन बैठक के बाद कहा, यूईएफए और उसके सदस्य संघ फीफा की किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे। फीफा का अगला निर्धारित टूर्नामेंट पांच सितंबर से पोलैंड में आयोजित होने वाला अंडर-20 महिला विश्व कप है। वहीं, 2035 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए ब्रिटेन के चारों फुटबॉल संघ संयुक्त रूप से एकमात्र दावेदार हैं, जिस पर 23 नवंबर को फैसला होना है। यूईएफए ने अपने बयान में कहा, कुछ चीजें बिकाऊ नहीं होतीं। फीफा विश्व कप फुटबॉल की धरोहर है और हमेशा रहेगा। जब तक यूरोप की आवाज सुनी जाएगी, इसे कभी बिक्री के लिए नहीं रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इन्फेंटिनो ने फीफा के 211 सदस्य देशों को मध्य सितंबर तक एक प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए कहा है। इसके तहत प्रत्येक सदस्य संघ को मौजूदा वित्तीय आर्थिक सहायता एक करोड़ की जगह दो करोड़ डॉलर देने का वादा किया गया है।

यूपी प्रो हैंडबॉल लीग के दूसरे सीजन का बजा बिगुल जनवरी 2027 में लखनऊ में भिड़ेंगी आठ टीमें

लोगो का हुआ अनावरण, पहली बार लखनऊ की टीम होगी शामिल, विजेता को मिलेंगे तीन लाख रुपये

लखनऊ। पहले सीजन के सफल और रोमांचक आयोजन के बाद यूपी प्रो हैंडबॉल लीग (यूपीपीएचएल) अब अपने दूसरे संस्करण के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एसएन पाण्डेय खेल संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाली इस लीग का दूसरा सीजन जनवरी 2027 में लखनऊ में खेला जाएगा।

इस बार लीग में छह के स्थान पर आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें पहली बार लखनऊ की टीम भी शामिल होगी। इस बार विजेता टीम को 2.50 लाख रुपए व उपविजेता टीम को 1.50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा आइकॉनिक ओलंपिक गेम्स अकादमी की ओर से दोनों ही टीमों को 50-50 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के काउंसिल मेंबर डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय (कार्यकारी निदेशक-हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया, सीईओ- यूपी प्रो हैंडबॉल लीग) ने लीग के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों के उत्कृष्ट 10 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि पहले सीजन की सफलता ने दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं प्रतिस्पर्धी स्वरूप में आयोजित करने का विश्वास दिया है। मुझे विश्वास है कि दूसरा सीजन प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का बेहतर अवसर देगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में हैंडबॉल का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना है। पहले सीजन में हमें खिलाड़ियों, टीमों और खेल प्रेमियों से जिस तरह का समर्थन मिला, उसने हमें दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं पेशेवर स्तर पर आयोजित करने का विश्वास दिया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और प्रदेश के साथ-साथ देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समान अवसर मिलेगा। हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश को हैंडबॉल का मजबूत केंद्र बनाना और इस लीग के माध्यम से नई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है।

सीमा कालीरमण की शानदार वापसी राष्ट्रमंडल खेलों में जीता कांस्य पदक

ग्लास्गो। भारत की सीमा कालीरमण को गर्भावस्था के बाद गठिया हो गया था लेकिन उन्होंने इस पर काबू पाया और पिछले साल वापसी करने के बाद यहां राष्ट्रमंडल खेलों में में बृहस्पतिवार को महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता लेकिन वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से मामूली अंतर से चूक गईं।

उनकी साथी खिलाड़ी निधि रानी इसी स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। सीमा ने 58.65 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ी ने यह दूरी अपने तीसरे प्रयास में हासिल की। वह हालांकि 59.73 मीटर के अपने निजी और सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहीं। निधि ने 57.10 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उनका निजी और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58.82 मीटर है। जमैका की समंथा हॉल ने अपने पांचवें प्रयास में 61.66 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता। सीमा ने कहा, मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो नहीं कर पाई, लेकिन अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थी। हरियाणा के भिवानी की रहने वाली 27 वर्षीय सीमा ने गर्भावस्था के बाद गठिया और घुटने की चोट जैसी जटिल समस्याओं से उबरने के लिए कुछ समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी की। उनका बेटा अब चार साल का है। सीमा भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में पीएचडी भी कर रही हैं। उन्होंने कहा, गर्भावस्था के बाद मुझे गठिया हो गया था, जिसके कारण कई समस्याएं पैदा हो गई थी। अपने पति और परिवार के सहयोग से ही मैं आज यहां पर हूं। सीमा ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा था कि मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगी। बहुत ठंड थी, लेकिन स्पला (पोलैंड) में खेलों से पहले अभ्यास करने से हमें ऐसे मौसम के लिए तैयार करने में मदद की। अपने भविष्य के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर सीमा ने कहा कि मेरा कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं है। मैं केवल अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं, कड़ी मेहनत करना चाहती हूं, चाहे मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल कर पाऊं या नहीं। इससे पहले निधि ने 53.19 मीटर के थ्रो के साथ भारत के अभियान की शुरुआत की, लेकिन नाइजीरिया की ओबियागेरी पामेला अमाएची (53.68 मीटर) और युगांडा की मोनी नोरा अतीम (55.37 मीटर) ने तुरंत उन्हें पीछे छोड़ दिया। वहीं सीमा ने अपना चक्का नेट में डालकर फाउल के साथ शुरुआत की। इसके बाद टंक्स ने 58.21 मीटर के शुरुआती प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन हॉल ने 59.27 मीटर के साथ बढ़त बना ली। निधि ने दूसरे प्रयाास में 55.67 मीटर का दमदार थ्रो करके तीसरा स्थान हासिल किया, लेकिन सीमा ने जल्द ही चक्का 57.32 मीटर तक फेंककर अपनी हमवतन को पीछे छोड़ दिया। टंक्स ने 60.67 मीटर के प्रयास से रजत पदक पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, जबकि सीमा आधे चरण में 58.65 मीटर की दूरी तय करके कांस्य पदक के लिए मजबूत दावेदार बन गईं। हॉल ने चौथे प्रयास में 60.95 मीटर के शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी श्रेष्ठता साबित की और फिर पांचवें प्रयास में 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। राष्ट्रमंडल खेलों में चक्का फेंक में पदक हासिल करने के मामले में सीमा पूनिया भारत की सबसे सफल खिलाड़ी हैं। उनके खाते में तीन रजत (2006, 2014, 2018) और एक कांस्य (2010) पदक हैं। कृष्णा पूनिया (2010) और विकास गौड़ा (2014) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं।

राष्ट्रमंडल मुक्केबाजी में प्रीति जीत के साथ फाइनल में पहुंची

ग्लास्गो। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार (54 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से पराजित कर शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बना ली। भिवानी की एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता 22 वर्षीय प्रीति ने मुकाबले के दौरान शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बांयी ओर से सटीक पंच और प्रभावी जवाबी हमले के दम पर म्वापे को लगातार दबाव में रखा।

फाइनल में प्रीति के सामने स्कारलेट डेलगाडो की चुनौती होगी। कनाडा की इस मुक्केबाज ने एक अन्य सेमीफाइनल में इंग्लैंड की लॉरेन मैकी को 4-1 से हराया। प्रीति ने जीत के बाद पीटीआई से कहा, मैं बहुत खुश हूं कि जिस तरह की तैयारी की थी, उसे रिंग में उतारने में सफल रही। अब मेरा पूरा ध्यान स्वर्ण पदक जीतने पर है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेती। अपने कोच के साथ हर मुकाबले की पूरी तैयारी करती हूं और खुशी है कि उन योजनाओं को अमल में ला पा रही हूं। म्वापे पूरे मुकाबले में प्रभावी पंच लगाने के लिए जूझती रहीं, जबकि प्रीति के संयोजित पंच का उनके पास कोई जवाब नहीं था। पहले दो राउंड में जाम्बिया की मुक्केबाज को तीन बार एट काउंट का सामना करना पड़ा, जो भारतीय मुक्केबाज के एकतरफा वर्चस्व का प्रमाण रहा। दूसरे राउंड में प्रीति के प्रदर्शन से प्रभावित सभी पांच निर्णायकों ने उन्हें 10-8 का स्कोर दिया। अंतिम राउंड में म्वापे मुकाबले में वापसी की कोशिश करने के बजाय प्रीति के आक्रामक हमलों से बचती नजर आईं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं लवप्रीत और सीमा को बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों के भारोत्तोलन और महिलाओं की चक्का फेंक स्पर्धा में पदक जीतने पर लवप्रीत सिंह और सीमा कालीरमण को शुक्रवार को बधाई दी।

राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारोत्तोलन में पुरुषों के 110 किलोग्राम से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीतने पर लवप्रीत सिंह को हार्दिक बधाई। आपका शानदार प्रदर्शन आपके अटूट दृढ़ संकल्प, असाधारण शक्ति और उत्कृष्टता को दर्शाता है। आपकी इस उपलब्धि ने हर भारतीय को अपार गर्व और खुशी दी है। मैं कामना करती हूं कि आने वाले वर्षों में आप और भी कई उपलब्धियां हासिल करें। पंजाब के सीमावर्ती जिले अमृतसर के बाल सिकंदर गांव के रहने वाले लवप्रीत एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता दर्जी हैं, जबकि उनके दादा सब्जियां बेचकर अपना जीवन यापन करते थे। मुर्मू ने एक अन्य पोस्ट में कहा, राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर सीमा कालीरमण को हार्दिक बधाई। आपकी यह उपलब्धि आपकी दृढ़ता, समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

जर्सी विवाद : अध्यक्ष, कार्यकारी बोर्ड को बताये बिना लिया गया फैसला, टिर्की ने मांगी सफाई

नयी दिल्ली। भारतीय हॉकी टीमों की जर्सी का रंग बदलने के फैसले पर विवाद बढता ही जा रहा है और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने अब महासंघ के पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है कि उनकी और कार्यकारी बोर्ड की जानकारी या सहमति के बिना यह बड़ा फैसला कैसे लिया गया, जबकि महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि सभी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी थी। नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप से पहले भारतीय टीमों की जर्सी का रंग नीले से केसरिया कर दिया गया जिसे लेकर वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, वी भास्करन, धनराज पिल्लै जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं।

वहीं मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया और विपक्षी दलों ने इस पर सरकार को आड़े हाथों लिया है। टिर्की सहित हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों का कल तक कहना था कि खेल के मैदान पर इस्तेमाल होने वाली नीली पिच से रंग की समानता से बचने के लिए यह पूरी तरह से तकनीकी निर्णय था। लेकिन अब टिर्की ने सुबह कार्यकारी बोर्ड को भेजे ईमेल में लिखा, जर्सी का रंग बदलने का फैसला कार्यकारी बोर्ड के समक्ष रखने या मेरी पूर्व जानकारी के बिना लिया गया। मैं हॉकी इंडिया पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण चाहता हूं कि मुझे तुरंत लिखित में बताया जाये कि इस फैसले का आधार क्या था, किस प्रक्रिया का पालन किया गया और किन हालात में इस फैसले को मंजूरी दी गई और लागू किया गया। ओडिशा सरकार ने मुझसे इस मसले पर स्पष्टीकरण मांगा है लिहाजा मुझे सही जवाब देने के लिये आपसे स्पष्टीकरण चाहिये। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों से उचित परामर्श के बाद उनकी मांगों को ही लागू किया है। उन्होंने कहा कि जर्सी का रंग बदलने के फैसले के बारे में ग्रुप में जानकारी दी गई थी, इसलिए सभी अधिकारियों को इसका पता होना चाहिए। हमने कभी नहीं सोचा था कि यह इतना बड़ा मुद्दा बन जाएगा। रंग बदलने के लिए हम पर कहीं से भी कोई बाहरी दबाव नहीं था। इसे बेवजह राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या हॉकी इंडिया इस फैसले पर पुनर्विचार करेगा, तो सिंह ने कहा, मैं अकेले फैसले नहीं ले सकता। हमें इस पर चर्चा करनी होगी। आखिरकार, यह खिलाड़ियों और कोचों की मांग थी और हमने उनकी बात मानी। समझा जाता है कि मामले पर बृहस्पतिवार को विवाद बढता देखकर टिर्की ने मौखिक रूप से अधिकारियों से जर्सी का रंग बदलने को लेकर सवाल पूछा था और हैरानी जताई थी कि उनकी जानकारी के बिना यह कैसे किया गया। टिर्की ने आगे लिखा, यह मसला काफी सुर्खियों में आ गया है और कई हलकों में इसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। विश्व कप ज्यादा दूर नहीं है जिसकी वजह से मैने सार्वजनिक तौर पर कहा कि यह फैसला खेल से जुड़े कारणों से लिया गया ताकि टीम और उसकी तैयारियों पर फोकस रहे।

आंध्र प्रदेश व कर्नाटक को मोदी देंगे आज सौगात

प्रधानमंत्री विशाखापत्तनम में एएसआईपी सेमीकंडक्टर परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का दौरा करेंगे। इस दौरान वह एक नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे तथा 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री विशाखापत्तनम में एएसआईपी सेमीकंडक्टर परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे, जिसे 460 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित किया जा रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान प्रधानमंत्री सबसे पहले आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। दोपहर में मोदी कर्नाटक के मैसूरु स्थित रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र- विवेक स्मारक का उद्घाटन करेंगे और वहां उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। बयान के अनुसार, 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित ग्रीनफील्ड अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को प्रतिवर्ष 60 लाख यात्रियों की क्षमता के अनुरूप तैयार किया गया है। बयान में कहा गया है कि यात्री टर्मिनल भवन को आधुनिक, सुगम और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। हवाई अड्डे में परिचालन दक्षता बढ़ाने और भविष्य की विमानन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और टिकाऊ सुविधाओं को शामिल किया गया है। टर्मिनल भवन को ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है और इसका पंजीकरण यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (यूएसजीबीसी) के साथ किया गया है। हवाई अड्डे की वास्तुकला आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। विशाखापत्तनम स्थित एएसआईपी सेमीकंडक्टर परियोजना को एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया के एपीएसीटी के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। यह इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई होगी। यह संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिपों का उत्पादन करेगा और उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर पैदा करेगा। साथ ही, यह सेमीकंडक्टर विनिर्माण को समर्थन देने वाले मजबूत सहायक उद्योग के विकास में भी मदद करेगा। कर्नाटक में प्रधानमंत्री मैसूरु स्थित स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र- विवेक स्मारक का उद्घाटन करेंगे। यह स्मारक नवंबर 1892 में स्वामी विवेकानंद की मैसूरु यात्रा की ऐतिहासिक स्मृति को समर्पित है, जब वह भारत भ्रमण पर थे। अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने कई प्रवचन दिए, विद्वानों और श्रद्धालुओं से संवाद किया तथा महाराजा श्री चामराजेंद्र वाडियार दशम का संरक्षण प्राप्त किया। महाराजा के सहयोग से ही वह 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में भाग लेने के लिए यात्रा कर सके।

यूक्रेन पर रूस ने किया भीषण हमला

कीव। रूस ने रात यूक्रेन के पूर्वी से लेकर पश्चिमी हिस्सों तक कई स्थानों पर मिसाइल और अन्य हथियारों से हमले किए, जिनमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक जनहानि पूर्वी निप्रोपेत्रोव्स्क और पश्चिमी ल्वीव क्षेत्रों में हुई। हाल के महीनों में रूस ने यूक्रेन के शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं और अब ऐसे हमले लगभग हर सप्ताह हो रहे हैं। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने बताया कि रूसी बलों के बड़े हमले में छह लोगों की मौत हो गई, 10 अन्य घायल हुए तथा नागरिक ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने टेलीग्राम पर बताया कि मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। इनमें छह वर्षीय एक बच्ची तथा 11 और 17 वर्ष के दो किशोर शामिल हैं, जिनकी मौत क्रिवी रीह क्षेत्र में हुई। ल्वीव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि रूसी मिसाइल हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है और बचाव अभियान जारी है। ल्वीव के महापौर आंद्री सादोवी ने बताया कि शहर पर तड़के करीब 4.45 बजे हमला किया गया। उच्च रिहायशी इमारतों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा, जबकि 20 से अधिक आवासीय भवन, एक स्कूल और दो किंडरगार्टन भी क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने कहा कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजधानी कीव में रूसी बलों ने बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 31 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय पुलिस की प्रेस सेवा ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हमले में शहर की रिहायशी इमारतें, एक बाजार, गैराज परिसर, भंडारण सुविधाओं और कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। कीव क्षेत्र के ब्रोवेरी जिले में भी पांच लोग घायल हुए हैं। कार्यवाहक क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख रुसलान ओलियीनिक ने फेसबुक पर बताया कि घायलों में एक नाबालिग और दो महिलाएं शामिल हैं।

गृह मंत्री संसद में आने से क्यों डर रहे हैं : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर बीते 20 जुलाई को बलप्रयोग किए जाने को लेकर गृह मंत्री अमित शाह पर एक बार फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह संसद में आने से तथा इस मामले पर सफाई देने से क्यों डरे हुए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा भी किया कि गृह मंत्री के इस रुख से अपराधबोध दिखाई देता है। अमित शाह छात्रों के खिलाफ हुई बर्बर हिंसा पर संसद में आकर सफाई देने से इतना क्यों डर रहे हैं? इससे अपराधबोध की बू आती है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र न्याय के हकदार हैं और उनके साथ प्रदर्शन के दौरान हुई कथित बर्बरता की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्वाई का एक वीडियो साझा करते हुए कहा छात्र न्याय के हकदार हैं। हमारे छात्रों के साथ हुई बर्बरता की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया जाना चाहिए।

संक्षेप

भारत ने निजी अंतरिक्ष कंपनियों के लिए नये दिशानिर्देश जारी किये

नयी दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने अपने नये दिशानिर्देशों में कहा है कि निजी अंतरिक्ष कंपनियों को पूर्व निर्धारित योजना के तहत किसी वस्तु को अंतरिक्ष से पृथ्वी पर वापस लाने के दौरान जान-माल के नुकसान के जोखिम को 10 हजार के अनुपात में एक से कम तक सीमित करना होगा। भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अधीन काम करने वाली इन-स्पेस निजी कंपनियों की अंतरिक्ष क्षेत्र की सभी गतिविधियों को विनियमित करने वाली एकल एजेंसी है। इसने यह भी अनिवार्य कर दिया है कि किसी भी भारतीय कंपनी को अंतरिक्ष में भेजी गई किसी भी वस्तु को वापस सतह पर लाने की (फिर चाहे वह भारतीय क्षेत्र के अंदर हो या बाहर) योजना बनाने के लिए उसकी मंजूरी लेनी होगी। इन-स्पेस ने भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 के तहत अंतरिक्ष से कोई प्रक्षेपित वस्तु की योजनाबद्ध वापसी की मंजूरी से जुड़े नियम, दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं शीर्षक से नये दिशानिर्देश 23 जुलाई को जारी किये। इन दिशानिर्देशों को बुधवार को सार्वजनिक किया गया। जो विदेशी संस्थाएं अपने प्रक्षेपित वस्तु को योजनाबद्ध तरीके से वापस लाना चाहते हैं।

पीओके में चुनाव के बीच सुरक्षा बलों, जेएएसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, तनाव बरकरार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट क्षेत्र में सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें जारी रहने के कारण तनाव की स्थिति बनी रही। इस सप्ताह कई लोगों की जान ले चुकी ये झड़पें ऐसे समय हो रही हैं, जब पीओके में क्षेत्रीय चुनाव जारी हैं। जेएएसी से जुड़े प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद पर अपनी मांगें मानने का दबाव बनाने के लिए मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने पर अड़े हुए हैं।

जेएएसी विभिन्न कार्यकर्ता संगठनों का एक समूह है, जो पिछले लगभग दो महीने से पीओके की तथाकथित विधानसभा की 12 विवादित सीटों को लेकर प्रदर्शन कर रहा है। संगठन का आरोप है कि सैन्य प्रतिष्ठान इन सीटों का इस्तेमाल अपनी पसंद के व्यक्ति को (पीओके का) प्रधानमंत्री बनवाने के लिए करता है।

जॉर्डन की वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से दागी गईं पांच मिसाइल को मार गिराया

एजेंसी

काहिरा। जॉर्डन के सशस्त्र बलों ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने बृहस्पतिवार सुबह ईरान की ओर से दागी गईं पांच मिसाइल को मार गिराया। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने यह जानकारी दी।

इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान के खिलाफ बड़े हवाई हमलों की सैन्य कार्वाई पूरी कर ली है। ये हमले जॉर्डन स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहले हुए ईरानी मिसाइल हमले के जवाब में किए गए। यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि दो घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के दौरान अमेरिकी सेना ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के 12 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें सैन्य कमान केंद्र, मिसाइल एवं ड्रोन ठिकाने तथा तटीय निगरानी और रक्षा स्थल शामिल थे।

भोजशाला परिसर के पास भारी पुलिस तैनाती के बीच नमाज अदा की

धार (मध्यप्रदेश)। उच्चतम न्यायालय की अनुमति के एक दिन बाद, मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला-कमाल मौला परिसर के निकट शुक्रवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच मुस्लिम समुदाय ने निर्धारित स्थल पर नमाज अदा की।

जिला प्रशासन ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद भोजशाला के निकट सर्वे नंबर 612 को नमाज के लिए चुना गया था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा मई में भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किए जाने के बाद पहली बार बड़ी संख्या में मुस्लिम जुमे की नमाज के लिए पहुंचे। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि मुस्लिम समुदाय को विवादित भोजशाला परिसर से सटे दरगाह परिसर में शुक्रवार को दोपहर एक बजे से तीन बजे के बीच नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। अदालत के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने नमाज के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब ढाई बजे 150 से अधिक लोग नमाज के लिए पहुंचे। बारिश के बावजूद उन्होंने निर्धारित स्थल पर नमाज अदा की। उन्होंने बताया कि नमाज से पहले जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। सुरक्षा के मद्देनजर भोजशाला परिसर के चारों ओर अवरोधक लगाए गए और परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य अब्दुल समद ने कहा, "हमने अपनी मांगें उच्चतम न्यायालय के समक्ष रखीं। अदालत ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए कमाल मौला मस्जिद से लगे क्षेत्र में नमाज अदा करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अदालत ने सर्वे नंबर 611, 612 और 596 का उल्लेख किया था तथा उपलब्ध स्थान पर नमाज की व्यवस्था करने को कहा है। समद ने कहा, प्रशासन के सहयोग से हमने सर्वे नंबर 612 पर नमाज अदा की और सर्वे नंबर 611 छोड़ दिया, ताकि किसी की भावनाओं या आस्था को ठेस न पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने कहा, बृहस्पतिवार शाम से ही मुस्लिम समुदाय के साथ लगातार संवाद किया गया। प्रशासन और पुलिस विभाग ने आपसी सहमति से आज शांतिपूर्ण ढंग से उसी स्थान पर नमाज कराने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि नमाज के दौरान लगभग 800 से 900 पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

गुरू हरिकिशन पी.जी कालेज

वर्ष 2003 में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों के प्रयासों से स्थापित गुरु हरिकिशन पी.जी. कॉलेज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जनपद की अग्रणी संस्थाओं में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यहां अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. (बायो/मैथ्स), एम.कॉम. एवं एम.ए. (चित्रकला) की कक्षाएं संचालित हैं। महाविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, विशाल एवं हवादार कक्षाएं, खेलकूद की सुविधाएं तथा छात्राओं के लिए वाहन व्यवस्था उपलब्ध है। सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया जाता है। डॉ. परमेंन्द्र पाल सिंह - प्रबंधक

इंटरटेनमेंट...

फिल्म 'रामायण' ब्रह्म मुहूर्त में होगी रिलीज

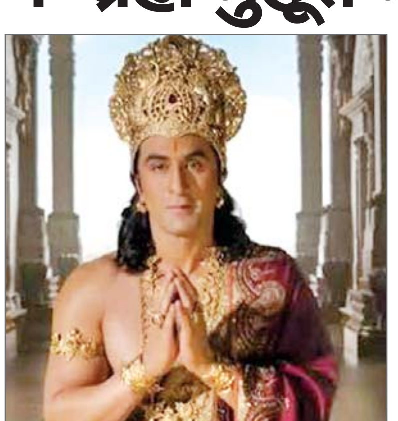

मुंबई। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के पहले पार्ट का ट्रेलर आज रिलीज हो गया। मेकर्स ने इसे 30 जुलाई को सुबह 4:15 बजे, ब्रह्म मुहूर्त के शुभ अवसर पर दुनिया भर में लॉन्च किया। 'रामायण' के ट्रेलर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में एक साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया। शांत, तेजस्वी और मयार्दा पुरुषोत्तम की छवि में रणबीर कपूर का लुक प्रभावशाली नजर आया। भगवान राम के प्रति

- सुबह 4:15 बजे दुनिया भर में लॉन्च, दिवाली 2026 पर रिलीज होगा पहला पार्ट

समर्पित लक्ष्मण के रोल में रवि दुबे का लुक दमदार नजर आया। माता सीता के किरदार में साई पल्लवी के लुक में सादगी और शालीनता नजर आ रही है। दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और खतरनाक अंदाज में यश का रावण सबसे ज्यादा चर्चा में है। गरिमामयी व्यक्तित्व के साथ अरुण गोविल का दशरथ का रोल प्रभावी लगा। फिल्म 'रामायण' में लारा दत्ता कैकेयी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म 'रामायण' में रकुल प्रीत सिंह रावण की बहन शूर्पणखा का किरदार निभा रही हैं। 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई लोगों ने इसकी जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'यह सिर्फ ट्रेलर नहीं, पीढ़ियों से जुड़ी एक भावना है।' वहीं, दूसरे ने कहा, 'कुछ फिल्में देखी जाती हैं, रामायण महसूस की जाती है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'रावण के किरदार में यश की कास्टिंग बेहतरीन है।' वहीं, साई पल्लवी के सीता रूप की भी कई लोगों ने तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'मां सीता के रूप में साई पल्लवी दिव्य लग रही हैं।' हालांकि, कुछ यूजर्स ने यश और साई पल्लवी के हिंदी डायलॉग्स पर सवाल उठाए। कुछ लोगों ने साई पल्लवी के लुक और एक्सप्रेशन की भी आलोचना की। कुछ दर्शकों का कहना है कि ट्रेलर में रामायण की आत्मा कम और विजुअल्स पर ज्यादा जोर दिया गया है। वहीं, कुछ ने इसे फिल्म से ज्यादा थिएटर ड्रामा जैसा बताया। इससे पहले फिल्म के निमार्ता नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर रिलीज की जानकारी दी थी कि हिंदू परंपरा में सुबह 4 से 5 बजे के बीच का समय ब्रह्म मुहूर्त माना जाता है, जिसे किसी भी नए और शुभ कार्य की शुरूआत के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी मान्यता को ध्यान में रखते हुए मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज का समय चुना। रणबीर कपूर बने हैं भगवान राम, यश निभा रहे रावण का रोल फिल्म 'रामायण' में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बड़े कलाकार एक साथ नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम की भूमिका में हैं।

कंगना के 'गटर जनरेशन' के बयान पर भड़के सोनू सूद

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद ने देश छात्र प्रदर्शनों में शामिल युवाओं पर कंगना रनोट की टिप्पणी की आलोचना की है। हाल ही में कंगना ने प्रदर्शनकारी जेन-जी छात्रों को 'जनरेशन गटर' कहा था। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनू सूद ने कहा कि अगर कंगना ने ऐसा कहा है तो यह बहुत शर्मनाक है। सोनू ने कहा कि यही युवा कलाकारों को स्टार बनाते हैं और ऊंचाई तक पहुंचाते हैं। उन्होंने मशहूर हस्तियों को सोच-समझकर बोलने की सलाह दी और जनता को भगवान का रूप बताया। सोच समझकर कर बोलना चाहिए मीडिया से बातचीत के दौरान सोनू सूद ने कहा कि उन्होंने कंगना का पूरा बयान नहीं सुना है, लेकिन इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। सोनू ने कहा, ये युवा ही हैं जो कलाकारों को बनाते हैं।

सलमान खान की शो 'अलायंस' में होगी एंट्री

मुंबई। सलमान खान बुधवार को रियलिटी शो 'अलायंस' के सेट पर पहुंचे। यहां वह अपने भाई सोहेल खान को सपोर्ट करने आए थे। सोहेल खान की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शो में शामिल हुई थीं। हालांकि, हाल ही में

- भाई सोहेल का सपोर्ट करने पहुंचेंगे, काउबॉय हैट और ऑल-डेनिम लुक में दिखे

वह शो से बाहर हो गईं। सीमा के एलिमिनेट होने के बाद सोहेल भावुक नजर आए थे। अब सलमान शो में गेस्ट के रूप में दिखाई देंगे। सेट पर जाने से पहले सलमान ने पैपराजी के लिए भी पोज दिए। इस दौरान उनका ऑल-डेनिम लुक और काउबॉय हैट लोगों का ध्यान खींचता नजर आया। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द ही फिल्म 'मातृभूमिः मे रेस्ट इन पीस' में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। बता दें कि रियलिटी गेम शो 'अलायंस' में जब सीमा की एंट्री हुई, तब सोहेल ने उनकी तारीफ की थी। उस दौरान होस्ट कुणाल खेमू ने सोहेल से सीमा को लेकर सवाल किया था, जिस पर उन्होंने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। कुणाल खेमू ने पूछा था कि सीमा को शो में देखकर

रिव्यू- 'भाई तेरा स्टार है' : कहानी में दम नहीं

मुंबई। कॉमेडी फिल्म की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है दर्शकों को हंसाना। फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' इसी सबसे जरूरी काम में बुरी तरह नाकाम रहती है। फिल्म शुरूआत से आखिर तक यह भरोसा दिलाती रहती है कि अब कुछ मजेदार होने वाला है,

- राघव जुयाल की पहली सोलो लीड ने किया सिरदर्द

लेकिन हर अगले सीन के साथ निराशा ही हाथ लगती है। शोर है, भागदौड़ है, गलतफहमियां हैं, लेकिन हंसी कहीं दिखाई नहीं देती। राघव जुयाल की पहली सोलो लीड फिल्म से जिस धमाके की उम्मीद थी, वह शुरूआत में ही हवा हो जाती है। फिल्म की कहानी कहानी लंदन में रहने वाले स्ट्रगलिंग एक्टर अजय सिंह (राघव जुयाल) की है। क्रिकेट की एक शर्त हारने के बाद उस पर क्लब मालिक फैटी (संजय कपूर) का दस हजार पाउंड का कर्ज चढ़ जाता है। पैसे लौटाने के लिए उसके पास सिर्फ एक रात है, लेकिन सच बोलने की बजाय अजय एक के बाद एक झूठ बोलता चला जाता है। उसकी गर्लफ्रेंड रोशनी (निहारिका एन एम), बहन नताशा (पार्वती ओमनाकुट्टन) और रोशनी का भाई सिड (विवान भटेना) भी इस झूठ के जाल में फंसते चले जाते हैं। कहानी का आइडिया सुनने में दिलचस्प लगता है। एक रात, ढेर सारी गलतफहमियां और भागदौड़ वाली कॉमेडी, लेकिन स्क्रीन पर सब कुछ इतना बिखरा हुआ है कि कुछ देर बाद यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कहानी आखिर जाना कहां चाहती है। कई सीन सिर्फ समय भरने के लिए जोड़े गए लगते हैं और क्लाइमैक्स तक पहुंचते पहुंचते फिल्म पूरी तरह थका देती है।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com